FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
twitter.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.in
+focusnewsin

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। शनिवार 27 अप्रैल 2024। चतुर्थी, माघ मास, शुक्ल पक्ष। 2080 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 11। अंक : 285

आयुष्मान भारत योजना: आमदनी चाहे कितनी हो पर इन्हें मिलेगा मुफ्त इलाज

केंद्र सरकार ने गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली योजना आयुष्मान भारत का दायरा बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है।

टी20 विश्व कप में भारत की संभावनाओं के लिए सूर्यकुमार और बुमराह अहम होंगे : युवराज सिंह

भारत के पूर्व स्टार युवराज सिंह ने आगामी टी20 विश्व कप में टीम की संभावनाओं के लिए विस्फोटक सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुम. राह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे किसी भी समय मैच का रूख बदलने की काबिलियत रखते हैं।

भारत का सेवा निर्यात 2023 में 11.4 प्रतिशत बढ़ा:यूएनसीटीएडी रिपोर्ट

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बा. वजूद भारत का सेवा निर्यात 2023 में 11.4 प्रतिशत बढ़कर 345 अरब अमे. रिकी डॉलर हो गया, जबकि चीन का निर्यात 10.1 प्रतिशत घटकर 381 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।

उत्तर प्रदेश की ऐसी जगह जहां अब तक नहीं आया कलियुग, कारण भी जान लें

भागती–दौड़ती जिंदगी में सुकून के पल पाने के लिए लोग प्रकृति के बीच समय गुजारने जाते हैं. धार्मिक और अध्यात्मिक स्थानों पर जाते हैं.

अरिजीत सिंह के ये 7 गाने हैं आज भी अंडररेटेड, सुनकर मिलेगा आपको सुकून

बॉलीवुड में कई सिंगर आए और गए, लेकिन जो छाप अरिजीत सिंह ने छोड़ी वो शायद ही किसी ने छोड़ी हो।

जनता को कांग्रेस के न्यायपत्र के पांच न्याय की 25 गारंटी पर भरोसा है : पवन खेड़ा

कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'सफेद झूठ' करार दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बरेली में रोडशो किया, जनता ने फूल बरसाकर किया स्वागत

। कृष्णा अग्रवाल ।

बरेली (उप्र), फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बरेली में रोडशो किया और रास्ते में खड़ी उत्साही भीड़ ने हाथ हिला कर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भव्य रोड शो में काफी भीड़ जुटी। इससे पहले, बृहस्पतिवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बरेली के आंवला में जनसभा को संबोधित किया था। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के साथ बरेली शहर में रोड शो करने उतरे। लगभग 1.2 किलोमीटर के रोड शो के दौरान सड़क के दोनों किनारे भारी भीड़ थी। बरेली से लोकसभा प्रत्याशी छत्रपाल सिंह गंगवार को वोट देने की अपील करने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का यह रोड शो (शेष पेज दो पर)

भारत वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड

तिरूपति (आंध्र प्रदेश), फोकस न्यूज, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है और इसे रोका नहीं जा सकता। उपराष्ट्रपति ने यहां राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप अब एक वृहद विश्व में एक ऊंची छलांग लगा रहे हैं। आप भाग्यशाली हैं कि आप यह ऐसे समय में कर रहे हैं जब भारत आगे बढ़ रहा है। इसके उभरने को रोका नहीं जा सकता। आप वैश्विक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने दावा किया कि ऐसी भाषा जो हर तरह की प्रौद्योगिकी विज्ञान में बिना त्रुटि के उपयुक्त हो सकती है वह संस्कृत है। धनखड़ ने दावा किया, ''यह एकमात्र भाषा है जिसके शब्द द्विअर्थी नहीं है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत को कई भारतीय भाषाओं की जननी माना जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के भाषाई विकास में इसका एक अद्वितीय स्थान है ।

अभी तक भी नहीं किया पैन को आधार से लिंक? आपके पास है अब आखिरी मौका, बड़े नुकसान से बच जाएंगे

नई दिल्ली। अगर आपने अभी तक भी अपना पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं कराया है, तो जल्द करा लें। जो लोग 30 जून, 2023 की समयसीमा तक पैन–आधार लिंक नहीं करा सके, उन पर पेनल्टी लगाने की समयसीमा में आयकर विभाग ने ढील दी है। आयकर विभाग ने कहा कि असेसी द्वारा 31 मई तक आधार के साथ पैन को लिंक करा लेने पर टीडीएस की कम कटौती के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर नियमों के अनुसार करदाता को अपने पैन को अपने आधार नंबर के साथ लिंक करना होता है। अगर ये दोनों लिंक नहीं होते तो लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाना आवश्यक है। जारी एक सर्कुलर में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने कहा, "करदाताओं से कई शिकायतें मिली हैं कि उन्हें यह सूचित करने (शेष पेज दो पर)

देश में समान नागरिक संहिता लागू करना, प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी : शाह

गुना (मप्र), केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर पर्सनल लॉ की वकालत करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करेगी क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। शाह मध्य प्रदेश में गुना लोकसभा सीट के अंतर्गत अशोकनगर जिले के पिपरई क्षेत्र में एक रैली को संबोधित कर रहे थे, जहां से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, ''राहुल बाबा, आप तुष्टीकरण के लिए कुछ भी कर सकते हैं। जब तक भाजपा है, पर्सनल लॉ नहीं होने देगी। ये हमारा वादा है और मोदी जी की गारंटी है कि हम पूरे देश में यूसीसी लागू करेंगे जैसा कि हमने उत्तराखंड में किया है।" उन्होंने यह भी कहा कि मोदी (शेष पेज दो पर)

शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई से 2025 से वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा के लिए तैयारी करने को कहा

नयी दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से 2025–26 शैक्षणिक सत्र से साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के संबंध में व्यवस्थागत तैयारी करने को कहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेमेस्टर प्रणाली शुरू करने की योजना को खारिज कर दिया गया है। सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय और सीबीएसई साल में दो बार बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए अगले महीने स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के साथ चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि सीबीएसई वर्तमान में इस बात पर काम कर रहा है कि स्नातक प्रवेश कार्यक्रम को प्रभावित किए बिना एक और बोर्ड परीक्षा को समायोजित करने के लिए अकादमिक कैलेंडर को कैसे तैयार किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया, ''मंत्रालय ने सीबीएसई से इस बात पर काम करने को कहा है कि साल में दो बार बोर्ड परीक्षा (शेष पेज दो पर)

दुबलेपन से परेशान है तो सुबह पिएं बनाना मिल्क शेक, कुछ ही दिनों में बन जाएगी बॉडी, जाने कैसे बनाएं ?

जहां एक तरफ देश–दुनिया में लोग बढ़ते मोटापे से परेशान हैं, वहीं कई लोग ऐसे भी हैं जो दुबलेपन से ग्रसित हैं। दुबले–पतले लोग कुछ भी खायें उनका वजन नहीं बढ़ता है। शरीर पतला होने से लोगों को बहुत ज़्यादा कमजोरी होती है। साथ ही दुबलापन आपकी पर्सनैलिटी को भी खराब कर सकता है।पतले होने की वजह से लोगों को अक्सर माचिस की तीली जैसे ताने सुनने पड़ते हैं।ऐसे में अगर आप भी दुबलेपन का शिकार हैं तो अपना वजन बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में केले का सेवन शुरू करें। सिर्फ़ केला खाने से आपका वजन धीरे धीरे बढ़ता है।लेकिन अगर आप इसका मिल्क शेक बनाकर पिएँगे तो इससे आपका वजन तेज़ी से बढ़ेगा।बनाना शेक को वजन बढ़ाने के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर वजन बढ़ाने के लिए बनाना शेक कैसे बनाएं तो चलिए हम आपको बताते हैं की आप घर पर बेहतरीन प्रोटीन वाला बनाना मिल्क शेक कैसे बनायें?

बनाना मिल्क शेक बनाने के लिए सामग्री : 2 केला, आधा कप दूध, (शेष पेज दो पर)

अब हेल्थ ड्रिंक नहीं, न्यूट्रीशन ड्रिंक हुआ Horlicks, जानें हिंदुस्तान यूनिलीवर ने क्यों किया ये बदलाव

हॉरलिक्स अब हेल्थ ड्रिंक नहीं रह गया, अब यह न्यूट्रीशंस ड्रिंक बन गया है। हालांकि दोनों में सामान्यतः कोई खास अंतर आम लोगों के लिए नहीं नजर आता लेकिन केंद्रीय कॉमर्स और इंडस्ट्रियल मिनिस्ट्री की ओर से ई कॉमर्स वेबसाइटों को अपने सभी संबंधित प्लेटफॉर्म पर हीथी ड्रिंक्स कैटेगरी से पेय और पेय पदार्थों को हटाने का आदेश दिया गया है। इसी के चलते हिंदुस्तान यूनिलीवर ने अपने हेल्थ फूड ड्रिंक्स का नाम बदलकर उसे न्यूट्रिशनल ड्रिंक कर दिया है। इस बारे में हिंदुस्तान यूनिलीवर के चीफ फाइनेंशियल अफसर रितेश तिवारी का कहना है कि कंपनी अपने हेल्थ ड्रिंक्स की कैटेगरी के लेवल को हेल्थ फूड से बदलकर फंक्शनल न्यूट्रीशंस ड्रिंक्स की कैटेगरी में बदल दिया है। केंद्रीय मंत्रालय के आदेश को फॉलो करने का ये बेहतर तरीका था।

डायबिटिक पेशेंट्स और महिलाओं की हेल्थ पर फोकस : उन्होंने कहा कि यह कैटेगरी कम पैठ वाली है और इसमें आगे बढ़ोतरी के अवसर भी देखने को मिलते हैं। ये भी कहा कि हिंदुस्तान यूनिलीवर एफएनडी कैटेगरी को अपग्रेड करने के लिए कस्टमर, यूज और ग्राहकों को अधिक लाभ देने पर ध्यान दे रही है। इसके साथ ही कंपनी अपनी प्रीमियम रेंज को भी (शेष पेज दो पर)

बिना AC कूलर के भी घर को रख सकते हैं ठंडा–ठंडा. ..कूल–कूल, आप भी जानें ये बेहतरीन आइडियाज़

दिल्ली–नोएडा में चिलचिलाती गर्मी अपने चरम पर है। अभी मई का महीना आया भी नहीं है और गर्मी ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। दिन ब दिन तापमान बढ़ते ही जा रहा है। दोपहर के समय उमस और गर्मी इतना ज़्यादा होती है कि उससे छुटकारा पाने के लिए लोग घरों में कूलर और AC चलाते हैं। लेकिन जिनके घरों में ।ब नहीं है वो लोग क्या करें? ऐसे मौसम में अगर घर में AC नहीं है तो घर में रहना भी किसी सजा से कम नहीं लगता है। अगर आपके घर में भी AC नहीं है तो आपको टेंशन लेने की ज़रूरत नहीं है। चलिए हम आपको बताते हैं बिना AC कूलर के आप अपने घर को कैसे ठंडा रखें?

घर को ठंडा रखने के लिए ये उपाय आज़माएं: खिड़की पर लगाएं मोटे पर्दे: किसी भी घर या कमरे में खिड़कियां सबसे ज्यादा गर्मी फैलाती (शेष पेज दो पर)

सूर्य को अर्घ्य देने से भी नहीं होगा लाभ, अगर करेंगे ये गलतियां, जान लें सही नियम

सूर्य के प्रकाश से ही पृथ्वी पर भी जीवन संभव हुआ है। इसलिए हिंदू धर्म में सूर्य को भगवान माना जाता है। वहीं ज्योतिष में सूर्य को राजा का दर्जा दिया गया है। इसलिए सूर्य की पूजा को हिंदू धर्म में बहुत शुभ माना जाता है। सूर्य देव को प्रसन्न करने के लिए बहुत से लोग सुबह के समय अर्घ्य भी देते हैं। विज्ञान भी मानता है कि सूर्य को अर्घ्य देने से स्वास्थ्य पर भी अच्छे प्रभाव देखने को मिलते हैं। लेकिन कई लोगों की शिकायत होती है कि वो सूर्य देव को लंबे समय से अर्घ्य दे रहे हैं लेकिन कोई अच्छा परिवर्तन उनके जीवन में नहीं आ रहा है। अगर आप भी इन लोगों में से एक हैं तो हो सकता है आप सूर्य देव को अर्घ्य देते समय कुछ गलतियां कर रहे हों। अर्घ्य देते समय आपको किन गलतियों को करने से बचना चाहिए इसके बारे में आइए विस्तार से जानते हैं। (शेष पेज दो पर)

अभी तक... (पेज एक का शेष) वाले नोटिस प्राप्त हुए हैं कि उन्होंने लेन–देन करते समय 'कम कटौती/संग्रह' का डिफ़ॉल्ट किया है। जहां कटौती करने वालों/संग्रहकर्ताओं के पैन निष्क्रिय थे। ऐसे मामलों में, चूंकि कटौती/संग्रह उच्च दर पर नहीं किया गया है, इसलिए विभाग द्वारा कटौती करने वालों/संग्रहकर्ताओं के खिलाफ टी.डी.एस./टी.सी.एस. विवरणों को संसाधित करते समय डिमांड्स उठाई गई है।" ऐसे कटौती करने वालों/संग्रहकर्ताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए, सीबीडीटी ने निर्दिष्ट किया कि "31 मार्च, 2024 तक किए गए लेन–देन के लिए और ऐसे मामलों में जहां पैन मई 31, 2024 को या उससे पहले (आधार के साथ लिंकेज के परिणामस्वरूप) चालू हो जाता है, वहां कटौती करने वाले/संग्रहकर्ता पर कर (उच्च दर पर) काटने/संग्रह करने की कोई देनदारी नहीं होगी।"

आपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराया तो क्या होगा?

आपका पैन निष्क्रिय हो जाएगा। इसका मतलब है कि आपका पैन अब कर संबंधी कार्यों के लिए वैध नहीं होगा।

यदि आपका पैन निष्क्रिय हो जाता है, तो पेंडिंग टैक्स रिफंड और उस पर ब्याज इश्यू नहीं किया जाएगा। उच्च दर पर टी.डी.एस. कटौती होगी। यदि आपका पैन आधार से जुड़ा नहीं है, तो लेन–देन करते समय उस पर लागू दर से दोगुनी दर पर टी.डी.एस. काटा जाएगा।

पैन को आधार से कैसे लिंक करें:

आयकर विभाग की वेबसाइट पर जाएं।

'फनपबा स्पदो' सेक्शन में 'स्पदा ।कींत' विकल्प पर क्लिक करें।

अपना पैन और आधार नंबर दर्ज करें और 'टंसपकंजम' बटन पर क्लिक करें।

अपने आधार कार्ड के अनुसार अपना नाम और मोबाइल नंबर दर्ज करें और 'स्पदा ।कींत' बटन पर क्लिक करें। अपने मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें और 'Validate' बटन पर क्लिक करें।

देश में... (पेज एक का शेष) सरकार ने देश से नक्सलवाद और आतंकवाद को खत्म कर दिया है। शाह ने कहा, "2019 में, मोदी सरकार ने एक झटके में अनुच्छेद 370 को हटा दिया। राहुल बाबा डराते थे कि खून की नदियां बह जायेंगी। अरे राहुल बाबा, यह कांग्रेस सरकार नहीं है... नरेन्द्र मोदी की सरकार को पांच साल हो गए। खून की नदियां छोड़ो... कंकर चलाने की हिम्मत नहीं हुई। '' उन्होंने कहा, "सरकार ने देश को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्त कराया है और मध्य प्रदेश को भी इससे मुक्त कराया है।"

शिक्षा मंत्रालय... (पेज एक का शेष) किस तरह आयोजित की जाएगी। बोर्ड तौर–तरीकों पर काम कर रहा है और अगले महीने स्कूल के प्रधानाध्यापकों के साथ चर्चा की जाएगी।'' सूत्र ने बताया ''2025–26 शैक्षणिक सत्र से वर्ष के अंत में बोर्ड परीक्षाओं के दो संस्करण आयोजित करने का विचार किया जा रहा है, लेकिन तौर–तरीकों पर अभी भी काम करने की जरूरत है। हालांकि, सेमेस्टर प्रणाली को लागू करने की कोई योजना नहीं है।'' पिछले साल शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित नए पाठ्यक्रम ढांचे (एनसीएफ) के अनुसार, बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार आयोजित की जाएंगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों के पास अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय और अवसर हो और उन्हें सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाए रखने का विकल्प मिले।

सूर्य को... (पेज एक का शेष) **सूर्य देव को अर्घ्य देते समय न करें ये गलतियां**

सुबह के समय अगर आप सूर्य देव को जल का अर्घ्य देते हैं तो इस बात का विशेष ख्याल रखें कि अर्घ्य देने का समय लगभग एक ही हो। अगर आपने अर्घ्य देना शुरू किया है तो इस नियम को किसी भी स्थिति में तोड़ें नहीं। अगर भूलवश सही समय पर कभी अर्घ्य न दे पाएं तो, क्षमा याचना करते हुए जल में रोली डालकर सूर्य को जल चढ़ाएं।

अर्घ्य देने के लिए बासी जल का इस्तेमाल आपको नहीं करना चाहिए।

अर्घ्य देते समय आपको सूर्य देव के मंत्र 'ऊं घृणि सूर्याय नमः' का 7 बार जप अवश्य करना चाहिए।

सूर्य देव को पूर्व दिशा में ही हमेशा जल चढ़ाएं।

अगर संभव हो तो जल में कुमकुम और लाल फूल अवश्य डालें। अगर ये चीजें उपलब्ध नहीं हैं तो कम से कम जल में अक्षत यानि चावल अवश्य डालें। अर्घ्य देने के बाद सूर्य देव का ध्यान करते हुए चारों ओर परिक्रमा आपको करनी चाहिए। इस बात का विशेष ख्याल रखें कि सूर्य देव को जल का अर्घ्य देते समय जल की बूंदें आपके पैरों पर न गिरें।

तांबे के लोटे में सूर्य देव को जल का अर्घ्य देना सबसे शुभ माना जाता है।

सूर्य देव को जल का अर्घ्य देने वालों को रविवार के दिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ भी करना चाहिए इससे सूर्य देव प्रसन्न होते हैं।

अर्घ्य देने वालों को मांस का सेवन करने से बचना चाहिए।

अगर आप नियम के अनुसार प्रतिदिन सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं तो आपको इसके कई शुभ परिणाम मिलने लगते हैं। अर्घ्य देने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और इसके प्रभाव से धन–समृद्धि घर में आती है। इसके साथ ही सेहत भी दुरुस्त बनी रहती है। अगर आप नियमों के अनुसार सूर्य देव को अर्घ्य नहीं देते तो वैसे फल आपको प्राप्त नहीं होते, जैसे आप चाहते हैं।

हरियाणा में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला होगाः हुड्डा

चंडीगढ़, (भाषा) हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि राज्य की नौ लोकसभा सीट पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला होगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हुड्डा ने कहा, ''समाज के सभी वर्ग कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं और हमारे उम्मीदवार अच्छे हैं।'' हरियाणा में कांग्रेस लोकसभा की दस सीट में से नौ पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आठ सीट पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी। पार्टी ने हालांकि अभी गुरुग्राम सीट पर अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच हुए सीट–बंटवारे के तहत हरियाणा में एक सीट पर 'आप' चुनाव लड़ेगी। 'आप' को कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट दी गई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र... (पेज एक का शेष) राजेन्द्र नगर स्थित स्वयंवर बैंक्वेट हॉल से शुरू होकर शहीद चौक पर समाप्त हुआ। रोड शो के रूट और उसके आस–पास की सड़कों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये थे। फूलों से सजे रथ की तरह बने भगवा रंग के वाहन पर खड़े मोदी ने भाजपा का चुनाव चिन्ह कमल थाम रखा था, और सड़क किनारे खड़ी भीड़ ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान भीड़ में खड़े लोगों के हाथों में पोस्टर थे, जिनपर "अबकी बार 400 पार" लिखा था। प्रधानमंत्री के साथ रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बरेली से लोकसभा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार मौजूद रहे। पश्चिमी उप्र के रुहेलखंड क्षेत्र के मध्य में स्थित बरेली को भाजपा का गढ़ माना जाता है। पार्टी ने इस बार छत्रपाल गंगवार को टिकट दिया है। स्थानीय पार्टी नेताओं के अनुसार रोड शो के दौरान 43 मिनट में लगभग 1.2 किलोमीटर की दूरी तय की गई। सात चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के दौरान सात मई को बरेली में मतदान होगा।

अब हेल्थ... (पेज एक का शेष) बेहतर बना रही है जो डायबिटिक पेशेंट्स और महिलाओं की हेल्थ को लेकर फोकस्ड है। इससे पहले राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस संबंध में पहले ही कहा था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत स्वास्थ्य पेय पदार्थों की कोई परिभाषा नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने ई–कॉमर्स वेबसाइटों से कहा है कि वे डेयरी, अनाज या माल्ट बेस्ड ड्रिंकिंग प्रॉडक्ट्स को हेल्थ ड्रिंक्स की श्रेणी में न डाले क्योंकि ऐसा करना नियमतः गलत होगा। ये ग्राहकों को गुमराह कर सकता है।

बिना AC... (पेज एक का शेष) हैं। ऐसे में खिड़की से सूरज की तेज धूप सीधा घर के अंदर न आए इसलिए आप अपने घर की खिड़कियों पर मोटे पर्दे लगाएं। इससे आपके घर के अंदर की हवा ज्यादा ठंडी रहेगी और गर्मी से राहत मिलेगी.

एग्जॉस्ट फैन रखें हमेशा ऑनः घर में लगे एग्जॉस्ट फैन अंदर की गर्म हवा को बाहर फेंकते हैं और घर को ठंडा रखते हैं। इसलिए इस फैन को आप गर्मियों के मौसम में हमेशा ऑन रखें। ताकि गर्मी हवा के साथ बाहर आसानी से निकलती रहे।

छत पर पानी डालते रहेंः अगर आपके घर पर छत है तो उसे गर्मी से बचाने के लिए शाम के समय पानी से गीला करें। छत पर पानी डालने से छत की गर्मी निकल जाती है और रात के समय छत ठंडी हो जाती है। आप चाहें तो छत को गर्म होने से बचाने के लिए थर्माकोल की शीट को छत पर फैलाकर धूप और गर्म होने से बचा सकते हैं।

घर पर लगाएं प्लांट्सः आप को गर्मी की मार ज़्यादा न पड़े इसलिए अपने घर पर इनडोर और आउटडोर प्लांट्स लगाएं। अगर आपके घर एक बाहर जगह है तो उस जगह को गार्डन में तब्दील करें। पौधे अपने आसपास ठंडी हवा छोड़ते हैं, जिससे वातावरण हमेशा ठंडा रहता है। गर्मी से सुकून पाने का यह एक प्राकृतिक और सुंदर तरीका है।

कूलर को बनाएं एसीः अगर आपके घर में कूलर है तो उसकी टंकी में ठंडा पानी और आइस क्यूब डाल दें। इससे आपका कूलर ठंडी हवा बाहर फेकेगा। पानी डालने के बाद कुछ ही मिनटों में कूलर से ठंडी हवा आने लगेगी।

दुबलेपन से... (पेज एक का शेष) 1 चम्मच शहद, 4 बादाम, 4 काजू, आधा चम्मच पम्पकिन

बनाना मिल्क शेक बनाने की विधि : बनाना शेक को हेल्दी बनाने के लिए केले के छिलके को निकालकर उसे टुकड़ों में काटें। अब आप केले को ग्राइंडर जार में डालें। इस जार में आप आधा कप दूध भी मिलाएँ।इसमें आप बादाम, काजू और किशमिश, पंपकिन सीड्स जैसे नट्स भी मिलाएं। अब इन सभी सामग्रियों को आपस में मिक्स करके एकदम स्मूथ पेस्ट बना लें। अब इस शेक को एक गिलास में निकालें।अब गिलास में ३ से ४ टुकड़े बर्फ़ के मिलाएँ।आप चाहें तो बनाना बनाना मिल्क शेक में गार्निशिंग के लिए ऊपर से नट्स भी डाल सकते हैं। रोजाना नट्स वाले बनाना शेक का सेवन करने से आपके वजन तेज़ी से बढ़ेगा।

आप चाहें तो दूसरे तरीक़े से भी बनाना मिल्क शेक बना सकते हैं। अगर आप अपना वजन तेज़ी से बढ़ाना चाहते हैं, तो बनाना शेक में पीनट बटर मिलाकर इसका सेवन करें इससे आपको जल्दी फ़ायदा होगा।सबसे पहले ग्राइंडर जार में डालकर आप दूध और केले का शेक बना लें। इसके बाद एक गिलास में इन्हें निकालें और इसमें पीनट बटर मिलाएँ ।पीनट बटर में मौजूद प्रोटीन, हेल्दी फैट और कैलोरी आपका वजन तेज़ी से बढ़ाते हैं

बृज शर्मा को जजपा की हरियाणा इकाई का अध्यक्ष बनाया गया

चंडीगढ़, (भाषा) जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बृज शर्मा को हरियाणा इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस महीने की शुरुआत में जजपा की हरियाणा इकाई के प्रमुख निशान सिंह ने पार्टी छोड़ दी थी। पार्टी के एक बयान के अनुसार शर्मा करनाल के रहने वाले हैं। पूर्व सांसद अजय सिंह चौटाला के नेतृत्व वाली जजपा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच पिछले महीने गठबंधन टूट गया था। जजपा ने घोषणा की थी कि वह 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में हरियाणा में अपने उम्मीदवार उतारेगी। जजपा कुछ सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर चुकी है।

ईवीएम को लेकर दाखिल याचिकाओं को करीब 40 बार अदालतों ने खारिज किया है : निर्वाचन अधिकारी

नयी दिल्ली, (भाषा) मतपत्र से मतदान की प्रक्रिया की वापसी का अनुरोध करने वाली याचिका उच्चतम न्यायालय से खारिज होने के बाद निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने रेखांकित किया कि कम से कम 40 मौकों पर संवैधानिक अदालतों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज की हैं। पदाधिकारियों ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार की उस टिप्पणी को भी रेखांकित किया जिसमें उन्होंने कहा था कि ईवीएम 'शत प्रतिशत सुरक्षित हैं' और राजनीतिक दल भी 'दिल की गहराई से जानते हैं' की मशीन सही है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) के साथ ईवीएम का उपयोग करके डाले गए मतों के 100 प्रतिशत सत्यापन का अनुरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि प्रणाली के किसी भी पहलू पर 'आंख बंद करके अविश्वास' करना बेवजह संदेह पैदा कर सकता है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मामले में सहमति वाले दो फैसले सुनाये और इस मामले से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दीं जिनमें दोबारा मतपत्रों से चुनाव कराने की प्रकिया पुनः अपनाने का अनुरोध करने वाली याचिका भी शामिल है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ''लोकतंत्र का अर्थ सद्भाव और सभी संस्थाओं में भरोसा बनाए रखने का प्रयास करना है।''

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करने के लिए 16 मार्च को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''करीब 40 बार संवैधानिक अदालतों (उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय) ने ईवीएम को चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज की हैं।'' उन्होंने चुनाव आयोग के एक प्रकाशन का हवाला देते हुए कहा कि इससे पता चलता है कि कितने मौकों पर सत्तारूढ़ दल उन चुनावों में हार गए हैं जहां ईवीएम का इस्तेमाल किया गया था। कुमार ने कहा था, ''राजनीतिक दल ईवीएम के कारण अस्तित्व में आए हैं। कई छोटे दल हैं, जो मतपत्र के युग में अस्तित्व में नहीं आए होंगे।''उन्होंने कहा कि ईवीएम निष्पक्ष हैं और राजनीतिक दल इसे ''अपने दिल की गहराई''से स्वीकार करते हैं। कुमार ने 'ईवीएम को शत प्रतिशत सुरक्षित और शत प्रतिशत निश्चित बताया ।'' न्यायालय ने दो निर्देश जारी किये। न्यायमूर्ति खन्ना ने अपने फैसले में निर्वाचन आयोग को मतदान के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में चिह्न लोड करने वाली स्टोर यूनिट्स को 45 दिनों के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित करने के निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने ईवीएम निर्माताओं के इंजीनियरों को यह अनुमति दी कि वे परिणाम घोषित होने के बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के अनुरोध पर मशीन के 'माइक्रोकंट्रोलर' को सत्यापित कर सकते हैं।

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only
Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

आयुष्मान भारत योजनाः आमदनी चाहे कितनी हो पर इन्हें मिलेगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली योजना आयुष्मान भारत का दायरा बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। खबरों के अनुसार, योजना के दायरे में विस्तार के बाद देश में 70 साल से ज्यादा उम्र वाले सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत 70 की उम्र पार व्यक्ति की आमदनी चाहे कितनी भी हो उन्हें इसका लाभ मिलेगा। दो सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकार ने आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का विस्तार करने पर काम शुरू कर दिया है। अब इस योजना के दायरे में 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी नागरिकों को लाने की तैयारी है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार जून में चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद जब पूर्ण बजट पेश करेगी, उसमें आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाने का आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है। इस साल लोकसभा चुनाव के चलते फरवरी में अंतरिम बजट पेश हुआ था। अंतरिम बजट में आयुष्मान भारत योजना के लिए 7,500 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था। यह पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 10 फीसदी ज्यादा आवंटन था। मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में आयुष्मान भारत– प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की शुरुआत की थी। इस योजना को 2019 के लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सितंबर 2018 में लागू किया गया था। आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत गरीब आबादी के लिए आसानी से इलाज उपलब्ध कराने के लिए की गई थी। अभी इसके तहत 2.4 लाख रुपये से कम आमदनी वाले लोगों को सालाना 5 लाख रुपये के चिकित्सा बीमा का लाभ मिलता है।

गुजरात में दूसरा स्टील ब्रिज लॉन्च, जमीन से 15.5 मी. की ऊंचाई पर बना पुल

गुजरात के नडियाद के पास अहमदाबाद–मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए दूसरा 100 मीटर लंबा स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया है। 1486 मेट्रिक टन स्टील ब्रिज का निर्माण भुज जिले में स्थित वर्कशॉप में किया गया है। इस ब्रिज को जमीन से 15.5 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। इस पुल को भारतीय रेलवे लाइन की पावर ब्लॉक और ट्रैफिक की योजना को देखते हुए बनाया गया है।

स्टील ब्रिज की लंबाई 60 मीटर से 130 मीटर तक : अधिकारियों ने बताया कि स्टील के प्रत्येक उत्पादन बैच का अल्ट्रासॉनिक टेस्टिंग (यूटी) के जरिए निर्माता के परिसर में परीक्षण किया गया है। कॉरिडोर के लिए यह 28 में से दूसरा ब्रिज है। पहला स्टील ब्रिज को सूरत के नेशनल हाईवे 53 पर लॉन्च किया गया है। इन स्टील ब्रिज के निर्माण में 70,000 एमटी निर्दिष्ट स्टील का उपयोग किया गया है। इन स्टील ब्रिज स्पैन की लंबाई 60 मीटर से 130 मीटर तक है। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे लाइनों, एक्सप्रेसवे और हाइवे को पार करने में स्टील के ब्रिज उपयुक्त हैं। बता दें कि भारत के पास 100 से 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों के लिए स्टील ब्रिज बनाने की विशेषज्ञता है। अब इसी विशेषज्ञता को 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली एमएएचएसआरसी (मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर) पर भी लागू की जा रही है।

2017 में शुरू हुआ था बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : बता दें कि अहमदाबाद–मुंबई बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को 1.08 लाख करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य मुंबई से अहमदाबाद की 508 किमी की दूरी महज दो घंटे में पूरा करना है। बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा है। इस ट्रेन के लिए करीब 24 नदी पुल, 28 स्टील ब्रिज और सात पहाड़ी सुरंग बनाई जा रही है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर काम 2017 में शुरू किया गया था। केंद्रीय रेलवे मंत्री ने बताया कि इस प्रोजेक्ट को 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

हरियाणा की आठ लोकसभा सीट के लिए कांग्रेस प्रत्याशी घोषित, सिरसा से सैलजा, रोहतक से दीपेंद्र हुड्डा

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, कांग्रेस ने हरियाणा की आठ लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवार घोषित किए, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र हुड्डा प्रमुख नाम हैं। सैलजा को सिरसा से और दीपेंद्र हुड्डा को रोहतक से प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, उसने हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा को करनाल लोकसभा क्षेत्र से पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है। अंबाला से वरुण चौधरी, हिसार से जयप्रकाश, भिवानी– महेंद्रगढ़ से राव दान सिंह, सोनीपत से सतपाल ब्रह्मचारी और फरीदाबाद से महेंद्र प्रताप को पार्टी का टिकट दिया गया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके विरोधी गुट में शामिल माने जाने वाले नेताओं के बीच लंबी खींचतान और पार्टी में गहन मंत्रणा बाद हरियाणा के लिए पार्टी ने उम्मीदवारों की घोषणा की है। हालांकि अब भी गुरुग्राम के लिए पार्टी ने प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। कांग्रेस हरियाणा में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस नौ सीट पर और आम आदमी पार्टी कुरुक्षेत्र की एकमात्र लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही है। हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी। कांग्रेस ने भिवानी–महेंद्रगढ़ से हुड्डा के करीबी माने जाने वाले राव दान सिंह को उम्मीदवार बनाया है जो वर्तमान में महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक भी हैं। इसी तरह पार्टी ने हिसार लोकसभा सीट से प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश को टिकट दिया है। इस लोकसभा क्षेत्र के वर्तमान सांसद और पिछले महीने भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए बृजेंद्र सिंह को भी दावेदार माना जा रहा था। बृजेंद्र सिंह के पिता और वरिष्ठ नेता चौधरी वीरेंद्र सिंह ने कुछ दिन पहले ही भाजपा छोड़कर कांग्रेस में वापसी की है। पार्टी ने अंबाला लोकसभा क्षेत्र से वरुण चौधरी को उम्मीदवार बनाया है जो प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष फूलचंद मुलाना के पुत्र हैं। वहां से पिछले कई लोकसभा चुनाव से सैलजा अंबाला से चुनाव लड़ रही थीं, लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें सिरसा से उम्मीदवार बनाया है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र और राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा एक बार फिर से रोहतक से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। पिछली लोकसभा चुनाव में वह एक नजदीकी मुकाबले में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अरविंद शर्मा से चुनाव हार गए थे। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस देश भर में अब तक 317 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है।

देबाशीष धर के बाद भाजपा नेता देवतनु भट्टाचार्य ने बीरभूम लोकसभा सीट से दाखिल किया नामांकन

कोलकाता, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जिला इकाई के वरिष्ठ नेता देवतनु भट्टाचार्य ने बृहस्पतिवार को बीरभूम लोकसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया इसी के साथ वह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी देबाशीष धर के बाद इस सीट से नामांकन दाखिल करने वाले पार्टी के दूसरे उम्मीदवार बन गए। सेवा से इस्तीफा देने वाले धर ने केंद्रीय नेतृत्व से आधिकारिक नामांकन प्राप्त करने के बाद अपना चुनावी अभियान शुरू कर दिया है। नवीनतम घटनाक्रम कथित तौर पर बीरभूम में एक जनसभा के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी से प्रेरित है।बनर्जी ने कहा था कि धर अब भी विभागीय कार्यवाही से गुजर रहे हैं। धर को 2021 में कूचबिहार के सीतलकुची में केंद्रीय बलों द्वारा गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के रूप में उनके कर्तव्यों से कर दिया गया था। भाजपा की राज्य इकाई के महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने कहा, "पर्दे के पीछे (सत्तारूढ़ प्रतिष्ठानों द्वारा) साजिशों के मद्देनजर भाजपा तकनीकी कारणों से दूसरे उम्मीदवार को नामांकित कर रही है। हम कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।" बीरभूम में 13 मई को मतदान होगा।

प्रियंका गांधी 27 अप्रैल को महाराष्ट्र के उदगीर शहर में करेंगी चुनावी रैली

लातूर, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा पार्टी के लोकसभा उम्मीदवार डॉ. शिवाजी कालगे के समर्थन में शनिवार को मध्य महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगी। लातूर जिला कांग्रेस की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि रैली उदगीर शहर में आयोजित की जाएगी और यह दोपहर करीब तीन बजे शुरू होगी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। कांग्रेस महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन का एक घटक है जिसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) भी शामिल हैं। लातूर महाराष्ट्र की उन 11 लोकसभा सीटों में से एक है, जहां सात मई को तीसरे चरण में मतदान होगा।

एआईसीटीई के करियर पोर्टल से 30 लाख छात्रों को मिलेगी मदद

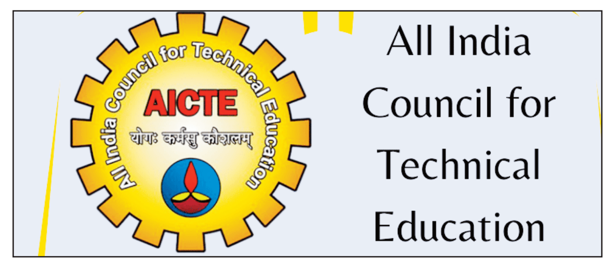

नयी दिल्ली, (भाषा) अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने अपना.कॉम के साथ मिलकर एक करियर पोर्टल शुरू किया है जिससे 30 लाख से अधिक छात्रों को नौकरी एवं प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) के अवसर हासिल करने में मदद मिलेगी। नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग मंच अपना.कॉम के साथ मिलकर शुरू किए गए 'एआईसीटीई करियर पोर्टल' की 30 अप्रैल, 2024 को शुरुआत होगी। बयान के मुताबिक, यह पोर्टल भारत और विदेश में नौकरी के अवसर, एआई रिज्यूम बनाना, वास्तविक समय पर सूचनाएं और सामुदायिक जुड़ाव जैसी सुविधाएं प्रदान करता है जो छात्रों को करियर योजना के लिए जरूरी उपकरणों के साथ सशक्त बनाता है। इसका लक्ष्य 12,000 से अधिक कॉलेज को उनके छात्रों को नौकरी प्रदान करने में सहायता प्रदान करना भी है। एआईसीटीई के चेयरमैन टी जी सीताराम ने कहा, "यह गठजोड़ एक ऐसे गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से अग्रणी कंपनियों के साथ सार्थक जुड़ाव को भी बढ़ावा देता है, जो प्रतिभा का पोषण करता है और आर्थिक वृद्धि को गति देता है।" अपना.कॉम के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी निर्मित पारिख ने कहा, "यह उद्यम नए स्नातकों और नौकरी चाहने वालों को करियर शुरू करने और अपनी पेशेवर आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक मंच प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।"

मनीष कश्यप ने ज्वाइन की बीजेपी, जानें अंतिम समय किसने पलट दिया गेम?

नई दिल्ली। बिहार के फेमस यूट्यूबर मनीष कश्यप ने को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया. उन्होंने दिल्ली में स्थित बीजेपी मुख्यालय जाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. इस दौरान दिल्ली बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष और भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी ने मंच पर पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया. बीजेपी ज्वाइन करने से पहले मनीष कश्यप ने कहा कि उन्होंने अपनी मां के कहने पर ये फैसला लिया है. उन्होंने कहा था कि वैसे भी मेरी विचारधारा भारतीय जनता पार्टी से मिलती है. बता दें कि उन्होंने पहले पश्चिम चंपारण लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान किया था. इस सीट से बीजेपी ने सिटिंग सांसद संजय जायसवाल को उतारा है. तो वहीं महागठबंधन में यह सीट कांग्रेस के हिस्से में आई है और कांग्रेस ने यहां से मदन मोहन तिवारी को खड़ा किया है. वहीं मनीष के चुनाव लड़ने के ऐलान से बीजेपी कैंडिडेट संजय जायसवाल की परेशानी बढ़ गई थी. सियासी जानकारों का कहना था कि बीजेपी की तरह मनीष कश्यप भी राजद के आलोचक माने जाते हैं. इसलिए वह एनडीए प्रत्याशी के वोट ही काटने का काम करेंगे. हालांकि, अब उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है. मनीष अब पूरे बिहार में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे. इससे एनडीए को काफी राहत मिलेगी. मीडिया से बात करते हुए मनीष कश्यप ने कहा था कि मैं आज बीजेपी में शामिल हो रहा हूं. बीजेपी के सामने मैंने जो भी शर्त रखी है, बीजेपी ने वह सारी शर्तें मान ली है. मेरी लड़ाई भाजपा से नहीं थी, क्योंकि मेरी विचारधारा बीजेपी से बखूबी मिलती है. बता दें कि मनीष को बीजेपी में लाने का पूरा क्रेडिट बीजेपी नेता और भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी को जाता है. मनीष ने खुद ये बात कही है. मनीष ने बताया कि मनोज तिवारी ने उनकी मां से बात किया था. उसके बाद मेरी मां ने मुझे बीजेपी ज्वाइन करने के लिए कहा. मैं अपनी मां की बात नहीं टालता.

राहुल गांधी संविधान पर दक्षिण गोवा के कांग्रेस प्रत्याशी के बयान पर स्पष्टीकरण दें: विनोद तावड़े

पणजी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव विनोद तावड़े ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को दक्षिण गोवा लोकसभा सीट से उनकी पार्टी के प्रत्याशी विरिआतो फर्नांडीज के उस बयान पर अवश्य स्पष्टीकरण देना चाहिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि सन 1961 में गोवा को पुर्तगालियों से मुक्त कराये जाने के बाद उसपर भारतीय संविधान थोपा गया है। तावड़े ने कहा कि एक तरफ गोवा में कांग्रेस के नेता कह रहे हैं कि संविधान बदला जाना चाहिए तो दूसरी ओर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे दावा कर रहे हैं कि भाजपा 400 से अधिक लोकसभा सीट जीत जाने पर संविधान बदल देगी। उन्होंने खरगे के बयान पर कहा, ''भाजपा ने बाबा साहब आम्बेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल को घोषणापत्र जारी किया। चूंकि विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए वह ऐसे बयान दे रहा है। मैं चाहता हूं कि राहुल गांधी सामने आकर संविधान के बारे में गोवा में कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा दिये गये बयान पर टिप्पणी करें।''

बिना एंट्रेंस एग्जाम दिए मिलेगी सरकारी नौकरी, जानें कहां करना होगा अप्लाई

देश में हजारों युवा हर साल सरकारी नौकरी परीक्षाओं के लिए काफी तैयारी करते हैं, चाहे वह राज्य सरकार की नौकरी के लिए हो या केंद्र सरकार की नौकरी के लिए हो. लेकिन, इन परीक्षाओं को पास कर सरकारी नौकरी केवल गिने चुने उम्मीदवार ही प्राप्त कर पाते हैं., क्योंकि उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षाओं के कई चरणों से गुजरना पड़ता है. हालांकि, क्या आप जानते हैं कि कुछ ऐसी भी सरकारी नौकरियां हैं, जिनमें किसी परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं होती है? जी हां, आपने सही पढ़ा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये नौकरियां 300 से ज्यादा विभागों में उपलब्ध हैं, जिन्हें बिना लिखित परीक्षा के हासिल किया जा सकता है. इच्छुक उम्मीदवारों को नियमित रूप से इस वेबसाइट, उलहवअ.पद और राज्य सरकार के नौकरी पोर्टल पर जाकर उपलब्ध रिक्तियों पर नजर रखनी होगी. इसके अलावा ऐसी नौकरियों के अवसरों के बारे में अधिक जानने के लिए, नीचे दी गई डिटेल पर एक आप एक नजर डालें.

मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स : मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स नियमित रूप से सरकारी नौकरियों के लिए नोटिफिकेशन जारी करता है, जहां उम्मीदवार को कोई परीक्षा नहीं देनी होती है. कंटेंट राइटर, एडिटर और रिसर्चर के पदों पर उम्मीदवारों को बिना प्रवेश परीक्षा के नौकरी दी जाती है. सभी पदों के लिए योग्यता और शैक्षणिक योग्यता तय है.

आईआरसीटीसी : इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन नियमित रूप से नौकरियों के लिए वॉक–इन इंटरव्यू आयोजित करता है. यहां फ्रेशर्स को बिना कोई परीक्षा दिए इंटर्नशिप का मौका मिल सकता है. कुछ एक्सपीरियंस वाले उम्मीदवारों को भी परीक्षा के साथ नौकरी मिल सकती है.

टाइपिस्ट : एक उम्मीदवार को बिना लिखित परीक्षा के भारतीय अदालत में टाइपिस्ट की नौकरी मिल सकती है. उन्हें बस एक इंटरव्यू और एक टाइपिंग टेस्ट पास करना होगा.

संघ लोक सेवा आयोग : यूपीएससी असिस्टेंट डायरेक्टर, साइंटिस्ट–बी, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर ग्रेड–१, स्पेशलिस्ट ग्रेड– пп, इंजीनियर और कई अन्य पदों के लिए बिना एंट्रेंस टेस्ट नौकरियां प्रदान करता है.

भारतीय रेलवे, सेना और पब्लिक सेक्टर के बैंकों में नौकरियां: यहां असिस्टेंट स्टेशन मास्टर और टिकट कलेक्टर के पद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं. ये नौकरियां स्पोर्ट्स कोटा के अंतर्गत आती हैं.

फायरमैन : रक्षा मंत्रालय में फायरमैन की नौकरी के लिए इच्छुक उम्मीदवार 23 मई 2024 तक आवेदन कर सकते हैं. उन्हें इसके लिए किसी परीक्षा में बैठने की जरूरत नहीं है.

कश्मीर में बनेगा महाराष्ट्र भवन : मुख्यमंत्री शिंदे

अमरावती, (भाषा) महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि केंद्र के सहयोग से जम्मू–कश्मीर में महाराष्ट्र भवन बनाया जाएगा। शिंदे ने बुधवार को महाराष्ट्र के अमरावती जिले में एक रैली में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर में महाराष्ट्र भवन के निर्माण का विरोध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा,'' राज्य सरकार को महाराष्ट्र भवन के निर्माण के लिए कश्मीर में जमीन मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हमारे साथ हैं। इसलिए कोई भी इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं करेगा।'' शिंदे ने जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से घाटी में आने वाले राज्य के पर्यटकों और अधिकारियों के लिए आवास संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र भवन के निर्माण के वास्ते भूमि देने का अनुरोध किया था। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने पिछले महीने महाराष्ट्र भवन के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिससे संविधान के अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों के निरस्त होने के बाद घाटी में पहला राज्य–संचालित अतिथि गृह बनने का रास्ता साफ हो गया है। शिंदे ने विपक्षी महा विकास आघाडी पर भी निशाना साधा और कहा कि जब महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में थी तो कई परियोजनाएं रुकी हुई थीं जिन्हें अब सत्तारूढ़ सरकार ने फिर से शुरू कर दिया है।

एनडीआर वेयरहाउसिंग ने पुणे में 95 करोड़ रुपये की सुविधा का किया उद्घाटन

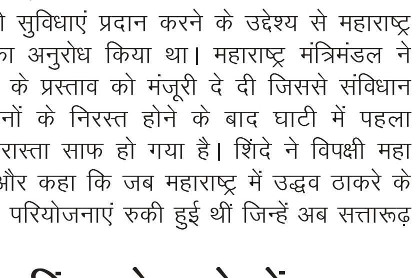

मुंबई, (भाषा) एनडीआर वेयरहाउसिंग ने बृहस्पतिवार को पुणे में 95 करोड़ रुपये के निवेश से एक सुविधा का उद्घाटन किया। एनडीआर वेयरहाउसिंग ने एक बयान में कहा कि यह सुविधा एक भारतीय बहुराष्ट्रीय टायर विनिर्माता को पट्टे पर दी जा रही है। चार लाख वर्ग फुट में फैली नई वेयरहाउसिंग सुविधा कंपनी की विस्तार योजना का हिस्सा है। एनडीआर वेयरहाउसिंग के क्षेत्रीय प्रमुख (पश्चिम) रामचंद्रन राजाराम ने कहा, '' इस सुविधा के उद्घाटन से क्षेत्र में हमारी उपस्थिति काफी मजबूत हो गई है। यह सुविधा पुणे में वेयरहाउसिंग (भंडारण) समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करती है।'' एनडीआर के पास 170 लाख वर्ग फुट से अधिक भंडारण स्थान का स्वामित्व है और इसका संचालन करता है। अतिरिक्त 40 लाख वर्ग फुट निर्माणाधीन है।

सभी जिलाधिकारी शत्रु संपत्ति के पदेन उप संरक्षक के रूप में काम करेंगेः सरकार

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जिलाधिकारी शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत अपने संबंधित जिलों के क्षेत्रों में शत्रु संपत्ति के पदेन उप संरक्षक के रूप में कार्य करेंगे और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में यह भी कहा कि जिले के उप–विभागीय मजिस्ट्रेट या समान पद पर आसीन अधिकारी शत्रु संपत्ति के पदेन सहायक संरक्षक के रूप में कार्य करेंगे।

वर्तमान लोकसभा चुनाव देश में आरक्षण व्यवस्था है जनमत संग्रहः ए रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, (भाषा) तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि वर्तमान (लोकसभा) चुनाव इस बात का जनमतसंग्रह है कि देश में चुनाव जारी रहना चाहिए या उसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद यदि कांग्रेस सत्ता में आती है तो वह आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से भी आगे बढ़ायेगी। यहां अपनी पार्टी कांग्रेस के एक कार्यक्रम में रेड्डी ने कहा कि भाजपा के पक्ष में जो भी वोट पड़ेगा, वह आरक्षण को समाप्त करने के लिए उसकी हिम्मत को बढ़ायेगा। रेड्डी ने कहा, '' न केवल हम अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण जारी रखेंगे बल्कि इन वर्गों को 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देना भी कांग्रेस की स्पष्ट नीति है।'' उन्होंने कहा, '' यदि यह व्यवस्था लागू करवानी है तो समर्थन कीजिए, अन्यथा , यदि आरक्षण समाप्त करवानी है तो भाजपा या राजग के पक्ष में मतदान कीजिए।''

उपराज्यपाल ने एमसीडी के महापौर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति से किया इनकार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव के संचालन के लिए एक पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने से इनकार करते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के सक्सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि मुख्यमंत्री एक विचाराधीन कैदी के रूप में न्यायिक हिरासत में हैं और वे अपने संवैधानिक रूप से बाध्य कार्यों का निर्वहन नहीं कर सकते हैं। सक्सेना ने महापौर चुनाव के लिए पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति के मुद्दे पर मुख्य सचिव को लिखे एक पत्र में ये टिप्पणियां कीं। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर और उपमहापौर पद के लिए 26 अप्रैल को होने वाले चुनाव बृहस्पतिवार को स्थगित कर दिए गए। राज निवास द्वारा सक्सेना की ओर से एक पत्र जारी करने के बाद नागरिक निकाय ने महापौर चुनाव स्थगित कर दिया।

एशियाई अंडर–20 एथलेटिक्स में दीपांशु ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण, अन्य भारतीयों ने भी बिखेरी चमक

नयी दिल्ली, (भाषा) दीपांशु शर्मा ने बुधवार को दुबई में 21वीं एशियाई अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के शुरुआती दिन अच्छा प्रदर्शन करते हुए पुरुष भाला फेंक में स्वर्ण पदक हासिल किया। दीपांशु ने 70.29 मीटर की दूरी के साथ शीर्ष पुरस्कार जीता, जबकि रोहन यादव ने 70.03 मीटर की दूरी के साथ रजत पदक अपने नाम किया। पुरुषों की 1500 मीटर में प्रियांशु ने तीन मिनट 50.85 सेकंड का समय लेकर रजत पदक जीता।सुबह के सत्र में रितिक ने पुरुषों चक्का फेंक में रजत पदक जीता, जबकि प्राची अंकुश देवकर महिलाओं की 3000 मीटर में कांस्य पदक जीतने से चूक गईं और चौथे स्थान पर रहीं। रितिक ने चक्का फेंक में 53. 01 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण कतर के जिब्राइन ए. अहमत (54.80 मीटर) को मिला। सऊदी अरब के हसन मुबारक अलहसाई ने 50. 41 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत के मध्यम दूरी और फर्राटा धावकों अच्छी शुरुआत की। भारतीय धावक शुरुआती दिन अपनी–अपनी हीट में सफल रहे। महिलाओं की 800 मीटर में लक्षिता विनोद सैंडलिया और तन्वी मलिक पदक चरण के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहीं। अनुष्का दत्तात्रेय कुंभार और संगीता डोडला ने महिलाओं की 400 मीटर में पदक चरण में प्रवेश किया। पुरुषों की 400 मीटर हीट में अमन चौधरी ने अपनी हीट में शीर्ष पर रहते हुए पदक चरण में प्रवेश किया। भारतीय महिला एथलीट जयाविधिया जेगादीश और श्रिया राजेश भी 400 मीटर बाधा दौड़ में पदक चरण में पहुंच गईं।

पंत और अक्षर की साझेदारी ने अंतर पैदा किया: आमरे

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ चार रन की करीबी जीत दर्ज करने के बाद अक्षर पटेल और कप्तान ऋषभ पंत की सराहना करते हुए कहा कि इनकी बदौलत टीम 20 अतिरिक्त रन जुटाने में सफल रही। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत (43 गेंद में नाबाद 88 रन, आठ छक्के, पांच चौके) ने अक्षर (43 गेंद में 66 रन, चार छक्के, पांच चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए उस समय 113 रन की साझेदारी की जब टीम 44 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। पंत ने अंत में ट्रिस्टन स्टब्स (सात गेंद में नाबाद 26, तीन चौके, दो छक्के) के साथ सिर्फ 18 गेंद में 67 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर चार विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया। इसके जवाब में टाइटंस की टीम साई सुदर्शन (39 गेंद में 65 रन, सात चौके, दो छक्के) और डेविड मिलर (23 गेंद में 55 रन, तीन छक्के, छह चौके) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 220 रन ही बना सकी। अक्सर को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने पर आमरे ने कहा कि निचले क्रम में बल्लेबाजी के अधिक मौके नहीं मिलने के कारण उन्हें ऊपरी क्रम में भेजा गया। आमरे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''अगर आपको याद हो तो पिछले साल भी वह गेंद को काफी अच्छी तरह मार रहा था। उसको आखिरी चार या पांच ओवर में ही मौके मिल रहे थे इसलिए हमारा विचार यही था कि उसे मौका दिया जाए।'' उन्होंने कहा,''अक्षर काफी अच्छा खेला लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण ऋषभ (पंत) के साथ उसकी साझेदारी थी। उन्होंने 113 रन की साझेदारी की। हम संघर्ष कर रहे थे। हमने पावर प्ले में 44 रन तक तीन विकेट गंवा दिए थे। अक्षर ने जो परिपक्वता दिखाई वह हमारी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण थी और यही कारण है कि हम आखिरी पांच ओवर में 96 रन (97 रन) जोड़ने में सफल रहे।'' आमरे ने कहा, ''जब पहले टाइम आउट (स्ट्रेटेजिक ब्रेक) के दौरान मैं मैदान पर गया तो हमने बात की कि कितना स्कोर सही रहेगा। हमने सोचा कि पहले 180 रन पर ध्यान लगाते हैं। ऋषभ हालांकि आत्मविश्वास से भरा था। उसने कहा कि अभी के लिए 180 रन ठीक है लेकिन हम टिके रहे तो और रन बना पाएंगे। उसने अंतिम पांच ओवर में काफी अच्छी बल्लेबाजी की विशेषकर अनुभवी मोहित (शर्मा) के खिलाफ अंतिम ओवर में 31 रन जिससे हम 224 रन तक पहुंच पाए।'' आमरे ने कहा कि टीम अभिषेक पोरेल को ट्रिस्टन स्टब्स के साथ फिनिशर की भूमिका में ढाल रही है। उन्होंने कहा, ''अभिषेक पोरेल ने पंजाब के खिलाफ मुकाबले के बाद से अच्छा खेल रहा था। वह गेंद को काफी अच्छी तरह हिट कर रहा है। बल्लेबाजी इकाई के रूप में हमारे लिए यह महत्वपूर्ण है कि सभी छह बल्लेबाज रन बनाएं और बड़ी पारी खेलें। अक्षर अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल पाया था इसलिए हमारे लिए यह महत्वपूर्ण था। हमें विश्वास था कि पोरेल ऊपरी क्रम और निचले क्रम दोनों में खेल सकता है। हम उसे (ट्रिस्टन) स्टब्स के साथ फिनिशर की भूमिका दे रहे हैं।'' आमरे ने समर्थन के लिए दर्शकों की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''दर्शकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। वे प्रत्येक मैच में हमारा समर्थन करने आ रहे हैं। उन्होंने हमारी हौसलाअफजाई की। पहले हाफ में नहीं लग रहा था कि हम 180 रन तक भी पहुंच पाएंगे। हमने इसके बाद अतिरिक्त 20 रन बनाए। 240 गेंद में 445 रन बने तो यह दर्शकों के लिए भी क्रिकेट का अच्छा मुकाबला था। वे काफी करीब आए लेकिन इस प्रारूप में एक रन भी काफी अंतर पैदा करता है।'' आमरे ने कहा कि उनकी टीम भी पहले बल्लेबाजी करना चाहती थी क्योंकि बल्लेबाजी के अनुकूल विकेट पर वे चाहते थे कि बल्लेबाज बिना किसी दबाव के खेलें। उन्होंने कहा, ''हम भी पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। यह काफी अच्छा विकेट था इसलिए हमारे लिए बल्लेबाजी इकाई के रूप में महत्वपूर्ण था कि हम बिना किसी दबाव के बल्लेबाजी करें। हमने सोचा था कि अपनी बल्लेबाजी इकाई को बिना किसी दबाव के 120 गेंद खेलने का मौका देते हैं। '' चोट के कारण एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी कर रहे पंत की सराहना करते हुए आमरे ने कहा, ''उसने काफी अच्छी तैयारी की है। विशाखापत्तनम में शिविर के दौरान वह हवाई अड्डे से सीधा स्टेडियम आ गया। उसने सुनिश्चित किया कि वह प्रत्येक दिन का फायदा उठाए। उसे इसी का फायदा मिल रहा है। कुछ अच्छी पारियां खेलकर उसका आत्मविश्वास बढ़ा और आज उसने अकेले दम पर मैच का रुख पलट दिया। अनुभवी गेंदबाज के खिलाफ 31 रन दिखाता है कि वह अच्छी फॉर्म में है।'' टाइटंस के ऑलराउंडर साई किशोर ने कहा कि संदीप वारियर (15 रन तीन विकेट) ने उनकी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन पंत और अक्षर की बल्लेबाजी ने अंतर पैदा किया। उन्होंने कहा, ''पावर प्ले में संदीप वारियर ने काफी अच्छी गेंदबाजी की और हमारी स्थिति मजबूत की। अक्षर और पंत ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की। उन दोनों, विशेषकर पंत ने अच्छी गेंदों पर भी बाउंड्री लगाई। छक्के ही नहीं बल्कि अच्छी गेंदों पर उन्होंने चौके भी लगाए जिससे वे लय में आ गए। अंतिम दो से तीन ओवर में हमने चौकों से अधिक छक्के खाए जिससे मैच थोड़ा हमारी पकड़ से बाहर हो गया।'' साई किशोर को मैच में एकमात्र ओवर फेंकने का मौका दिल्ली की पारी के 19वें ओवर में मिला लेकिन उन्होंने कहा कि जब आपके पास अधिक गेंदबाजी विकल्प हों तो ऐसा होता है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास गेंदबाजी में काफी विकल्प थे। हमारे पास छह से सात विकल्प थे। अधिकतर टीमों के साथ ऐसा होता है कि कुछ गेंदबाजों को काफी कम गेंदबाजी मिलती है।

टी20 विश्व कप में भारत की संभावनाओं के लिए सूर्यकुमार और बुमराह अहम होंगे : युवराज सिंह

नयी दिल्ली, भारत के पूर्व स्टार युवराज सिंह ने आगामी टी20 विश्व कप में टीम की संभावनाओं के लिए विस्फोटक सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे किसी भी समय मैच का रूख बदलने की काबिलियत रखते हैं। 2007 में टी20 विश्व कप के शुरूआती चरण में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने कहा कि टीम को दूसरी बार यह ट्राफी दिलाने के लिए सूर्यकुमार को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और बुमराह को भी अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने युवराज के हवाले से कहा, ''सूर्यकुमार यादव भारत के लिए अहम खिलाड़ी हैं। '' उन्होंने कहा, ''सूर्यकुमार जिस तरह से खेलते हैं, वह सिर्फ 15 गेंद में मैच का रुख बदल सकते हैं। भारत को यह टी20 विश्व कप जीतना है तो वह निश्चित रूप से काफी अहम खिलाड़ी होंगे। '' युवराज ने कहा, ''मुझे लगता है गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह भी काफी महत्वपूर्ण होंगे। मैं टीम में एक लेग स्पिनर भी देखना चाहूंगा जैसे युजवेंद्र चहल क्योंकि वह इस समय काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा है। '' उन्होंने कहा, ''लेकिन बल्लेबाज के तौर सूर्यकुमार यादव अहम खिलाड़ी होंगे। '' भारत के लिए पहली पसंद के विकेटकीपर के विकल्प पर युवराज ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अनुभवी दिनेश कार्तिक शानदार फॉर्म में हैं लेकिन अगर वह अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं होते हैं तो इस 38 साल के खिलाड़ी को टीम में चुनने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि युवा ऋषभ पंत और संजू सैमसन काफी अच्छा खेल रहे हैं। युवराज ने कहा, ''कार्तिक अच्छी बल्लेबाजी भी कर रहा है लेकिन पिछली दफा (2022) जब उन्होंने उसे चुना था तो उसे टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला था। '' उन्होंने कहा, ''अगर आपकी अंतिम एकादश में कार्तिक नहीं है तो मुझे लगता है कि उससे चुनने का भी कोई मतलब नहीं है। ऋषभ पंत, संजू सैमसन दोनों ही शानदार फॉर्म हैं और निश्चित रूप से वे काफी युवा भी हैं। '' युवराज जानते हैं कि भारत के लिए टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली कितने महत्वपूर्ण हैं और उन्होंने इन दोनों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की तारीख का अंदाजा लगाने से इनकार कर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि रोहित और कोहली को टी20 विश्व कप के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलना छोड़ने पर विचार करना चाहिए और अन्य प्रारूपों पर ध्यान लगाना चाहिए। युवराज ने कहा, ''जैसे आपकी उम्र बढ़ती है तो लोग आपकी उम्र के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं और फिर वे आपकी फॉर्म के बारे में भूल जाते हैं। '' उन्होंने कहा, ''ये खिलाड़ी लोग भारत के लिए बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं और वे जब चाहें तब संन्यास लेने के हकदार हैं। मैं टी20 प्रारूप में अधिक युवा खिलाड़ियों को देखना चाहूंगा '' युवराज ने कहा कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण टीम में देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मैं टीम में शिवम दुबे को देखना चाहूंगा।

दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चौम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा 33 सदस्यीय दल

नयी दिल्ली, आदर्श मुरलीधरन सिनिमोल और प्रगन्या मोहन की अनुभवी जोड़ी नेपाल के पोखरा में एशिया ट्रायथलॉन कप के साथ 27 अप्रैल से शुरू होने वाली दक्षिण एशियाई ट्रायथलॉन चौम्पियनशिप में 33 सदस्यीय मजबूत भारतीय चुनौती की अगुआई करेगी। प्रगन्या ने पिछले चरण में अपना लगातार तीसरा दक्षिण एशियाई खिताब जीता था जबकि महिलाओं के ओवरआल वर्ग में नौंवा स्थान भी हासिल किया था। पिछले साल क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीतने वाली महाराष्ट्र की संजना जोशी और मानसी मोहिते की जोड़ी भी 13 भारतीय महिला एथलीट की टीम का हिस्सा हैं। सेना के सिनिमोल 2022 के विजेता हैं और पिछले साल तीसरे स्थान पर रहे थे। वह 20 सदस्यीय मजबूत भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। टूर्नामेंट में 750 मीटर तैराकी, 20 किमी साइकिलिंग और पांच किमी दौड़ शामिल है।

पुरुषः तेलहेइबा सोरम, क्षेत्रीमयुम कबिदश सिंह, तुषार डेका, अनघ वानखड़े, पार्थ सांखला, अंगद इंगलेकर, अभिषेक मोदनवाल, अंकुर चाहर, पार्थ मिराज, कृषिव पटेल, कौशिक विनायक मलंदकर, साई लोहितक्ष केडी, देव अंबोकर, राज कुमार पवार, पुस्कर दास , विश्वनाथ यादव, आदर्श मुरलीधरन नायर सिनिमोल, अंकन भट्टाचार्जी, अर्णव भट्टाचार्य, सफा मुस्तफा शेख।

महिलाः दुर्विशा पवार, डॉली देवीदास पाटिल, धृति कौजाल्गी, रमा सोनकर, हेनी जलावादिया, प्रेरणा श्रवण कुमार, रिद्धि कदम, संजना जोशी, स्नेहल जोशी, मानसी मोहिते, नफीसा मिलवाला, प्रगन्या मोहन, पूनम विश्वास।

धोनी का क्रेज देख नतमस्तक हुआ ऑस्ट्रेलिया का यह धाकड़ गेंदबाज, क्या ऋतुराज दिलाएंगे CSK को कप?

नई दिल्ली। डै धोनी का क्रेज दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है, जब भी धोनी मैदान में बैटिंग करने आते हैं स्टेडियम में शोर का एक ऐसा सैलाब आता है मानो की आसमान में बिजली भी अपनी पूरी ताकत से दहाड़ मार रही हो. कुछ दिन पहले हमने देखा था कि धोनी की एन्ट्री पर रसेल को अपने कान बंद करने पड़ गए थे और अब ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ने धोनी के क्रेज को नमन करते हुए कहा कि मुझे यकीन नहीं है, मैंने ऐसा कुछ कभी सुना है. जब धोनी चेन्नई में बल्लेबाजी करने आए इतना शोर मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी नहीं सुना है। मुझे ऐसा लगता है कि जिस तरह धोनी के लिए चेन्नई के करीब 30 हजार फैंस शोर करते हैं वैसा शायद एमसीजी में 100 हजार लोगों भी ना कर पाए. यह अपने आप में अद्भुत अनुभव था। यानी कि धोनी के क्रेज को अब फिरंगी खिलाड़ी भी नमन कर रहे हैं। आपको बता दे मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार धोनी का यह आखिरी सीजन हो सकता है, ऐसे में धोनी जहां कहीं भी इस बार आईपीएल में खेलने जा रहे हैं उन्हें उस मैदान पर बेइंतहा प्यार मिल रहा है। आईपीएल 2024 में धोनी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं और अपने बल्ले से गेंदबाजों की खूब पिटाई भी कर रहे हैं।

चेन्नई का आईपीएल 2024 में अब तक का सफर : आईपीएल शुरू होने से पहले धोनी ने कप्तानी की जिम्मेदारी ऋतुराज गायकवाड़ को दे दी थी। ऋतुराज ने अभी तक अच्छी कप्तानी की है, पॉइंट्स टेबल पर चेन्नई की टीम 4 जीत और 3 हार के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। चेन्नई सुपरकिंग्स को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए बचे हुए 7 मैच में कम से कम 4 मुकाबले जीतने होंगे तभी प्लेऑफ में जगह मिल पाएगी। चेन्नई सुपरकिंग्स को 4 मुकाबले घर पर खेलने हैं, ऐसे में फैंस को उम्मीद है कि चेन्नई प्लेऑफ में जगह आसानी से बना लेगी। अब देखना होगा क्या चेन्नई के नए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपनी कप्तानी में इस बार चेन्नई को चैंपियन बना पाते हैं या नहीं

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप की मेजबानी का दावा करेगा भारत : एआईसीएफ सचिव पटेल

चेन्नई, अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नव निर्वाचित सचिव देव नटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत डी गुकेश और चीन के डिंग लिरेन के बीच इस साल विश्व चैम्पियनशिप मैच की मेजबानी का दावा करेगा । सत्रह वर्ष के गुकेश टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर विश्व चैम्पियनशिप के सबसे युवा चैलेंजर बने । विश्व चैम्पियनशिप मुकाबले की तारीख और स्थान अभी तय नहीं है । गुजरात शतरंज संघ के प्रमुख पटेल ने कहा ,'' हम फिडे से बात करेंगे । हमें उम्मीद है कि भारत में सर्वश्रेष्ठ विश्व चैम्पियनशिप खेली जायेगी ।''उन्होंने कहा ,'' इस समय सबसे अहम लक्ष्य फिडे को विश्व चैम्पियनशिप की मेजबानी का प्रस्ताव देना नहीं बल्कि देश में शतरंज को लोकप्रिय बनाकर इसे अमली जामा पहनाने का है ।''

भारतीय तीरंदाज विश्व कप पहले चरण के फाइनल में

शंघाई, भारत के तरूणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में पुरूषों के रिकर्व फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर लिया । भारतीय टीम ने इटली को 5 . 1 से हराया । अब उसका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से होगा । कोरियाई टीम में तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता किम वूजिन, ली वू सियोक और किम जि डियोक हैं । कोरिया ने चीनी ताइपै के तान चिह चुन, लिन जिह सियांग और ताइ यू सुआन को 6 . 0 से हराया । भारतीय टीम को पहले दौर में बाय मिला था जिसके बाद उसने 15वीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया को 5 . 3(55 . 56, 54 . 54, 55 . 51, 55 . 53) से मात दी । अगले मैच में स्पेन को 5 . 1 (59 . 54, 56 . 55, 55 . 55) से हराया । भारतीय महिला टीम को पहले ही मुकाबले में मैक्सिको ने 5 . 3 से हराया । दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और भजन कौर की तिकड़ी को क्वालीफायर में छठी रैंकिंग मिली थी । पहले दौर में बाय मिलने के बाद अगले मैच में भारतीयों ने दूसरे सेट में 3 . 1 की बढत बनाने के बाद मुकाबला गंवा दिया ।

कैंडिडेट्स चैम्पियन डी गुकेश का चेन्नई पहुंचने पर भव्य स्वागत

चेन्नई, (भाषा) टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रचने वाले युवा ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया । गुकेश के स्कूल वेलाम्मल विद्यालय के सैकड़ों छात्र उनकी उड़ान के पहुंचने के एक घंटे पहले से कतार बनाकर हवाई अड्डे पर खड़े थे । उनके अलावा भारी संख्या में प्रशंसक भी मौजूद थे । सत्रह वर्ष के गुकेश देर रात तीन बजे बाहर निकले और भीड़ ने उन्हें घेर लिया । उन्हें फूलों की मालायें पहनाई गई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने के लिये काफी मशक्कत करनी पड़ी । गुकेश ने हवाई अड्डे पर मीडिया से कहा ,'' मुझे घर आकर बहुत अच्छा लग रहा है । यह खास उपलब्धि है । मैं शुरू से ही अच्छा खेल रहा था और मुझे जीत का यकीन था । किस्मत ने भी मेरा साथ दिया ।'' उन्होंने कहा ,'' यह देखकर अच्छा लग रहा है कि इतने लोग शतरंज देखते हैं । मैं तमिलनाडु सरकार को धन्यवाद देता हूं । मैं अपने अप्पा, अम्मा, कोच, दोस्तों, परिवार, प्रायोजक और स्कूल को भी धन्यवाद देना चाहूंगा ।'' गुकेश की मां पद्मा अपने परिजनों के साथ उन्हें लेने आई थी । गुकेश के पिता ईएनटी सर्जन रजनीकांत ने उनकी तैयारियों के लिये अपनी प्रेक्टिस छोड़ दी थी और उनके साथ टोरंटो गए थे । गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब के सबसे युवा चैलेंजर बन गए । उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्पोरोव का रिकॉर्ड तोड़ा । गुकेश ने 14वें और आखिरी दौर में अमेरिका के हिकारू नकामूरा से ड्रॉ खेला । वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देंगे ।

इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से हरफनमौला की भूमिका खतरे में : अक्षर पटेल

नयी दिल्ली, बायें हाथ के बेहतरीन स्पिनर होने के साथ सक्षम बल्लेबाज अक्षर पटेल का मानना है कि 'इंपैक्ट खिलाड़ी' के नियम से हरफनमौलाओं की भूमिका खतरे में है । गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल के मैच में बुधवार को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर तीसरे नंबर पर भेजे गए अक्षर ने 43 गेंद में 66 रन बनाये और कप्तान ऋषभ पंत के साथ दिल्ली कैपिटल्स को संकट से निकालकर चार विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया । दिल्ली के तीन विकेट एक समय 44 रन पर गिर गए थे । बाद में उन्होंने एक विकेट भी लिया । दिल्ली ने यह मैच चार रन से जीता । अक्षर ने कहा ,'' एक हरफनमौला होने के नाते मेरा मानना है कि इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से हरफनमौलाओं की भूमिका खतरे में है । हर टीम इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर विशुद्ध बल्लेबाज या गेंदबाज चाहता है । हरफनमौलाओं का इस्तेमाल नहीं हो रहा है ।'' उन्होंने 'जियो सिनेमा' से कहा ,'' इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से हर टीम यह सोचकर उतरती है कि उसके पास छह बल्लेबाज या गेंदबाज हैं । इससे कई बार कन्फ्यूजन भी हो जाता है ।'' भारतीय कप्तान रोहित शर्मा समेत कई खिलाड़ी इस नियम की आलोचना कर चुके हैं ।

ऋषभ पंत ने लगाई लंबी छलांग, ऑरेंज कैप के लिए ठोक दी दावेदारी

आईपीएल में ऑरेंज की दावेदारी में रोज एक नया नाम जुड़ जाता है। भले ही इस साल के इंडियन प्रीमियर लीग में विराट कोहली की टीम आरसीबी बेहतर प्रदर्शन ना कर पा रही हो, लेकिन खुद कोहली जबरदस्त फार्म में हैं। दूसरे तीसरे नंबर के बल्लेबाज बदलते रहते हैं, लेकिन विराट कोहली का नंबर एक की कुर्सी पर कब्जा बना हुआ है। इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ जोरदार पारी खेलकर ऑरेंज कैप के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी है। एक ही झटके में उन्होंने कई बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया है।

विराट कोहली ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन : आईपीएल के इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज विराट कोहली हैं, जो अब तक 8 मैच खेलकर 379 रन बना चुके हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रुतुराज गायकवाड़ हैं, जो 8 ही मैचों में 349 रन बना चुके हैं। इस बीच अब दिल्ली कैपिटल्स के ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने 9 मैच खेलकर 342 रन अपने नाम कर लिए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में उन्होंने कमाल की बल्लेबाजी की। पंत ने 43 बॉल पर 88 रन बनाए। इसमें 8 छक्के और 5 चौके शामिल रहे।

साई सुदर्शन और ट्रेविस हेड गए नीचे : ऋषभ पंत के आगे पहुंच जाने से साई सुदर्शन और ट्रेविस हेड समेत कई बल्लेबाज अब नीचे चले गए हैं। साई सुदर्शन 9 मैचों में 334 रन बनाकर चौथे और ट्रेविस हेड 6 मैचों में 324 रन बनाकर नंबर 5 पर बने हुए हैं। आज आरसीबी और एसआरएच के बीच मुकाबला है, जिसमें कोहली और हेड को पास मौका होगा कि वे अपने रनों में इजाफा करें। वहीं ये भी संभव है कि कोई नीचे का बल्लेबाज बड़ी पारी खेलकर आगे निकल जाए।

पर्पल कैप के लिए भी जंग जारी : इस बीच अगर पर्पल कैप की बात करें तो वहां भी कांटे की टक्कर चल रही है। मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह 13 विकेट लेकर नंबर एक पर हैं। युजवेंद्र चहल और हर्षल पटेल के भी इतने ही यानी 13 विकेट हैं। यहां कोई भी गेंदबाज आगे निकल सकता है। वहीं कुलदीप यादव, मुस्तफिजुर रहमान और गेराल्ड कोएट्जी 12 विकेट लेकर आपस में जंग कर रहे हैं, यहां भी इनके पास मौका है कि वे आगे निकल जाएं।

उत्तराखंड में इस साल मानसून में सामान्य से अधिक बारिश की संभावना

देहरादून, (भाषा) उत्तराखंड में इस वर्ष मानसून में सामान्य से अधिक बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए देहरादून मौसम केंद्र के निदेशक डॉ बिक्रम सिंह ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार से इसकी तैयारियां अभी से शुरू करने की सलाह दी । उत्तराखंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) की ओर से मानसून की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के लिए यहां आयोजित प्रशिक्षण शिविर में सिंह ने कहा कि इस वर्ष सामान्य से अधिक मानसून की संभावनाएं साठ फीसदी से अधिक है, इसलिए सभी विभागों को इसे ध्यान में रखते हुए अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर देनी चाहिए। सिंह ने कहा कि मौसम विभाग मौसम संबंधी जानकारियों को लेकर लगातार अलर्ट भेजता है और अगर उनका अनुपालन किया जाए तो आपदाओं के प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है तथा जानमाल के नुकसान में भी कमी लाई जा सकती है।उन्होंने कहा कि मौसम विभाग द्वारा 'इम्पेक्ट बेस्ड' पूर्वानुमान जारी किया जा रहा है जिससे विभिन्न विभागों को समय रहते तैयारियां करने का पर्याप्त समय मिल जाता है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा मौसम की वास्तविक समय निगरानी भी की जा रही है, जिससे काफी हद तक सटीक पूर्वानुमान लगाना संभव है। उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र (यूएलएमएमसी) के निदेशक डॉ. शांतनु सरकार ने कहा कि राज्य में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में बरसात के दौरान सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने संबंधित विभागों से ऐसे सभी क्षेत्रों के लिए न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उपायों में तेजी लाए जाने की जरूरत भी जताई । उन्होंने भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रोड पर शेल्टर्स (एक तरह की सुरंग) बनाए जाने को एक अच्छा विकल्प बताया और कहा कि इसमें मलबा शेल्टर के ऊपर गिरेगा और शेल्टर के नीचे यातायात सामान्य रूप से चलता रहेगा।

छब्बीस अप्रैल को मतदाताओं के लिए एनसीआरटीसी ने की नमो भारत ट्रेन में प्रीमियम कोच की पेशकश

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रीय परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने नमो भारत ट्रेन में मानक कोच के उन यात्रियों के लिए प्रीमियम कोच की यात्रा की पेशकश करते हुए एक अभियान शुरू किया है जो लोकसभा चुनाव में मतदान करेंगे। बृहस्पतिवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया कि यह अभियान लोगों को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है और यह केवल 26 अप्रैल के लिए ही है। इस छूट का लाभ उठाने के लिए आरआरटीएस कनेक्ट ऐप पर टिकट बुक करना अनिवार्य है। बयान में कहा गया है कि एनसीआरटीसी ने शुक्रवार के मतदान के लिए यह अभियान शुरू किया है। यह कदम नागरिकों को चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेने लिए निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की विभिन्न पहलों के अनुरूप है। बयान में कहा गया है,'' इस अभियान में, मतदान करने वाले यात्री मानक कोच के बजाय प्रीमियम कोच में यात्रा करने के पात्र होंगे। उन्हें इस पेशकश का लाभ उठाने के लिए 'आरआरटीएस कनेक्ट ऐप' से अपना मानक कोच टिकट खरीदना होगा और प्लेटफार्म पर स्वचालित किराया संग्रहण गेट के पास स्टेशन कर्मियों को अपनी 'स्याही लगी उंगली' दिखानी होगी।'' नमो भारत ट्रेन में छह कोच हैं जहां एक कोच प्रीमियम कोच है जबकि अन्य पांच कोच मानक कोच हैं।

राहुल अमेठी और प्रियंका रायबरेली से कांग्रेस उम्मीदवार? दूसरे चरण की वोटिंग के बाद पार्टी कर सकती है बड़ा फैसला

लखनऊ। गांधी परिवार की परंपरागत सीट रही अमेठी और रायबरेली की सीटों पर उम्मीदवार का नाम तय करने के लिए कांग्रेस के अंदर रायशुमारी शुरू हो गई है। 27 और 28 अप्रैल को अमेठी के कुछ नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। 26 अप्रैल को वायनाड में वोटिंग खत्म होने के बाद राहुल गांधी और उनकी टीम अमेठी के नेताओं से मुलाकात करेगी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 27 और 28 अप्रैल को यह मुलाकात काफी अहम होने होने वाली है। इन मुलाकातों में राहुल गांधी के अमेठी से और रायबरेली से प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने पर फाइनल फैसला लिया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक 1 मई से 3 मई के बीच दोनों अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं। ऐसी चर्चा है कि नामांकन से पहले राहुल और प्रियंका अयोध्या जाकर राम मंदिर में दर्शन भी कर सकते हैं।

कर्नाटक में एक साल के भीतर कांग्रेस और भाजपा का फिर आमना–सामना

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक की 28 लोकसभा सीट में से 14 पर होने जा रहे मतदान के साथ ही राज्य में एक साल से भी कम समय में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) फिर से चुनावी मैदान में आमने–सामने होंगे। इस चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा–जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन के बीच सीधी टक्कर होगी, जबकि पिछले साल मई में हुए विधानसभा चुनाव में तीनों पार्टियों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला था। राज्य की अन्य 14 लोकसभा सीट पर मतदान सात मई को होगा। राज्य में पहले चरण में अधिकतर दक्षिणी और तटीय जिलों में चुनाव होने जा रहे हैं जिसमें कुल 247 उम्मीदवार (226 पुरुष और 21 महिलाएं) मैदान में हैं। चुनाव के लिए 2.88 करोड़ से अधिक मतदाता मताधिकार का उपयोग करने के पात्र हैं। राज्य के 30,602 मतदान केंद्रों पर सुबह सात बजे से शाम छह बजे के बीच मतदान होगा। कांग्रेस सभी 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, वहीं भाजपा ने 11 सीट पर और उसके गठबंधन सहयोगी जद (एस) ने तीन सीट– हासन, मांड्या और कोलार पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। तीन के अलावा, जिन क्षेत्रों में शुक्रवार को चुनाव होंगे उनमें उडुपी–चिकमंगलूर, दक्षिण कन्नड़, चित्रदुर्ग, तुमकुर, मैसूर, चामराजनगर, बेंगलुरु ग्रामीण, बेंगलुरु उत्तर, बेंगलुरु सेंट्रल, बेंगलुरु दक्षिण और चिक्कबल्लापुर शामिल हैं। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस और जद (एस) में गठबंधन था और वे राज्य में सत्ता संभाल रहे थे। दोनों ने इन 14 क्षेत्रों में केवल एक–एक सीट हासिल की थी। भाजपा ने 11 में जीत हासिल की थी और मांड्या में पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित की थी। दक्षिण भारत में कर्नाटक भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है क्योंकि यहीं पर वह पूर्व में सत्ता संभाल चुकी है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, '' इसकी गठबंधन सहयोगी जद (एस) विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है।''

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीणा के मुताबिक, पहले चरण के लिए 1.4 लाख मतदान अधिकारी ड्यूटी पर रहेंगे। उनके अलावा, पांच हजार माइक्रो–ऑब्जर्वर, 50 हजार स्थानीय पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक बल की 65 कंपनियां और अन्य राज्यों के पुलिस बल भी सुरक्षा के लिए तैनात किए जाएंगे। मीणा ने कहा कि बेंगलुरु ग्रामीण संसदीय क्षेत्र के सभी 2,829 मतदान केंद्रों पर वेबकास्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले चरण में कुल 30,602 मतदान केंद्रों में से 19,701 पर वेबकास्ट किया जाएगा और 1,370 पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

तेज गर्मी का प्रकोपः हीट स्ट्रोक बढ़ा रही ब्रेन हेमरेज का खतरा, 20 फीसदी तक बढ़े मामले

लगातार बदलते तापमान का लोगों की सेहत पर गहरा असर पड़ रहा है. डॉक्टरों के अनुसार, इन दिनों लोगों को वायरल फ्लू के अलावा हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी स्वास्थ्य समस्याएं भी अधिक हो रही हैं. साथ ही, ब्रेन हेमरेज के मामलों में भी काफी वृद्धि देखी गई है. टीओआई में छपी खबर के अनुसार, राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के न्यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुरेंद्र कुमार ने बताया कि गर्मियों के मौसम में सामान्य दिनों की तुलना में ब्रेन हेमरेज के मामलों में लगभग 20% की वृद्धि हुई है. इस वृद्धि का मुख्य कारण गर्मियों में अनियंत्रित ब्लड प्रेशर है. हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में अत्यधिक बदलाव के दौरान, ब्लड प्रेशर के लेवल की निगरानी और प्रबंधन करना महत्वपूर्ण है. आगे की समस्याओं को रोकने के लिए लोगों के लिए सतर्क रहना और समय पर मेडिकल हेल्प लेना महत्वपूर्ण है. रिम्स के मेडिसिन, न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभागों में मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है. पिछले महीने अस्पताल की ओपीडी में 1988 से अधिक मरीजों ने इलाज कराया, जिनमें से लगभग 35% मरीजों को मेडिसिन, न्यूरोलॉजी और कार्डियोलॉजी विभागों में इलाज की आवश्यकता पड़ी.

अधिक तापमान में शरीर पर ज्यादा दबाव : गर्मियों के दौरान तापमान में उतार–चढ़ाव से शरीर पर काफी दबाव पड़ता है. इससे नसें सिकुड़ सकती हैं और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है. हाई ब्लड प्रेशर ब्रेन हेमरेज का एक प्रमुख रिस्क फैक्टर है. इसके अलावा, गर्मी के कारण शरीर का डिहाइड्रेशन भी ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है. विशेषज्ञों का सुझाव है कि गर्मियों में धूप में निकलने से बचें, ढेर सारा पानी पिएं और हल्का, तरल पदार्थ से भरपूर डाइट लें. साथ ही, नियमित रूप से व्यायाम करें और अपने डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का सेवन जारी रखें. इसके अलावा, यदि आपको अचानक तेज सिरदर्द, बोलने में परेशानी, चेहरे में सुन्नपन या कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें. जल्द से जल्द इलाज मिलने से गंभीर समस्याओं को रोका जा सकता है.

निराश नहीं, भाजपा की जीत के लिए काम करूंगा : कुलदीप बिश्नोई

चंडीगढ़, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई के नेता कुलदीप बिश्नोई ने बृहस्पतिवार को उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया कि वह हिसार से लोकसभा टिकट नहीं दिये जाने से नाराज हैं। बिश्नोई ने जोर देकर कहा कि राज्य की सभी 10 लोकसभा सीट पर भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए वह कोई कोर–कसर नहीं छोड़ेंगे।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को बिश्नोई और उनके परिवार से दिल्ली में सुबह नाश्ते के समय मुलाकात की। बिश्नोई ने मुलाकात के दौरान 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लोकसभा चुनाव सहित कई विषयों पर उनके साथ विस्तृत सकारात्मक चर्चा हुई।'' बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही कुछ खबरों को 'भ्रामक और निराधार' बताते हुए सोमवार को सिरे से खारिज कर दिया था। खबरों में बिश्नोई के कांग्रेस में शामिल होने की बात कही जा रही थी। बिश्नोई पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल के छोटे बेटे हैं। भाजपा ने पिछले महीने रणजीत सिंह चौटाला को हिसार से अपना उम्मीदवार घोषित किया था। निर्दलीय विधायक चौटाला हाल ही में पार्टी में शामिल हुए थे। बिश्नोई ने मुख्यमंत्री सैनी से दिल्ली स्थित अपने आवास पर मुलाकात के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मीडिया लिखता रहता है कि कुलदीप और भव्य (उनके पुत्र और विधायक) निराश हैं। क्या आपको कभी लगा कि मैं निराश हूं? हम भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप कह सकते थे कि जब नामांकन दाखिल किया जा रहा था (हिसार में रणजीत चौटाला द्वारा) तो कुलदीप बिश्नोई नहीं पहुंचे। हालांकि, हरियाणा में नामांकन प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।'' बिश्नोई ने कहा, ''हम निराश नहीं हैं। हम पूरी तरह से अपनी पार्टी के साथ हैं। चाहे वह हिसार हो या हरियाणा की कोई अन्य लोकसभा सीट, हम सभी 10 सीट पर भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।'' कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा किए जा रहे इस दावे पर कि बिश्नोई निराश हैं, उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के लोग जो कह रहे हैं उसे आप गंभीरता से क्यों लेते हैं? कांग्रेस खत्म हो गई है, उनका कोई भविष्य नहीं है।'' उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्र की सत्ता में वापसी होनी चाहिए ताकि देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

देहदान के प्रति जागरूकता हेतु राम लाल आनंद महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के राम लाल आनंद महाविद्यालय में देहदान जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महाविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दधीचि देह दान समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो योगेश सिंह के आह्वान पर आयोजित इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दधिचि देहदान समिति के संयुक्त सचिव डॉ. विशाल चड्ढा, दिल्ली विश्वविद्यालय के एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक डॉ. नरेंद्र कुमार बिश्नोई, एनएसएस क्षेत्रीय समन्वयक दिल्ली श्रवण राम, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसीसी समन्वयक मेजर प्रो. संजय कुमार शर्मा और डॉ. अनुराग शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में देहदान समिति से डॉ. विशाल चड्ढा ने देहदान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति के कॉर्निया से चार लोगों की आंखों की रोशनी वापस लाई जा सकती है। ब्रेन–डेड हुए व्यक्ति के आठ अंग और कार्डियेक अरेस्ट के कारण मृत व्यक्ति के तीन अंग का इस्तेमाल, किसी अन्य जरूरतमंद व्यक्ति के लिए किया जा सकता है। इस कार्य से किसी की जान बचाई जा सकती है। एक मेडिकल स्टूडेंट के लिए मृत शरीर पर पढ़ाई करना ही उसकी जीविकोपार्जन है। देहदान के बहुत सारे फायदे हैं इसलिए हमें समाज में देहदान को सकारात्मक रूप से बढ़ावा देना चाहिए। देहदान के प्रचार–प्रसार में एनएसएस और एनसीसी वॉलिंटियर्स का एक अहम योगदान है। समाज में देहदान के प्रति झिझक तोड़ने के लिए युवा शक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। डीयू के एनएसएस प्रोग्राम समन्वयक, डॉ. नरेंद्र बिश्नोई ने विश्वविद्यालय में एनएसएस की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह बताया कि कैसे एनएसएस की मदद से हम समाज में एक व्यवहारिक बदलाव ला सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स में एनएसएस के समन्वयक श्रवण राम ने बताया कि एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रपति सम्मान, रिपब्लिक डे कैंप और विदेश जाने का मौका मिलता है, जिसके जरिये आप अपना समग्र विकास कर सकते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मेजर प्रो. संजय शर्मा ने स्वागत भाषण से की। उन्होंने मानव शरीर की महत्ता पर प्रकाश डाला और देहदान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का औपचारिक समापन एनएसएस के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अनुराग शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन से किया। कार्यक्रम का मंच संचालन कैडेट आलोक राज और स्वयंसेवक प्रियंका सिंह ने किया।

मप्रः एक लाख से ज्यादा प्रवासी मजदूरों को मतदान के वास्ते बुलाने के लिए विशेष कॉल सेंटर शुरू

अलीराजपुर (मध्यप्रदेश), (भाषा) अलीराजपुर के जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में खास तौर पर बनाए गए कॉल सेंटर में काम कर रहीं सुनीता खरत रोजगार के लिए गुजरात गए आदिवासी मजदूरों को फोन करके उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का बुलावा देने में व्यस्त हैं। खरत उन 30 महिला कर्मचारियों में शामिल हैं जिन्हें इस काम का जिम्मा सौंपा गया है। झाबुआ–रतलाम लोकसभा क्षेत्र में कुल 1.10 लाख प्रवासी मजदूरों को मतदान के लिए बुलाने के वास्ते अलीराजपुर के साथ ही झाबुआ में अलग–अलग कॉल सेंटर खोले गए हैं। मध्यप्रदेश का यह आदिवासी बहुल इलाका गुजरात से सटा है जहां के खेतों, कारखानों और भवन निर्माण क्षेत्र में मिलने वाली बेहतर मजदूरी के कारण ये श्रमिक अपनी मातृभूमि से सैकड़ों किलोमीटर दूर पलायन के लिए पिछले कई दशकों से मजबूर हैं। जनजाति समुदाय के लिए आरक्षित झाबुआ–रतलाम सीट पर 20.9 लाख मतदाता 13 मई को उम्मीदवारों का भविष्य तय करेंगे। अलीराजपुर के जिलाधिकारी अभय बेड़ेकर ने बृहस्पतिवार को "पीटीआई–भाषा" को बताया कि जिले में रोजगार के लिए गुजरात गए प्रवासी मजदूरों की तादाद लगभग 80,000 है और विशेष कॉल सेंटर के जरिये फोन करके उन्हें मतदान के वास्ते अपने गांव लौटने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "प्रवासी मजदूरों का यह आंकड़ा आंखें खोलने वाला है क्योंकि समूचे अलीराजपुर जिले में करीब 5.80 लाख मतदाता हैं। ऐसे में इनमें से 80,000 मतदाताओं के रोजगार के लिए मध्यप्रदेश से बाहर रहने के कारण मतदान का प्रतिशत जाहिर तौर पर प्रभावित हो सकता है।" बेड़ेकर ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनाव में अच्छी बात यह है कि भगोरिया का त्योहार मनाने के बाद प्रवासी मजदूरों के कई परिवार अब भी अपने गांवों में हैं और उन्हें फोन करके अनुरोध किया जा रहा है कि वे 13 मई को मतदान के बाद ही गुजरात जाएं। झाबुआ में भी जिला प्रशासन ने प्रवासी मजदूरों को मतदान का बुलावा देने के लिए कॉल सेंटर स्थापित किया है। इसमें सात महिला कर्मियों को नियुक्त किया गया है। झाबुआ की जिलाधिकारी नेहा मीना ने बताया, "हमारे द्वारा गांव–गांव से जुटाए आंकड़ों के मुताबिक जिले के 5,000 से ज्यादा परिवारों ने मजदूरी के लिए गुजरात पलायन किया है। इनमें मतदाताओं की तादाद 27,000 से 30,000 के बीच है।" उन्होंने बताया, "हम कॉल सेंटर के जरिये इन परिवारों के मुखियाओं से संपर्क कर रहे हैं। हम उनसे अपील कर रहे हैं कि वे अपने गांव लौटकर जरूर मतदान करें।" मीना ने बताया कि झाबुआ का प्रशासन प्रवासी मजदूरों को मतदान के वास्ते प्रोत्साहित करने के लिए अफसरों के दलों को गुजरात के उन 12 जिलों में भेजने पर भी विचार कर रहा है जहां ऐसे श्रमिकों की तादाद काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा, "मतदान की तारीख 13 मई के आस–पास आदिवासी समुदाय में कई शादियां होने वाली हैं। ऐसे में हम उम्मीद कर रहे हैं कि झाबुआ जिले के प्रवासी मजदूर अपने गांव लौटेंगे जिससे मतदान के प्रतिशत में सुधार होगा।" गुजरात के जामनगर जिले के एक खेत में मजदूरी करने वाले दिलीप मावी (30) का कहना है कि कॉल सेंटर से फोन आने के बाद वह वोट डालने के लिए अलीराजपुर जिले के अपने गांव कदवाल आने के बारे में सोच रहे हैं। वैसे मावी जैसे हजारों प्रवासी श्रमिकों को अपने गांव आना–जाना आर्थिक रूप से भारी पड़ता है। मावी ने बताया कि जामनगर से बस के जरिये अपने गांव आने में उन्हें 600 रुपये किराया लगता है, जबकि गुजरात में उन्हें 350 रुपये की दैनिक मजदूरी मिलती है। विकास के तमाम सरकारी दावों के बावजूद, अलीराजपुर और झाबुआ जिलों में रोजगार के लिए आदिवासियों के पलायन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रवासी मजदूरों का कहना है कि दोनों जिलों में रोजगार का अकाल है और पड़ोसी गुजरात में उन्हें बेहतर मजदूरी मिलती है। अलीराजपुर जिले में प्रवासी मजदूरों के एक परिवार के युवा सदस्य दीप सिंह बताते हैं, "मेरे गांव के लगभग हर घर से कोई न कोई व्यक्ति मजदूरी के लिए गुजरात जाता है। गांव में हमारे लिए कोई काम–धंधा नहीं है।"

भारत का सेवा निर्यात 2023 में 11.4 प्रतिशत बढ़ाःयूएनसीटीएडी रिपोर्ट

नयी दिल्ली, (भाषा) वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का सेवा निर्यात 2023 में 11.4 प्रतिशत बढ़कर 345 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि चीन का निर्यात 10.1 प्रतिशत घटकर 381 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। यूएनसीटीएडी की एक रिपोर्ट के अनुसार,भारत की सेवा निर्यात वृद्धि में योगदान देने वाले क्षेत्रों में यात्रा, परिवहन, चिकित्सकीय और आतिथ्य शामिल हैं।यूएनसीटीएडी त्रैमासिक बुलेटिन में कहा गया, मौजूदा डॉलर मूल्य के संदर्भ में 8.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ वैश्विक सेवा निर्यात 2023 में 7900 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया। इसमें कहा गया कि विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख निर्यातकों में भारत, चीन, सिंगापुर, तुर्किये, थाईलैंड, मैक्सिको और सऊदी अरब शामिल हैं। हालांकि, भारत का सेवा आयात पिछले साल 0.4 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 248 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। भारत के सेवा निर्यात पर टिप्पणी करते हुए एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा कि आईटी तथा आईटी–सक्षम सेवाओं और यात्रा का निर्यात मजबूत हो रहा है।

आप के लोकसभा चुनाव–प्रचार अभियान में शामिल होंगी सुनीता केजरीवाल, सप्ताहांत में करेंगी रोड शो

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रचार अभियान की कमान संभालेंगी। वह इस सप्ताह के अंत में दिल्ली में एक रोड शो कर सकती हैं। पार्टी के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किए जाने से आप का चुनाव–प्रचार अभियान बहुत प्रभावित हुआ है। ऐसे में सुनीता केजरीवाल उनकी अनुपस्थिति में चुनाव–प्रचार को गति देने के लिए खुद रोड शो करेंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री की न्यायिक हिरासत सात मई तक बढ़ा दी गई है।पार्टी के एक सूत्र ने बताया, ''मुख्यमंत्री की पत्नी आने वाले सप्ताहांत में कोंडली विधानसभा सीट पर अपना पहला रोड शो करेंगी। यहां से मौजूदा विधायक कुलदीप कुमार पार्टी के टिकट पर पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से मैदान में उतरे हैं। सुनीता दिल्ली में अन्य तीन लोकसभा सीटों पर भी रोड शो करेंगी। दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लोकसभा चुनाव लड़ रही आप ने पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली और चांदनी चौक सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सूत्रों ने बताया कि सुनीता गुजरात और पंजाब में भी आप के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगी। उनका नाम गुजरात के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में भी शामिल है।

राकांपा (शप) का घोषणापत्र जारी; जाति जनगणना का समर्थन, महिला और किसानों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित

पुणे, (भाषा) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें जाति जनगणना के लिए समर्थन जताते हुए किसानों के कल्याण के लिए एक अलग आयोग के गठन, प्रशिक्षुता का अधिकार, नौकरियों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया गया। शरद पवार के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि वह जम्मू एवं कश्मीर को पूर्ण राज्य के दर्जे का समर्थन करती है और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के विचार को खारिज करती है। 'शपथनामा' शीर्षक वाले घोषणापत्र के अनुसार राकांपा (शप) नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए), राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और अन्य ऐसे कानूनों की समीक्षा करेगी और उनमें बदलाव का प्रस्ताव करेगी जो कि संवैधानिक सिंद्धातों के अनुरूप नहीं हैं। इसमें यह भी जिक्र किया गया है कि पार्टी राज्य और स्थानीय सरकारों को सशक्त बनाने, अधिकारों के वितरण की समीक्षा करने और संवैधानिक संशोधनों को लागू करने की वकालत करती है। राकांपा (शप) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हम आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा बढ़ाने के लिए संवैधानिक संशोधन की मांग करेंगे। हम सरकारी क्षेत्रों में अनुबंध श्रम पर प्रतिबंध लगाएंगे और ठेके पर काम करने वाले श्रमिकों के हितों की कानूनी रूप से रक्षा करेंगे।'' राकांपा (शप) प्रमुख एवं पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार की मौजूदगी में जारी घोषणापत्र में जाति जनगणना, अग्निपथ योजना को खत्म करने, महिलाओं के लिए सुरक्षा ऑडिट और उनसे संबंधित साइबर कानूनों को मजबूत करने का भी समर्थन किया गया है। राकांपा (शप) में कहा गया है कि पार्टी किसानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और जाति जनगणना से संबंधित मुद्दों पर कांग्रेस के घोषणापत्र में उल्लिखित पार्टी के पांच ''न्याय'' (गारंटी) का समर्थन करती है। पाटिल ने कहा कि अगर पार्टी को केंद्र की सत्ता में आने का मौका मिला तो वह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'अधिक आसान' बनाएगी। उन्होंने कहा, '' एलपीजी सिलेंडर की कीमत 500 रुपये पर तय की जाएगी और यदि आवश्यक हुआ तो सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाएगी। पेट्रोल, डीजल कर को नया रूप दिया जाएगा।'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस सवाल पर कि पवार ने कृषि क्षेत्र में क्या योगदान दिया है,

संपादकीय

भारत में धार्मिक पर्यटन छू रहा नित नई ऊंचाइयां

.... यह हर्ष का विषय है कि पहिले दिन ही 5 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किये हैं। विश्व के कई अन्य देश भी धार्मिक पर्यटन के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्थाएं सफलतापूर्वक मजबूत कर रहे हैं। सऊदी अरब धार्मिक पर्यटन से प्रति वर्ष 22,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर अर्जित करता है। सऊदी अरब इस आय को आगे आने वाले समय में 35,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाना चाहता है। मक्का में प्रतिवर्ष 2 करोड़ लोग पहुंचते हैं, जबकि मक्का में गैर मुस्लिम के पहुंचने पर पाबंदी है। इसी प्रकार, वेटिकन सिटी में प्रतिवर्ष 90 लाख लोग पहुंचते हैं। इस धार्मिक पर्यटन से अकेले वेटेकन सिटी को प्रतिवर्ष लगभग 32 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आय होती है, और अकेले मक्का शहर को 12,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की आमदनी होती है। अयोध्या में तो किसी भी धर्म, मत, पंथ मानने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार की पाबंदी नहीं होगी। अतः अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5 से 10 करोड़ तक प्रतिवर्ष जा सकती है। फिर अकेले अयोध्या नगर को होने वाली आय का अनुमान तो सहज रूप से लगाया जा सकता है। अभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु अयोध्या में रूकते नहीं थे प्रातः अयोध्या पहुंचकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर शाम तक वापिस चले जाते थे परंतु अब अयोध्या को इतना आकर्षक रूप से विकसित किया गया है कि श्रद्धालु 3 से 4 दिन रुकने का प्रयास करेंगे। एक अनुमान के अनुसार, प्रत्येक पर्यटक लगभग 6 लोगों को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध कराता है। इस संख्या के हिसाब से तो लाखों नए रोजगार के अवसर अयोध्या में उत्पन्न होने जा रहे हैं। अयोध्या के आसपास विकास का एक नया दौर शुरू होने जा रहा है। यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब अयोध्या के रूप में वेटिकन एवं मक्का का जवाब भारत में खड़ा होने जा रहा है।

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने भी धरातल पर बहुत कार्य सम्पन्न किया है। साथ ही, अब इसके अंतर्गत एक रामायण सर्किट रूट को भी विकसित किया जा रहा है। इस रूट पर विशेष रेलगाड़ियां भी चलाए जाने की योजना बनाई गई है। यह विशेष रेलगाड़ी 18 दिनों में 8000 किलो मीटर की यात्रा सम्पन्न करेगी, इस विशेष रेलगाड़ी के इस रेलमार्ग पर 18 स्टॉप होंगे। यह विशेष रेलमार्ग प्रभु श्रीराम से जुड़े ऐतिहासिक नगरों अयोध्या, चित्रकूट एवं छत्तीसगढ़ को जोड़ेगा। अयोध्या में नवनिर्मित प्रभु श्रीराम मंदिर वैश्विक पटल पर इस रूट को भी रखेगा। केंद्र सरकार द्वारा भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार किए जा रहे प्रयासों का परिणाम भी अब दिखाई देने लगा है। "मेक माई ट्रिप इंडिया ट्रैवल ट्रेंड्स रिपोर्ट" के अनुसार, भारत के नागरिक अब पहले के मुकाबले अधिक यात्रा कर रहे हैं। भारत के नागरिकों द्वारा विशेष रूप से अयोध्या, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे आध्यात्मिक स्थलों के बारे में अधिक जानकारी हासिल की जा रही है। उक्त जानकारी "मेक माई ट्रिप" के प्लेटफार्म के 10 करोड़ से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं से प्राप्त जानकारी के आधार पर सामने आई है। वर्ष 2019 के बाद से भारत में एक वर्ष में तीन से अधिक यात्राएं करने वाले लोगों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त रिपोर्ट के अनुसार, आध्यात्मिक पर्यटन सम्बंधी जानकारी हासिल करने की गतिविधियों में वर्ष 2021 की तुलना में वर्ष 2023 में 97 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से अयोध्या के सम्बंध में जानकारी हासिल करने सम्बंधी गतिविधियों में वर्ष 2022 की तुलना में वर्ष 2023 में 585 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, उज्जैन एवं बदरीनाथ जैसे धार्मिक स्थलों के सम्बंध में भी जानकारी हासिल करने वाले नागरिकों की संख्या में क्रमशः 359 प्रतिशत और 343 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। भारत में अब पारिवारिक यात्रा की बुकिंग भी बहुत तेज गति से बढ़ रही है। इसमें वर्ष 2022 के तुलना में वर्ष 2023 में 64 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। जबकि इसी अवधि में एकल यात्रा की बुकिंग में केवल 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उक्त जानकारी को भारत के नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा जारी एक जानकारी से भी बल मिलता है कि भारत में घरेलू हवाई यातायात अब एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। दिनांक 21 अप्रेल 2024 (रविवार) को रिकार्ड 471,751 यात्रियों ने 6,128 उड़ानों के माध्यम से, भारत में हवाई सफर किया है।

इसके पूर्व हवाई यातायात करने वाले नागरिकों की औसत संख्या, कोरोना महामारी के पूर्व के खंडकाल में, 398,579 यात्रियों की थी। इसमें 14 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। देश में धार्मिक पर्यटन में हो रही भारी वृद्धि के चलते भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में भी तेजी दिखाई देने लगी है। वित्तीय वर्ष 2023–24 की तृतीय तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर ने भारत सहित विश्व के समस्त आर्थिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। इस दौरान, भारत में सकल घरेलू उत्पाद में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हासिल हुई है जबकि प्रथम तिमाही के दौरान वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत एवं द्वितीय तिमाही के दौरान 7.6 प्रतिशत की रही थी। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत रही थी। जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष एवं विश्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2023–24 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.3 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। इसी प्रकार, क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इकरा ने 6.5 प्रतिशत, एशिया विकास बैंक एवं बार्कलेस एवं प्राइस वॉटर कूपर्स ने 6.7 प्रतिशत, डेलाइट इंडिया ने 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। परंतु, समस्त विदेशी संस्थानों के अनुमानों के झुठलाते हुए भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत की रही है। यह सब देश में लगातार बढ़ते धार्मिक पर्यटन एवं विभिन त्यौहारों तथा शादी जैसे समारोहों पर भारतीय नागरिकों द्वारा दिल खोलकर पैसा खर्च करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। इससे त्यौहारों एवं शादी के मौसम में व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों में अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर होती है। जैसे दीपावली त्यौहार के समय भारत में नागरिकों के बीच विभिन्न नए उत्पादों की खरीद के लिए जैसे आपस में होड़ सी लग जाती है। भारत में लाखों करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली त्यौहार के समय में होता है। इसी प्रकार की स्थिति शादियों के मौसम में भी पाई जाती है। संभवतः विदेशी वित्तीय संस्थान भारत में हो रहे इस तरह के उक्त वर्णित परिवर्तनों को समझ नहीं पा रहे हैं एवं केवल पारंपरिक विधि से ही सकल घरेलू उत्पाद को आंकने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए भारत की विकास दर के संबंध में विभिन्न विदेशी संस्थानों के अनुमान गलत साबित हो रहे हैं।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

इन अंगों में आने लगे सूजन तो समझ जाएं फैटी लिवर ले रहा भयंकर रूप, इन उपायों को करते रहने में ही भलाई

लिवर में फैट का जम जाना होना कई सीरियस डिजीज के शुरुआत का संकेत हो सकता है. फैटी लिवर डिजीज दो तरह के होते हैं, पहला जो ज्यादा शराब पीने से होता है– एल्कोहॉलिक फैटी लिवर और दूसरा जो खराब जीवनशैली, मोटापा और डायबिटीज के कारण होता है– नॉन एल्कोहॉलिक डिजीज है.

चूंकि लिवर बॉडी के सबसे महत्वपूर्ण ऑर्गन में शामिल है. खून को फिल्टर करने से लेकर फैट को बचाने और गंदगी को बाहर निकालने की प्रक्रिया में इसका अहम भूमिका होती है. इसलिए लिवर डिजीज होने पर बॉडी सही तरह से फंक्शन नहीं कर पाता है और गंभीर बीमारियों के चपेट में आ जाता है. बढ़ते स्टेज के साथ फैटी लिवर कैंसर, सिरोसिस, डैमेज का भी कारण बनता है, जिसे आप इन लक्षणों से पहचान सकते हैं–

बढ़ रहे फैटी लिवर की बीमारी का संकेत

पैरों और टखनों में सूजनः फैटी लीवर रोग से जुड़े लिवर डैमेज के कारण पैरों के आसपास के ऊतकों में द्रव जमा हो जाता है, जिसके परिणामस्वरूप सूजन हो जाती है.

पेट में सूजनः एडवांस लिवर डिजीज में पेट में पानी के जमा होने लगता है जिससे पेट फूलने की समस्या होती है. इसकी पहचान सिरोसिस और कैंसर के रूप में भी की जाती है.

तलवों में सूजनः पैरों और टखनों में सूजन के अलावा, जब किसी को गंभीर स्तर का फैटी लीवर रोग होता है तो तलवों में एडिमा भी हो सकती है. इसका अलावा गंभीर बीमारी में चेहरे की सूजन और हाथ में सूजन हो सकती है.

फैटी लिवर कंट्रोल करने के उपायः यदि आप फैटी लिवर के गंभीर परिणामों से बचना चाहते हैं तो अपने वजन को कंट्रोल करें. इसके लिए प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें. लो फैट डाइट लें. कार्बोहाइड्रेट युक्त आहार (सफेद चावल, आलू, सफेद ब्रेड) को कम से कम खाएं साथ ही फ्रुक्टोज से भरपूर कई जूस और कार्बोनेटेड पेय पीने से बचें. इसके अलावा शराब और धूम्रपान का सेवन ना करें.

क्या सनबर्न से हो सकता है स्किन कैंसर? डॉक्टर से जानिए कितना रिस्क है और इससे कैसे बचें?

चिलचिलाती गर्मी में जहां शरीर पसीने से भीग जाता है वहीं तेज धूप सनबर्न की समस्या पैदा करती है। सूरज की हानिकारक किरणें न सिर्फ शरीर से पानी और नमी चुराती हैं बल्कि आपकी त्वचा को भी नुकसान पहुंचाती हैं। सनबर्न तब होता है जब त्वचा सूरज से पराबैंगनी (यूवी) रेडिएशन या टैनिंग बेड जैसे आर्टिफिशियल सोर्स के ज्यादा संपर्क में आती है। यूवी रेडिएशन त्वचा की कोशिकाओं में डीएनए को नुकसान पहुंचाती हैं, जिससे सूजन हो जाती है। सनबर्न होने पर त्वचा लाल हो जाती है। तेज दर्द और कभी–कभी सूजन भी आ जाती है। डॉक्टर से जानते हैं कि क्या सनबर्न होने पर स्किन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूप में त्वचा का कैसे ख्याल रखें? ऑन्कोलॉजी सर्विसेज, कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और हेमाटो ऑन्कोलॉजिस्ट के डायरेक्टर डॉक्टर जी वामशी कृष्णा रेड्डी के अनुसार, सनबर्न के लक्षण आमतौर पर सूरज के संपर्क में आने के कुछ घंटों के भीतर दिखाई देते हैं और अगले 24–48 घंटों में ये खतरनाक हो सकते हैं।

सनबर्न के सामान्य लक्षण

सनबर्न होने पर त्वचा लाल हो जाती है और छूने पर गर्म महसूस होती है।
धूप से झुलसी त्वचा दर्दनाक, कोमल या खुजलीदार हो सकती है।
गंभीर मामलों में धूप से टैन हुई स्किन में हल्की सूजन जैसी भी आ सकती है।
कई बार स्थिति गंभीर होने पर जलन के साथ छाले जैसे भी हो सकते हैं।
टैन हुई स्किन कुछ दिनों के बाद जब ठीक हो जाती है तो निकलने लगती है।

सनबर्न होने पर क्या करें इलाज?

अगर धूप से स्किन जल गई है तो प्रभावित जगह पर ठंडा, गीला कपड़ा रखें। इससे सूजन और जलन कम हो जाएगी और आराम पड़ेगा। डिहाइड्रेशन कम करने के लिए भरपूर पानी पिएं, खासकर अगर धूप से स्किन का कोई हिस्सा ब्लैक हो गया है तो पानी खूब पिएं। मॉइस्चराइजिंग लोशन या एलोवेरा जेल लगाने से धूप से झुलसी त्वचा को आराम और हाइड्रेट करने में मदद मिल सकती है। तेज दर्द होने पर पेरासिटामोल जैसी ओवर–द–काउंटर दर्द निवारक दवाएं ले सकते हैं। इससे दर्द और सूजन कम होगी। धूप से झुलसी त्वचा को ठीक होने तक फिर से धूप में जाने से बचें जब तक कि स्किन हील न हो जाए।

सनबर्न से कैंसर हो सकता है क्या?

सनबर्न होने का मतलब कैंसर नहीं है। हां लगातार सनबर्न होने से स्किन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। जिसमें मेलेनोमा, स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और बेसल सेल कार्सिनोमा सहित शामिल हैं। लंबे समय तक यूवी रेडिएशन के संपर्क में रहने से त्वचा कोशिकाओं में डीएनए को नुकसान पहुंचता है, जिससे म्यूटेशन होता है और कैंसर का खतरा बढ़ सकता है।

सनबर्न से कैसे बचें?: सनबर्न से बचने के लिए हाई SPF वाला सनस्क्रीन लगाएं।
ऐसे कपड़े पहने जो धूप से आपकी त्वचा का बचाव करें। तेज धूप में निकलते वक्त आंखों पर सनग्लासेस लगाएं।
घर से छाता लेकर निकलें और तेज धूप में जाने से बचें। नियमित रूप से अपनी त्वचा की जांच कराएं इससे कैंसर का खतरा कम होता है। त्वचा में कोई बदलाव देखते हैं, जैसे नए तिल, मस्सों में बदलाव, या असामान्य वृद्धि तो तुरंत स्किन स्पेशलिस्ट से मिलें।

उत्तर प्रदेश की ऐसी जगह जहां अब तक नहीं आया कलियुग, कारण भी जान लें

भागती–दौड़ती जिंदगी में सुकून के पल पाने के लिए लोग प्रकृति के बीच समय गुजारने जाते हैं. धार्मिक और अध्यात्मिक स्थानों पर जाते हैं. आज हम एक ऐसे स्थान के बारे में जानते हैं जिसके बारे में अधिकांश लोग नहीं जानते हैं. साथ ही सुकून–शांति पाने के लिए यह जगह बहुत ही अच्छी है. कहा जाता है कि यह ऐसा स्थान है जहां अब तक कलयुग नहीं आया है. यह स्थान है उत्तर प्रदेश के वृंदावन का टटिया स्थान. वृंदावन का टटिया स्थान ऐसा धाम है जहां ठाकुर जी विराजमान हैं और इस जगह पर अलग ही शांति और मानसिक सुकून मिलता है.

क्यों नहीं आया कलयुग?: दरअसल, यहां कलयुग का मतलब मशीनी युग से है. हरिदास संप्रदाय से जुड़ा टटिया स्थान ऐसी जगह है जहां पर साधु संत संसार से विरक्त होकर बिहारी जी के ध्यान में लीन रहते है. साथ ही टटिया स्थान में विशुद्ध प्राकृतिक सौंदर्य है, जो तकनीकी प्रगति से पूरी तरह अछूता है. टटिया स्थान में जाते ही ऐसा लगता है जैसे व्यक्ति कई शताब्दी पीछे चला गया है. यहां प्रकृति से निकटता, पवित्रता, दिव्यता और आध्यात्मिकता का अलग ही अहसास होता है. यहां पर किसी भी यंत्र, मशीन या बिजली का इस्तेमाल नहीं होता है. मोबाइल फोन आदि तो छोड़िए यहां पंखे और बल्ब तक नहीं हैं. आरती के समय बिहारी जी को पंखा भी पुराने समय की तरह डोरी की मदद से किया जाता है. साथ ही यहां के सारे पेड़–पत्ते भी खास है. माना जाता है कि यहां के पत्तों पर राधा नाम उभरा हुआ देखा गया है.

टटिया स्थान का इतिहासः टटिया स्थान स्वामी हरिदास संप्रदाय से जुड़ा हुआ है. स्वामी हरिदास जी बांके बिहारी जी के अनन्य भक्त थे. उन्होंने प्रेम और दिव्य संगीत का पाठ वृंदावन के पक्षियों, फूलों और पेड़ों से सीखा है. इसके बाद हरिदास संप्रदाय के 8 आचार्य हुए हैं. इस स्थान को शिकारियों और तीमारदारों से सुरक्षित करने के लिए यहां पर बांस के डंडे का इस्तेमाल कर पूरे इलाके को घेर लिया गया था. स्थानीय बोली में बांस की छड़ियों को 'टटिया' कहा जाता है. इस तरह इस स्थान का नाम टटिया स्थन पड़ा.

नहीं ले जा सकते मोबाइल : टटिया स्थान में रहने वाले साधु – संत आज भी देह त्याग के लिए समाधि लेते है. यहां साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाता है. संत कुएं के पानी का उपयोग करते है. यहां के साधु संत किसी भी प्रकार की दान – दक्षिणा नहीं लेते है. ना ही इस पूरे स्थान पर आपको दान पेटी मिलेगी. यहां आने वाले भक्त मोबाइल नहीं ला सकते हैं. ना ही किसी अन्य आधुनिक वस्तु का उपयोग कर सकते हैं. महिलाओं को सिर ढंककर ही यहां पर प्रवेश करने की अनुमति है.

बढ़ रहा है सुन्दरता निखारने का व्यवसाय

सुन्दर दिखना भी कलात्मक काम है। कुछ युवतियां सुंदर होते हुए भी सुंदर नहीं दिखतीं जबकि कुछ युवतियां आकर्षक शरीर की स्वामिनी न होकर भी देखने वाले को बेहद पसंद आने लगती है। ऐसी युवती का पति भी गर्व के साथ सिर ऊंचा करके चलता है तथा हर पार्टी, आयोजन में उसे साथ ले जाता है। उसके मन में कभी हीनभावना नहीं आती। वह अपनी पत्नी को 'वंडरफुल्य मानता है। सम्बन्धियों, मित्रों में बैठकर उसकी प्रशंसा किये बिना नहीं रह सकता।

कैसे निखारे अपनी सुंदरता को, इसे जानना अत्यंत आवश्यक है। कम परिश्रम तथा कम व्यय करके आकर्षक बने रहना हर युवती की तमन्ना रहती है। कोई कहे या न कहे, हर युवती आकर्षण का केंद्र बनकर सुख की अनुभूति करती है। श्रीमती प्रतिमा पांडेय ने जो दिशा निर्देश दिया है, वह सराहनीय है। आईए जाने उनके विचार। उन्होंने इसे बतौर व्यवसाय अपनाने के लिए भी कुछ जरूरी बातें कही हैं।

आमतौर पर सौंदर्य को बहुत बुद्धि का काम नहीं माना जाता है लेकिन यह गलत धारणा है। सौंदर्य एक ऐसा क्षेत्र है जहां वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। अन्यथा लेने के देने पड़ सकते हैं। वैसे भी आज के युग में जब सुदर्शन व्यक्तित्व होना हर क्षेत्र की एक शर्त हो गयी है, तब सौंदर्य में कैरियर बनाने वाले की एक अलग महत्ता होती है। यह कई करोड़ का व्यापार क्षेत्र बन चुका है। ब्यूटीशियन होने का मतलब यह नहीं है कि आप केवल आइब्रो प्लकिंग या हेयर स्टाइल तक सीमित रह जाएंगे। इसका आकाश असीमित है। नख से लेकर शिख तक सौंदर्य के जितने आयाम ढूंढे जा सकें उतना ही कम है। ब्यूटी थेरेपी में चेहरे, त्वचा, हाथ व पैरों की देखभाल की जाती है। इसमें प्रयोग करके अपनी कला को दूसरों से अलग व बेहतर भी बना सकते हैं। मैनी क्योर, हेयर कटिंग, स्टाइलिंग, शैम्पू करना, मेकअप, त्वचा की देखरेख, चेहरे का मेकअप मसाज, सोना बाथ, अवांछित बालों का उपचार, शारीरिक गठन, खान–पान वगैरा की देखरेख इसी के तहत आते हैं। सौंदर्य निखारने से सम्बंधित सभी सेवाएं कॉस्मेटोलॉजी में ब्यूटी थेरेपी का हिस्सा है।

मैनीक्योरिस्ट या पेडीक्योरिस्ट लोगों के हाथों व पांवों की सुंदरता की देखरेख करते हैं। खासतौर पर हाथों व पांवों के नाखूनों की। हाथों, पांवों की मसाज, हाथों को कोमल करना, नाखूनों को आकार देना, नेलपॉलिश आदि मैनीक्योरिस्ट का कार्य क्षेत्र है। पैडीक्योरिस्ट यही काम पांवों के लिए करते हैं। उन्हें पता होता है कि पांवों की त्वचा के लिए कौन सी क्रीम व उपचार ज्यादा ठीक है व कौन सी चीज उन्हें नुकसान कर सकती है या नहीं। इलेक्ट्राजिस्ट शरीर के विभिन्न हिस्सों के अवांछित बालों का उपचार करने में माहिर होते हैं। इसी तरह मैसूज चेहरे की मसाज व फेशियल में एक्सपर्ट होते हैं। मसाज के लिए अरोमा थेरेपी का भी उपयोग किया जा रहा है। अलग से सैलून भी स्थापित किए जा सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्टः एक हेयर स्टाइलिस्ट के तौर पर आपको हेयर कटिंग, ट्रिमिंग व बालों को आकार देना, उन पर विलपर्सस रेजर्स, कैंची आदि का उपयोग करना आना चाहिए। बालों में शैम्पू करना, उन्हें सुखाना, उनमें ब्लीच, डाई करना या फिर रंगों का इस्तेमाल करना भी हेयर स्टाइलिंग का ही हिस्सा है। सीधे बालों को लहरदार बनाने के लिए हेयर जेल आदि का प्रयोग या बालों को घुंघराले बनाने की तकनीक का इस्तेमाल करना आदि भी हेयर स्टाइलिंग के तहत ही आता है। हेयरस्टाइलिस्ट विभिन्न अवसरों के लिए लोगों के लिए अटैच विग भी बनाते हैं। उन्हें मॉडलों के लिए फोटोग्राफ या स्केच आदि के आधार पर नए–नए हेयरस्टाइल के हेयर पीस आदि भी बनाने के काम मिलते हैं। सिर में मसाज तकनीक व उपचारात्मक तकनीकों आदि का उपयोग करना भी सिखाया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट सिर में होने वाली विभिन्न संक्रामक बीमारियां आदि के उपचार और सावधानी पूर्ण देखरेख के बारे में सलाह देते हैं। एक हेयर स्टाइलिस्ट बनने के लिए केवल एक या दो महीने का प्रशिक्षण काफी नहीं है। इसके लिए कम से कम एक साल तक प्रशिक्षण दिया जाता है। उसके बाद व्यक्ति की प्रैक्टिस पर निर्भर करता है। किसी भी पांच सितारा होटल के सैलून में काम मिलना एक प्रशिक्षित व्यक्ति के लिए आसान काम है। शहरों में खुद के सैलून भी स्थापित किए जा सकते हैं। हबीब के पार्लर इसका साक्षात उदाहरण हैं। विशेष अवसरों पर घर पर जाकर हेयर स्टाइलिंग करने के काम भी कर सकते हैं।

ब्यूटी कंसल्टेंसीः आजकल ग्लैमर जगत के प्रसार को देखते हुए मेकअप व ब्यूटी सलाहकारों की विशेष आवश्यकता है। विभिन्न स्टूडियों, फिल्म, टेलीविजन, मॉडल एजेंसी, ब्यूटी क्लीनिक्स, सौंदर्य प्रतियोगिता, पॉप आयोजन आदि किसी भी बड़े सार्वजनिक आयोजनों में ब्यूटी सलाहकार की आवश्यकता तो पड़ती है। यहां पर भी काम मिलता है।

फिटनेस व एक्सरसाइजः यह तेजी से उभरता क्षेत्र है। अब ब्यूटी केयर में फिटनेस व व्यायाम को बहुत महत्व दिया जा रहा है। इसमें एक्सपर्ट होकर योग, हेल्थ क्लब, जिम व एयरोबिक्स जिम आदि खोल सकते हैं। जिम इंस्ट्रक्टर बनकर भी बहुत काम मिल सकता है। इसके अलावा ब्यूटीकेयर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित होकर ब्यूटी सैलून या कॉस्मेटिक कम्पनियों में भी अच्छे पदों पर जा सकती हैं। आमतौर पर इस क्षेत्र में लोग अकेले और छोटे स्तर से काम शुरु करते हैं।

प्रशिक्षणः ब्यूटी केयर या कॉस्मेटोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छे संस्थान से प्रशिक्षण लिया जा सकता है। आमतौर पर ब्यूटीकेयर से संबंधित प्रशिक्षण छोटी अवधि के होते हैं। हालांकि इसमें बहुत ज्यादा उच्च शिक्षा की आवश्यकता नहीं होती लेकिन कई बार उच्च शिक्षा भी बहुत काम आती है। मशहूर ब्यूटी केयर एक्सपर्ट भारती तनेजा वैसे बी.एड के बाद साइंस टीचर थीं। लेकिन कुछ साल पहले पढ़ाने के बाद उन्होंने अपना कैरियर बदल दिया और ब्यूटीकेयर के क्षेत्र में आ गयीं। उनका कहना है कि वह अपनी ब्यूटीथेरेपी में साइंस के सभी तथ्यों का इस्तेमाल करती हैं। छात्रों को प्रशिक्षण के बाद भी अभ्यास के लिए इंटर्नशिप करना फायदेमंद साबित होता है। इसके अलावा आयुर्वेदिक ब्यूटीकेयर का नया क्षेत्र भी तेजी से उभर रहा है।

विशेषज्ञ की रायः श्रीमती भारती तनेजा डायरेक्टर, एल्पस स्कूल ऑफ हेयर डिजाइनिंग एंड ब्यूटी लिखती हैं– आधुनिकीकरण के दौर में अब सौंदर्य की परिभाषा बदल गई है। अब पढ़ी–लिखी औरतों ने ब्यूटी कल्चर के क्षेत्र में शिरकत शुरु कर दी है। अब यह व्यवसाय उतनी ही संपूर्णता की मांग करता है जितना कि डाक्टरी या अन्य किसी पेशे से अपेक्षा की जाती है। आज सौंदर्य और विज्ञान को एक दूसरे से जोड़कर देखना होगा। साइंस में हर चीज के दो पक्ष होते हैं–सिद्धांत व व्यवहारिक उपयोग। सौंदर्य के सिद्धांत को समझने के लिए भी दोनों पक्षों को समझना अनिवार्य है। अगर कोई फेशियल में एक्सपर्ट होना चाहता है तो उसे त्वचा के प्रकार, फिजियोलॉजी, एनाटमी व अन्य प्रॉब्लम के बारे में समझना जरूरी है। ताकि वह जान सके कि अलग–अलग तरह की त्वचा के लिए अलग–अलग ट्रीटमेंट जरूरी है। ब्यूटी केयर का क्षेत्र अपनाते समय यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि आगे चलकर अपना पॉर्लर खोल सकें। साथ ही अपनी ब्रांड के उत्पाद भी बना सकें।

एल्पस स्कूल ऑफ हेयर डिजाइनिंग एण्ड ब्यूटीः इस संस्थान की दिल्ली में छह शाखाएं हैं– विकास पुरी, पंजाबी बाग, शालीमार बाग, लाजपतनगर, नारायण और प्रीत विहार। यहां 16 तरह के कोर्स चलाए जा रहे हैं। जिसमें बेसिक ब्यूटी कल्चर, बेसिक हेयर कटिंग व ड्रेसिंग, एडवांस हेयर स्टाइल, एडवांस मेकअप फैंटेसी एण्ड स्पेशल इफेक्ट्स मेकअप, कॉस्मेटोलॉजी, स्किन एंड हेयर ट्रीटमेंट, इलेक्ट्रोलिसिस, थर्मोलिसिस एंड ब्लैंड, नेल आर्ट, मेहंदी, पर्सनल ग्रूमिंग एण्ड कोर्स, आईलैश पर्मिंग, नोज ऐंड ईयर पियर्सिंग, अरोमा थेरेपी और परमानेंट कॉस्मेटिक मेकअप शामिल हैं।

इस प्रकार हम स्वयं तो सुंदर हो ही सकते हैं, पार्लर भी खोलकर 'ब्यूटी केयरच को बतौर व्यवसाय भी अपना सकते हैं। छात्र–छात्राएं बाद में स्वरोजगार के लिए भी इस दिशा में जा सकते हैं। इस प्रकार हम अपने व्यक्तिगत आकर्षण में वृद्धि तो कर ही लेंगे, अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर लेंगे।

रवीना टंडन ने बेटी राशा को दी ये लव एडवाइज, कहा– 'नहीं चाहूंगी वो प्यार में...'

रवीना टंडन बॉलीवुड की उन एक्ट्रेस में से एक हैं जो अपनी खूबसूरती ही नहीं बल्कि शानदार एक्टिंग के लिए भी जानी जाती हैं। फिल्म इंडस्ट्री में एक्ट्रेस रवीना टंडन आज जिस मुकाम पर हैं वो सच में काबिले तारीफ है। 90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में एक रवीना टंडन आज भी इंडस्ट्री में अपने काम के लिए चर्चा में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस रवीना इन दिनों अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी बेटी राशा को लेकर भी लाइमलाइट में बनी हुई हैं। बॉलीवुड की कूल मॉम में से एक रवीना टंडन ने अपनी बेटी राशा को लव और शादी को लेकर कई तरह की एडवाइज दी है।

रवीना टंडन की बेटी राशा की लव लाइफ–करियर: बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। दोनों ही एक–दूसरे के साथ कई फनी तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती रहती हैं। वहीं फिल्मी ज्ञान के एक पॉडकास्ट के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी बेटी को रिलेशनशिप और शादी को लेकर एडवाइज दी है। एक्ट्रेस ने बहुत ही अनोखे अंदाज में सवालों के जवाब दिए। साथ ही ये भी खुलासा किया है कि आज के समय शादी की क्या वैल्यू है। रवीना टंडन ने बेटी राशा के लव लाइफ के अलावा करियर को लेकर भी बात की।

राशा को दी ये लव एडवाइज: रवीना टंडन ने पॉडकास्ट में अपनी लाइफ के अलावा बेटी की लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान एक्ट्रेस से पूछा गया कि वो अपनी बेटी को क्या लव एडवाइज देना चाहेंगी। इस पर रवीना ने रिएक्ट करते हुए कहा, 'अभी उसे अपने करियर और पढ़ाई पर फोकस करना चाहिए। मैं नहीं चाहूंगी वो प्यार और शादी करने में जल्दबाजी न करें। सही इंसान के साथ समय बिताए और उसके बाद ये डिसाइड करे कि क्या उसे शादी करना चाहिए। शादी करना कोई फन नहीं है ये एक ह्यूज कमिटमेंट है।'

रवीना टंडन का वर्कफ्रंट: वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस रवीना टंडन 'पटना शुक्ला' के बाद अक्षय कुमार संग फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाली है। फिल्म में दिशा पटानी, परेश रावल, जैकलीन फर्नांडिस, लारा दत्ता और अरशद वारसी भी होंगे।

'रजाकार' हर हिंदू–मुस्लिम को देखनी चाहिए ये मूवी, हैदराबाद की 'कश्मीर फाइल्स'

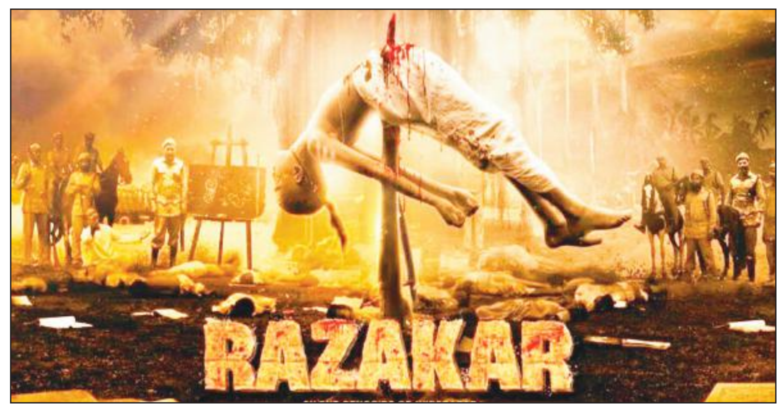

ये भारत की कई पीढ़ियों की समस्या रही है कि उनको सरकारों ने इतिहास की वीभत्स सच्चाइयां बताने से परहेज किया. जिसका नतीजा ये हुआ कि जब छुपी हुई सच्चाइयां सामने आने लगीं तो ना तो हिंदुओं की नई पीढ़ियों को उन पर आसानी से भरोसा हुआ और मुस्लिमों को तो ये अपने खिलाफ झूठा प्रोपगैंडा लगा. 'कश्मीर फाइल्स' की सारी कहानियां जगमोहन जैसे चश्मदीदों की किताबों, उस दौरान के अखबारों और रिपोर्ट्स में ना जाने कब से दर्ज थीं, लेकिन लोगों ने उसे प्रोपेगैंडा बताया और अब यही 'रजाकारः द साइलेंट जीनोसाइड ऑफ हैदराबाद' के साथ हो रहा है. आज की पीढ़ी को ये कहा जाए कि जब ताजमहल बन रहा तो तब आधे से ज्यादा भारत अकाल से जूझ रहा था और शाहजहां ने ये पैसे उनपर खर्च करने के बजाय ताजमहल पर खर्चे तो वो मानेगी नहीं? ये भी नहीं मानेगी कि शाहजहां ने एक ब्राह्मण को सनातन की तारीफ करने पर जिंदा जलवा दिया था. चांदनी चौक बसाने वाले औरंगजेब की बहन जहांआरा ने मथुरा से श्रीकृष्ण की मूर्ति आगरा की मोती मस्जिद की सीढ़ियों पर जड़वा दी थी, लेकिन करीना कपूर 'तख्त' में उसका रोल करने जा रही थीं. हम जोधा अकबर बनाते हैं, लेकिन चित्तौड़ किले में उसका कत्ले आम और फतहनामा छुपाते हैं. इसी तरह रजाकारों के बारे में एक दो लाइन में इतिहास खत्म कर देते हैं, आलम ये था कि मूवी रिव्यू करने वाले 90 प्रतिशत समीक्षकों ने कभी पहले कासिम रिजवी का नाम तक नहीं सुना था. ये मूवी वही छुपा हुआ वीभत्स सच दिखाती है, जो हिंदुओं ही नहीं मुस्लिमों को भी देखना चाहिए ताकि जान सकें कि बीजेपी जैसी पार्टियों को इतना जनसमर्थन क्यों मिलता है?

हैदराबाद रियासत की कहानी: कहानी है आजादी के बाद भी भारत में शामिल ना होने वाली उस हैदराबाद रियासत की, जो कोहिनूर जैसे विश्व प्रसिद्ध हीरों की खानें निकालने वाली गोलकुंडा खानों की काकतीय राजाओं की दौलत के चलते काफी अमीर थी, उस वक्त उस पर शासन था निजाम मीर अली उस्मान (मकरंद देशपांडे). निजाम चाहता था कि हैदराबाद रियासत एक अलग देश तुर्किस्तान बने, भारत से उसने एक साल का यथा स्थित समझौता कर लिया यानी स्टेंड स्टिल एग्रीमेंट. जाहिर है नेहरूजी कश्मीर की तरह यहां भी ढुल मुल रवैया अपना रहे थे. लेकिन यही 1 साल हैदराबाद रियासत की 85 फीसदी हिंदू आबादी पर भारी पड़ा. निजाम के सेनापति कासिम रिजवी (राज अर्जुन) ने एक बड़ी रजाकारों की सेना बना ली और धर्म परिवर्तन का मानो जेहाद ही छेड़ दिया. राज्य में कोई पोर्ट नहीं था तो गोवा पुर्तगालियों से खरीदने की तैयारी कर ली, पाकिस्तान से सैन्य मदद के लिए 20 करोड़ रुपए भिजवा दिए गए, बहुत सारी दौलत लंदन आदि के बैंकों में जमा कर दी गई. साथ ही हैदराबाद राज्य में विद्रोह को दबाने के लिए बड़े पैमाने पर रजाकारों की भर्तियां शुरू हो गईं. हालांकि मूवी में दिखाया नहीं गया कि कैसे रिजवी अपनी सारी प्रॉपर्टी अपनी पार्टी मजलि ए इत्तिहादुल मुसलमीन को दान करके लोगों का दिल जीत लेता है और फिर अपनी निजी सेना रजाकार सेना खड़ी करता है. ये भी नहीं बताया गया कि कैसे वो अपनी पार्टी को बाद में पाकिस्तान जाने से पहले ओवैसी के दादा को दे जाता है और वही पार्टी आज ।प्डप्ड है. सरदार पटेल (तेज सप्रू) को हैदराबाद में हो रहे अत्याचारों की खबरें मिल रही थीं, लेकिन नेहरूजी के चलते वो और के एन मुंशी मन मसोस कर रह जाते थे. इधर कासिम रिजवी ने हैदराबादी हिंदुओं पर कहर बरपा दिया. उस कहर के खिलाफ अलग अलग जगहों पर कुछ स्थानीय युवा उठे, उन सभी गुमनाम नायकों को निर्देशक यता सत्यनारायण ने बड़ी ही मेहनत के साथ इस मूवी के जरिए सम्मान दिलाया है और साथ ही एक एक सीन को आइकोनिक बनाने की कोशिश साफ दिखती है. एक एक किरदार को काफी सोच विचारकर चुना गया लगता है, एक एक सीन को एक एक सेट को करीने से प्लान किया गया है. स्पेशल इफैक्ट्स, सैट डिजाइनिंग, सिनमेटोग्राफी, एडीटिंग, म्यूजिक और शानदार डायरेक्शन इस मूवी को कश्मीर फाइल्स के मुकाबले कई गुना ऊपर ले जाते हैं. प्रोडक्शन का शानदार नमूना है ये मूवी और इसके लिए प्रोड्यूसर गुदूर नारायणा रेड्डी की तारीफ करनी होगी, जिन्होंने खुली छूट निर्देशक को दी है. ऑपरेशन पोलो होने तक एक एक घटना को इस मूवी में पिरोया गया है.

पर्दे में छिपाकर हुई आरती सिंह की ब्राइडल एंट्री, फिर सामने आ ही गई लाल जोड़े में दूल्हे के साथ पहली झलक

टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह आखिरकार शादी के बंधन में बंध गई। एक्ट्रेस ने बिजनेसमैन दीपक चैहान से शादी रचा कर ली है। जयमाल की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आ गए हैं। सामने आई झलकियों में आरती बला की खूबसूरत लग रही हैं। आरती सिंह की ब्राइडल एंट्री की झलक भी देखने को मिली है, जिसमें आरती को बेहद अलग अंदाज में लाया गया। सोशल मीडिया पर भी आरती की शादी की धूम देखने को मिल रही है। एक्ट्रेस की पति के साथ तस्वीरें देखने के बाद लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

अलग अंदाज में हुई ब्राइडल एंट्री : आरती सिंह की ब्राइडल एंट्री काफी अलग रही। एक्ट्रेस ने न तो नाचते–गाते एंट्री की और न ही वो पालकी में आई, बेल्कि उनकी एंट्री छिपते छिपाते हुए। जी हां, उन्हें पर्दे में छिपाकर लाया गया। कैमरे के सामने उनका लुक नहीं। उन्हें चारों ओर से कवर कर के जयमाल के लिए ले जाया गया, लेकिन इसके बाद भी एक्ट्रेस की पहली झलक सामने आ गई है। आरती सिंह दुल्हन के लिबास में सजी–धजी दिख गई। जयमाल के दौरान की तस्वीरें और वीडियो भी सामने आ गए हैं।

ऐसा है आरती का ब्राइडल लुक: सामने आए वीडियो में आरती सिंह दुल्हन के लिबास में सजी हुई कमाल की लग रही हैं। उन्होंने अपनी शादी के लिए ट्रिडिशनल वेडिंग कलर रेड यानी लाल को चुना। उन्होंने लाल हैवी लहंगे के साथ हैवी ज्वेलरी कैरी कीं। इसके साथ ही उन्होंने बड़ी नथ, माथा पट्टी और चूड़े के साथ अपना लुक कंप्लीट किया। आरती जयमाल के बाद काफी खुश नजर आईं। उन्होंने मुस्कुराते हुए अपने पति दीपक चौहान के साथ पैपराजी को पोज देकर तस्वीरें क्लिक कराईं। आरती को इस लुक में देखने के बाद उनके एक फैन ने लिखा, 'आखिर कोई पूरी तरह से दुल्हन के रूप में दिखी।' वहीं आरती की खूबसूरती की लोग खूब तारीफें कर रहे हैं।

अरिजीत सिंह के ये 7 गाने हैं आज भी अंडररेटेड, सुनकर मिलेगा आपको सुकून

बॉलीवुड में कई सिंगर आए और गए, लेकिन जो छाप अरिजीत सिंह ने छोड़ी वो शायद ही किसी ने छोड़ी हो। अरिजीत सिंह की आवाज का जादू आज कल हर हिंदी फिल्म में देखने को मिलता है। फिल्में उनके गाने के बिना पूरी नहीं होतीं। अरिजीत सिंह के सभी गाने सुपरहिट बन जाते हैं, लेकिन कई ऐसे गाने भी हैं जिन्हें वो दर्जा नहीं मिला जो उन्हें मिलना चाहिए था। ऐसे ही गानों की लिस्ट हम आपके लिए लाए हैं, जिन्हें सुनने के बाद आप बार–बार सुनना पसंद करेंगे।

तोसे नैना जब से मिले : लोकप्रिय टेलीविजन एंकर मनीष पॉल और एली अवराम की विशेषता के बावजूद 'मिकी वायरस' दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही और बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। हालांकि फिल्म में अरिजीत सिंह गाना 'तोसे नैना जबसे मिले' एक खूबसूरत गीत के रूप में एक उम्मीद की किरण थी। रोमांटिक ट्रैक ने कई युवा जोड़ों को प्रभावित किया। हालांकि यह गाना अरिजीत के सबसे प्रसिद्ध गानों में से एक नहीं हो सका।

दुआ: क्या आप जानते हैं कि फिल्म 'शंघाई' का खूबसूरत ट्रैक 'दुआ' भी अरिजीत सिंह ने ही गाया था? नंदिनी श्रीकर उन्होंने इस गाने को आवाज दी थी, लेकिन इस गाने को उतनी प्रसिद्धि नहीं मिली जितनी मिलनी चाहिए थी।

सुकून मिला: 'सुकून मिला' गीत में अरिजीत सिंह की आकर्षक आवाज सुनने को मिली। ये गाना 'मैरी कॉम' फिल्म में प्रेम कहानी को दर्शाने में कारगर रहा, लेकिन इस गाने को वो जगह नहीं मिली जो अरिजीत के बाकी गानों को मिली है। ये गाना आपके कानों को जरूर अच्छा लगेगा।

आहिस्ता: 'लैला मजनू' फिल्म का गाना आहिस्ता भी वो मुकाम हासिल न कर सका जो उसे करना चाहिए था। अरिजीत की आवाज कमाल की लगी है। गजब के लिरिक्स में अरिजीत जान फूंक रहे हैं।

मीत : कंगना रनौत की फिल्म 'सिमरन' का गाना 'मीत' भी एक अंडर रेटेड गाना है। इस गाने को आप जब भी सुनेंगे, अरिजीत की आवाज आपको एक नया अनुभव देगी। इस गाने को आप बार–बार सुन सकते हैं। लॉन्ग ड्राइव के लिए भी ये गाना कमाल का है।

उसका ही बना: आफताब शिवदेसानी की फिल्म '1920 इविल रिटर्न्स' का गाना 'उसका ही बना' आपको कम ही सुनने को मिला होगा। ये गाना भी अरिजीत सिंह की आवाज में ही है। इस गाने को आज भी सुनेंगे तो आपको रिफ्रेशिंग लगेगा।

रंगदारी: फरहान अख्तर की फिल्म 'लखनऊ सेंट्रल' का गाना 'रंगदारी' भी एक अंडर रेटेड गाना है। इस गाने को भी अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी।

हम 'केशवानंद भारती' फैसले से बंधे हैं, जिसने संवैधानिक प्रावधान को बचाया: उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि वह 'केशवानंद भारती' मामले में ऐतिहासिक 13 न्यायाधीशों की पीठ के फैसले से बंधा है, जिसने संविधान के अनुच्छेद 31सी के एक हिस्से को बरकरार रखा था, जिसका उद्देश्य कानूनों को बचाना था यदि उन्हें (कानूनों को) 'सार्वजनिक हित' के लिए बनाया गया हो। इस फैसले में यह माना गया था कि संसद संविधान के किसी भी हिस्से में संशोधन कर सकती है जब तक कि वह संविधान की मूल संरचना या आवश्यक विशेषताओं में परिवर्तन या संशोधन नहीं करती है। ''बुनियादी संरचना'' सिद्धांत पर 1973 के अग्रणी 'केशवानंद भारती' फैसले ने संविधान में संशोधन करने की संसद की विशाल शक्ति को खत्म कर दिया था और साथ ही न्यायपालिका को किसी भी संशोधन की समीक्षा करने का अधिकार दे दिया था। इसने अनुच्छेद 31–सी के एक प्रावधान की संवैधानिकता को भी बरकरार रखा था, जिसमें निहित था कि राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) को लागू करने वाले संशोधन यदि संविधान की 'बुनियादी संरचना' को प्रभावित नहीं करते हैं, तो उनकी न्यायिक समीक्षा नहीं होगी। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली नौ–सदस्यीय संविधान पीठ ने यह टिप्पणी उस वक्त की जब वह इस विवादास्पद कानूनी सवाल पर बहस सुन रही थी कि क्या निजी संपत्तियों को भी अनुच्छेद 39 (बी) के तहत "समुदाय के भौतिक संसाधन" माना जा सकता है। पीठ ने कहा, "हम फिर से (केशवानंद भारती मामले में) 13 जजों की पीठ के फैसले के अधीन हैं। यह पांच न्यायाधीश का फैसला नहीं था।" नौ सदस्यीय संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के साथ–साथ जिसमें न्यायमूर्ति ह्रषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह भी शामिल थे। मामले में सुनवाई बेनतीजा रही और मंगलवार को फिर से शुरू होगी।

मोतीलाल ओसवाल एएमसी ने प्रतीक अग्रवाल को पदोन्नत कर प्रबंध निदेशक, सीईओ नियुक्त किया

नयी दिल्ली, (भाषा) मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) ने प्रतीक अग्रवाल को कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में पदोन्नत किया है। प्रतीक, नवीन अग्रवाल से कार्यभार संभालेंगे, जो समूह की अपनी भूमिका में वापस चले जाएंगे। अपनी नई भूमिका में अग्रवाल रणनीतिक पहल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे और मोतीलाल ओसवाल समूह की समग्र वृद्धि में योगदान देंगे। एएमसी की सूचीबद्ध इकाई मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अग्रवाल अक्टूबर, 2022 में मोतीलाल ओसवाल एएमसी से जुड़े थे। इसके अलावा, वर्तमान में मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अखिल चतुर्वेदी को कार्यकारी निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड की नामित योजनाओं के कोष प्रबंधक निकेत शाह को मुख्य निवेश अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

जनता को कांग्रेस के न्यायपत्र के पांच न्याय की 25 गारंटी पर भरोसा है : पवन खेड़ा

लखनऊ, फोकस न्यूज, कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को 'सफेद झूठ' करार दिया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस के न्यायपत्र से घबरा गए हैं और इसलिए इसको लेकर 'झूठा प्रोपगैंडा' फैला रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने यहां प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जनता को कांग्रेस के न्यायपत्र के पांच न्याय की 25 गारंटी पर भरोसा है; इसलिए आज मोदी की गारंटी गायब हो गई हैं और पूरे देश में सिर्फ कांग्रेस के न्याय पत्र की बात हो रही है। खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस का 'न्याय पत्र' पार्टी नेता राहुल गांधी द्वारा की गई 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में मिले युवाओं, किसानों और हर जाति वर्ग धर्म के लोगों की समस्याओं और सुझावों पर आधारित दस्तावेज है। उन्होंने कहा, '' इससे कुंठित प्रधानमंत्री इसे लेकर जनता को बरगला रहे हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी नीतियां बनाई जिससे आम आदमी की कमर टूटती चली गई और आज उसी का परिणाम है कि कांग्रेस पार्टी का न्यायपत्र जब से आया है तब से प्रधानमंत्री स्वयं अपनी गारंटी को भूलकर कांग्रेस के न्यायपात्र पर ही चर्चा कर रहे हैं और उसे लेकर 'सफेद झूठ' बोलते हुए 'प्रोपगैंडा' फैला रहे हैं। खेड़ा ने आरोप लगाते हुए कहा, "संविधान की शपथ लेने वाले प्रधानमंत्री द्वारा चुनावी सभाओं में स्तरहीन बयानबाजी कर संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।" उन्होंने मोदी की 'मंगलसूत्र' वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, ''मोदी जी आज महिलाओं के मंगलसूत्र की बात कर रहे हैं लेकिन पूरे देश में जब महिलाओं पर अत्याचार हो रहा था और भाजपा सरकारें बलात्कारियों को संरक्षण दे रही थीं; उस समय प्रधानमंत्री की आवाज तक नहीं निकली। जनता यह पूरा सच जानती है। आज इसीलिए प्रधानमंत्री जी की घिसी– पिटी बातों पर जनता भरोसा नहीं कर रही है।" खेड़ा ने आरोप लगाया, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के '400 पार' के नारे के पीछे असल नियत संविधान को बदलकर दलित और पिछड़ों के आरक्षण को समाप्त करने और आम आदमी के अधिकार खत्म करने की है, लेकिन अब जनता उनके बहकावे में नहीं आने वाली।" उन्होंने कहा कि ''इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस'' ('इंडिया' गठबंधन) लोकसभा चुनाव के बाद सरकार बनाकर भाजपा के 10 सालों के कुकर्मों का हिसाब करने जा रहा है।

'आईसीआईसीआई बैंक के 17,000 क्रेडिट कार्ड के नंबर गलत उपयोगकर्ता से जुड़े, दुरूपयोग की सूचना नहीं'

मुंबई, (भाषा) आईसीआईसीआई बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल ही में जारी किए गए लगभग 17,000 क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद सारे कार्ड ब्लॉक कर दिए गए हैं। निजी क्षेत्र के बैंक ने कहा कि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है। लेकिन उसने कहा कि ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है। एक सूत्र ने कहा कि बैंक के नये ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया पर बुधवार शाम से ही बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत 'मैपिंग' के कारण बैंक का पुराना उपयोगकर्ता नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहा था। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा कि इस समस्या की चपेट में आए क्रेडिट उसके कुल कार्ड पोर्टफोलियो का केवल 0.1 प्रतिशत हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इन सभी कार्ड को ब्लॉक कर दिया गया है और ग्राहकों को नये कार्ड जारी किए जाएंगे। बयान के मुताबिक, "इन कार्ड में से किसी भी कार्ड के दुरुपयोग का कोई मामला हमारे संज्ञान में नहीं लाया गया है। हालांकि, हम आश्वस्त करते हैं कि किसी भी वित्तीय नुकसान के मामले में बैंक ग्राहक को उचित मुआवजा देगा।"

रांची में आदर्श गांव बनाना और खेल अवसरंचना का विकास प्राथमिकता : कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय

रांची, (भाषा) झारखंड की रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार यशस्विनी सहाय की प्राथमिकताएं आदर्श गांव बनाना, खेल अवसरंचनाओं का निर्माण एवं विकास करना, रांची की विरासत का संरक्षण और रोजगार सृजन करना है। यशस्विनी पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय की बेटी है, जो राजनीति में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। मुंबई में वकालत करने वाली यशस्विनी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा 'परिवारवाद' की आलोचना किए जाने पर ध्यान नहीं देतीं। उनका कहना है कि भाजपा बेरोजगारी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का प्रचार करती है। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से साक्षात्कार में कहा, ''यहां रहने वाले युवा सभी प्रकार के खेलों में रूचि रखते हैं। आपने कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र तो पढ़ा ही होगा, जिसमें हर इलाके में अपनी खेल अकादमी होने की बात कही गयी है। मैं रांची निर्वाचन क्षेत्र में इसे लागू करने का वादा करती हूं।'' सहाय ने हाल ही में हुए अंतरराष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन के लिए रांची के लोगों और प्रशासन को धन्यवाद दिया। रांची में जनवरी में एफआईएच महिला हॉकी ओलम्पिक क्वालीफायर और पिछले वर्ष एशियन चैंपियन्स ट्रॉफी का आयोजन किया गया था। सहाय ने कहा कि उनका लक्ष्य अपने संसदीय क्षेत्र के गांवों को आदर्श गांव बनाना और रांची की विरासत को संरक्षित करते हुए उसे महानगर बनाना है। उन्होंने कहा, ''हमारा उद्देश्य झारखंड में पुरुषों व महिलाओं को नौकरियां प्रदान करना और खाली पड़े सरकारी पदों को भरना है। मैं अक्सर सोचती हूं कि यहां के युवा और युवतियां कैसे नौकरियां हासिल करते हैं।'' सहाय ने दावा किया कि कानून में मास्टर डिग्री और मानवाधिकार में विशेषज्ञता के कारण उनके विचारों में सामाजिक रुझान था। मनमोहन सिंह सरकार में मंत्री और रांची के पूर्व सांसद अपने पिता सुबोध कांत सहाय से मदद लेने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह ऐसे राजनीतिक माहौल में पली–बढ़ी हैं, जिसमें समाज सेवा के अलावा और कोई विषय नहीं है। कांग्रेस उम्मीदवार (27) ने कहा, ''मेरे पिता का राजनीतिक करियर बेहद विशाल रहा। मुझे उनके विशाल अनुभव से लाभ मिलेगा। इस तरह मैं उनकी बेटी के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाऊंगी।'' रांची लोकसभा सीट पर सहाय का मुकाबला भाजपा के मौजूदा सांसद संजय सेठ से है। सहाय ने जीत का भरोसा जताया है। उन्होंने कहा, ''मुझे झारखंड की उन माताओं, बहनों, भाइयों और पिता तुल्य लोगों का आशीर्वाद प्राप्त है, जो मेरे साथ जुड़े हुए हैं।'' भाजपा ने सुबोधकांत सहाय पर परिवारवाद में शामिल होने और रांची लोकसभा सीट से अपनी बेटी के लिए टिकट हासिल करने का आरोप लगाया था। पूर्व में सुबोधकांत सहाय के कांग्रेस की टिकट पर रांची से चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थीं। लोकसभा चुनाव 2019 में संजय सेठ ने सुबोधकांत सहाय को हराया था। रांची लोकसभा सीट पर 25 मई को मतदान होगा, जहां 10.66 लाख महिला मतदाताओं सहित 21.62 लाख मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे।

मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में 'स्वच्छ भारत मिशन' विफल रहा है: कांग्रेस

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मध्य प्रदेश में चुनावी सभा से पहले राज्य से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर सवाल उठाए और दावा किया कि राज्य के ग्रामीण इलाकों, विशेषकर आदिवासी बस्तियों में 'स्वच्छ भारत मिशन' विफल साबित हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी आज मुरैना में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, "आज मध्य प्रदेश के मुरैना जा रहे प्रधानमंत्री से हमारे कुछ सवाल हैं। मुरैना में सेना भर्ती को लेकर किए गए भाजपा के बड़े–बड़े वादों का क्या हुआ? मध्य प्रदेश के गांवों में अभी भी पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव क्यों है? मुरैना भारत की बिजली चोरी की राजधानी क्यों बन गया है?" उन्होंने कहा कि जब तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2018 में मुरैना का दौरा किया था, तो उन्होंने वादा किया था कि एक या दो साल के भीतर वहां एक सैनिक स्कूल स्थापित किया जाएगा, लेकिन वादा पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सेना में भर्ती की 'अग्निपथ' योजना के माध्यम से, मोदी सरकार ने सशस्त्र बलों की पवित्रता और भिंड–मुरैना के हज़ारों महत्वाकांक्षी युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने सवाल किया, "निर्मला सीतारमण के जोशीले वादों का क्या हुआ? उन लोगों ने मध्य प्रदेश के युवाओं के साथ विश्वासघात क्यों किया है?" रमेश ने आरोप लगाया, " मोदी सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) मध्य प्रदेश के ग्रामीण हिस्सों, विशेष रूप से आदिवासी बस्तियों में नाकाम रहा है। 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4.5 लाख शौचालय गायब पाए गए, और बजट से 540 करोड़ रुपए सरकारी अधिकारियों द्वारा निकाल लिए गए थे। जल और स्वच्छता विभाग का दावा है कि जिन 99.6 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी, उनके पास पानी की भी सुविधा थी, लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त बिलकुल अलग तस्वीर पेश करती है। " उन्होंने सवाल किया कि क्या स्वच्छ भारत और हर घर जल के बड़े–बड़े वादे भी सिर्फ जुमले थे? कांग्रेस महासचिव के अनुसार, मुरैना जिले को देश का एकमात्र ऐसा जिला होने का नकारात्मक गौरव प्राप्त है जहां विशेष प्रकार के बिजली के तारों और बिजली के हीटरों पर धारा 144 लागू की गई है। उनके अनुसार, कलेक्टर कार्यालय को यह कठोर कदम उठाने के लिए इसलिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि लोग इन तारों और हीटर के हिस्सों का उपयोग बिजली चोरी करने के लिए कर रहे हैं उन्होंने कहा, "मुरैना को हर माह 110 करोड़ रुपये की बिजली आपूर्ति की जाती है, लेकिन बिजली कंपनी को सिर्फ 38 करोड़ रुपए का ही भुगतान होता है। इसमें भी 28 करोड़ रुपया उद्योगों से प्राप्त होता है, यानी मुरैना में 85 फीसदी से अधिक बिजली चोरी हो रही है।" रमेश ने सवाल किया, "अब लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद, भाजपा मुरैना के लोगों को वैध बिजली कनेक्शन प्रदान करने में असमर्थ क्यों है?"

कहानी— गुनाह

''हूं ,तो आपने क्लर्क की पोस्ट के लिये एप्लाई किया है'– मैंनेजर ने नाक से चश्मा उठाकर साफ करते हुए कहा।

''जी हां।'राजू हकलाता हुआ बोला। ''क्या क्वा. लिफिकेशन है?'

और राजू का मुंह प्रश्न वाचक बन गया। हकलाते हुआ बोला–''जी, एम.एस.सी.हूं।'

''कौन सी डिवीजन में पास की है एम.एस.सी. आपने?' और मैंनेजर ने अपनी निगाहें फाइलों पर गड़ा दी।

''जी सेकिंड डिवीजन, मैट्रिक में फर्स्ट क्लास, इन्टर और बी.एस.सी.फर्स्ट, परंतु एम.एस.सी. में सैकिंड डिवीजन ही रह गई।'

''और आपने क्लर्क के लिए अप्लाई किया है?' मै. नेजर की आंखें आश्चर्य से फैल गईं। ''आप किसी अच्छी जगह क्यों नहीं अप्लाई करते मिस्टर राजू! यहां आपका कैरियर बिगड़ जायेगा।' मैंनेजर ने एक लम्बी सांस ली। लेकिन मैनेजर को क्या पता कि उसे अपना कैरियर नहीं बनाना, उसे भरना है अपना पेट, उसे करने हैं पीले हाथ अपनी छोटी बहन के और दिलानी है मुक्ति अपने पिता को, सेठ के उस कर्ज से जोकि उसकी पढ़ाई के लिये लिया गया था। उसे अपनी पत्नी तथा ससुराल वालों के व्यंग्य बाणों से छुटकारा पाना था और समाप्त करना था वह दाग, जिसे आज के कार वाले लोग बेकार कहते हैं। परंतु मैंनेजर कैरियर बनाने की बात कह रहा है। अगर उसके पास पैसा और पहुंच होती तो वह भी अपना कैरियर बना सकता था परंतु इस बेचारे को क्या मालूम। और राजू को अपने पिछले दिन चलचित्र की भांति दृष्टि पटल पर दिखाई देने लगे।

''राजू तुम्हारा कैरियर बहुत ब्राइट है। फर्स्ट क्लास फर्स्ट हो। स्कॉलरशिप मिलेगा बोर्ड से।' और उसकी प्रोफेसर रागिनी दीक्षित ने एक अखबार उसके सामने कर दिया।

''आपका आर्शीवाद है मैडम।' और राजू ने श्रद्घा से सिर झुका लिया।

''यह तो सब ईश्वर का करिश्मा है, परंतु अब आगे क्या इरादा है।' और वह चुप हो गईं।

''यही बात तो मैं आपसे पूंछना चाहता था, बतलाइये मैडम, क्या सब्जैक्ट लूं इन्टर में?'

''जिसमें तुम्हें इंट्रेस्ट हो।' ''मुझे तो मेडिकल में इंट्रेस्ट है। मैडम बायोलोजी लूंगा। '

और मैडम कुछ खो सी गयी फिर कुछ सोचती हुई बोली–''राजू इंटर के बाद पांच साल का कोर्स है– एम.बी.बी.एस. का, क्या सहन कर सकेंगे तुम्हारे पैरेन्ट्स, तुम्हारा यह सब भार?'

''मुझे स्कॉलरशिप जो मिलेगी।' और राजू का भोला मुख और भी भोला हो गया।

''विश यू बेस्ट ऑफ लक' और मैडम चल दी। वह नहीं चाहती थी कि जमीन की सच्चाई बताकर राजू को कोई ''शॉक' लगे। स्कॉलरशिप उसके बजाय एक मास्टर के भाई को मिल गई जो सैकिंड था और राजू की केवल आधी फीस ही माफ की गई।

दृश्य की दूसरी रील आई। इंटर का परीक्षा फल,

''राजू तुम अबकी बार भी फर्स्ट क्लास फर्स्ट हो।' प्रमोद ने कहा झूमते हुए।

''नहीं भाई सैकिंड हूं।

''चलो मान लो, पर यह क्या कम है उस्ताद। किसी भी काम्पीटीशन में बैठोगे टाप करोगे।'

''यह सब ईश्वर की कृपा और आप लोगों के सहयोग का फल है, वर्ना मेरा इतना साहस।' और दोनों हंस पड़े। ''क्यों उस्ताद अगर तुम कोई बड़े अफसर बन गये तो भूल जाओगे यह यारी क्या?''प्रमोद ने राजू को छेड़ते हुए कहा।

''अफसरी और यारी क्या कभी बराबर हो सकती है प्रमोद? '

''कभी नहीं, लेकिन अफसरी मिलने पर दिमाग फिर जाता है।' प्रमोद ने दार्शनिकता से कहा।

''तो मैं फिर अफसरी करूंगा ही नहीं।' राजू बोला।

मनुष्य के दुखद क्षणों में सुखद क्षणों की एक रेखा अपना प्रकाश कहीं न कहीं पर अवश्य कर देती और दुख के उन क्षणों में भी मनुष्य मुस्क. राने पर मजबूर हो जाता है और इसके विपरीत जब वह सुख के क्षणों में सुखद कल्पनाओं की सीढ़ी पर चढ़ता है तो दुख की एक काली रेखा अपना मुंह दिखला देती है और मनुष्य को सुख के क्षणों की याद भुलाकर दुख में डूबना पड़ता है और राजू को एक ''शॉक' लगा। उसकी प्यारी ममतामयी वास्सल्य दायी मां की मृत्यु, उसकी शादी और उसके बंधन। लेकिन फिर भी राजू ने बी.एस.सी में प्रवेश लिया। प्रथम श्रेणी प्राप्त की। लखनऊ जाकर आर्थिक कठिनाईयों की परिस्थिति, पत्नी के व्यंग्य, ससुराल वालों की बेरूखी तथा भाग्य के क्रूर हाथों ने अपनी कुटिलमुष्टिका से उसे निर्बल बना दिया और कर दिया उसकी अतुल बुद्घि राशि का विनाश जिस पर गर्व था उसके गांव वालों को। वह सुचारू रूप से न चला सका अपनी पढ़ाई, इन चिन्ताओं के फेर में और एम.एस.सी. में सैकिंड क्लास ही रह गई उसकी और उसके सारे अरमान भी सैंकिड क्लास की तरह लटकते रह गये।

घर वालों का दबाव, पत्नी का विद्रोह और ससुराल वालों के व्यंग्य, गांव वालों की गिरगिट निगाहें छोटी बहन का जीवन और जलता हुआ पेट, इन सबने मजबूर कर दिया कि वह नौकरी करे। लेकिन विचारों का तांता टूट गया। गजेटेड पोस्ट तो कम्पीटीशन में सिलेक्ट होने पर मिलती है। सर्विस कमीशन की लम्बी–लम्बी फीसें, फिर उनमें तो आज के मंत्रियों, विधायकों के साले और बहनोई ही जा सकते हैं। अगर मुकाबला किया भी तो इन्टरव्यू में गोल कर देंगे? जगह खाली होने से पहले ही रिजर्व हो जाती है। सीटें हैं पर फलां साहब के दामाद के लिये है और वह अमुक साहब के साले के लिये हैं और फिर मैं तो न किसी बड़े आदमी का साला हूं, न बहनोई और न ही दामाद, इसलिये गजटेड पोस्ट की सोचना ही व्यर्थ है। यह सब सोचकर निराश हो गया राजू।

बिजनेस करो तो पैसे को पैसा कमाता है, लेकिन पैसा कहां से आये और फिर क्या पता कि ऊंट किस करवट बैठे। गरीबी में आटा अपने आप ही गीला हो जाता है और इस विचार की जड़ भी न जम सकी।

''कोई दुकान,' राम–राम पहले पगड़ी फिर किराया और दुकान में लागत भी लगाने को चाहिये, यह भी असंभव है तो क्या घास खोंदे? और वह बैचेन हो गया लेकिन अफसोस कि दिल्ली में तो दूर–दूर तक घांस भी दिखाई नहीं देती। पत्थर ही पत्थर। क्या हम घांस खोद सकेंगे? नहीं, वह उस शिक्षा के निकम्मेपन पर सोचने लगा। जिसने उस जैसे कितने ग्रेजुएट्स को निकम्मा बनाकर धक्का दे दिया। हम शारीरिक श्रम नहीं कर सकते। हमें तो शिक्षा ने केवल कागज रंगने वाला रंगरेज बनाया है और पसीना आ गया राजू को।

''तो हम क्या करें चोरी करें, नहीं तो फिर? बाबू बन जायें,' और गूंज उठे उसकी कविता के वह शब्द, जो आज से चार साल पहले उसने कालेज में सुनाई थी और फिर उसके धैर्य का बांध टूट गया और आज के अखबार में देखकर वह एप्लाई कर ही बैठा क्लर्की के लिये। ''हां तो आपने जवाब नहीं दिया मिस्टर राजू ' मैनेजर ने राजू को चिन्तामग्न देखकर कहा। राजू का ध्यान टूट गया। ''मैनेजर साहब मैं नहीं चाहता कि मेरे पेट के साथ–साथ मेरी आत्मा जले। मैं तो केवल घर में चूल्हा जला देखना चाहता हूं और घर में चूल्हा जलने के लिये यह जरूरी है कि मुझे कहीं न कहीं नौकरी मिले।' फिर उसने अपने अंदर की पीड़ा को दबोचते हुए कहा।

''आजकल के पोस्ट ग्रेजुएट्स का कैरियर केवल क्लर्की के लिये ही बना है। अफसरी करने के लिये ऊंची शिक्षा की जरूरत है और सबसे ज्यादा जरूरी है सिफारिश, पहुंच और थैली का खुला हुआ मुंह।' ''ओह! तो यह बात है। ' कुछ प्रभावित होते हुए कहा राजू से मैनेजर ने। मैनेजर साहब, पिछले दिनों नई दिल्ली के कृषि अनुसंधान विश्वविद्यालय के एम.एस.सी. छात्रों ने अभावों और परिस्थितियों से तंग आकर आत्महत्या कर ली। क्या कैरियर बना उनका। क्या यही है हमारे देश में विद्या और गुणों की कद्र, जिस देश में इतना बड़ा स्कॉलर आत्महत्या कर ले, केवल अभावों के कारण उस देश के पोस्टग्रेजुएट्स का कैरियर, इससे अधिक क्या हो सकता है? आये दिन यूनीवर्सिटीज में हड़ताल हो रही है। कई विश्वविद्यालय लगभग बंद होने की कगार पर है। सरकार कहती है कि छात्र उद्दंड हो गये हैं। उधर छात्र कहते हैं शासन अन्यायपूर्ण है और उचित नहीं है। क्या है कारण इन सबका। विश्वविद्यालय के छात्र सोचते हैं आज नहीं तो कल हमें एम्पलायमेंट एक्सचैंजों की झूठी तसल्लियों से पेट भरना होगा। इससे अच्छा तो यह है कि नेता ही बन जायें। अगर कोई चांस एम.पी. का विधायक का आ गया तो पौ भी और बारह भी।' ''क्या यही है कैरियर मैनेजर साहब? इससे तो यही बेहतर है कि आंख के अंधे और कान के बहरे और मुंह से गूंगे होकर शांति से क्लर्की करके अपना और अपने परिवार का पेट भरा जाय।' और उसने एक प्रश्नसूचक दृष्टि डाली मैनेजर पर। ''राजू तुम रियली जीनियस हो।

हम तुम्हें अपनी फर्म में नौकरी देने को तैयार है मगर तनख्वाह का.....'और मैनेजर रूक गया। वह पढऩा चाहता था कि राजू के मुंह पर क्या लिखा है। ''सच! ओह, थैंक्स मैनेजर साहब। आप केवल एक क्लर्क की उचित तनख्वाह ही दीजिए। क्या यह कम खुशी की बात है कि आपने मुझे इस काबिल समझा। और राजू कुर्सी पर संभलकर बैठ गया। राजू सोचने लगा कि छोटी–छोटी ट्यूशनों के लिये दिन–रात एक करने से तो एक जगह काम करना ज्यादा अच्छा है, और उसके मुंह से निकल गया–''ओ.के सर।' ''अच्छा तो कल से ही काम पर आ जाओ। सुबह दस बजे आना है। और मैनेजर उठ गया। और वह सोचने लगा एम्पलायमेन्ट एक्सचेंजों की खाक छानने से तो यह अच्छा ही रहेगा। और वह नमस्ते कहकर कमरे से बाहर निकल गया।

मैनेजर खुश था कि क्लर्की की तनख्वाह में एम. एस.सी.पास लड़का मिल गया और राजू सोच रहा था कि चलो पेट की ज्वाला तो बुझ जायेगी। और वह सोचने लगा लोग क्लर्क को बड़ी नफरत की निगाह से देखते हैं। और बाबूजी कहकर उपहास करते हैं।

मानो वह क्लर्की नहीं कर रहे कोई गुनाह कर रहे हो। और राजू दुनिया की तंगदिली और संगदिली पर मुस्करा दिया। आप ही बतायें ऐसे समय में क्लर्क होकर हमने क्या कोई गुनाह किया है, जो लोग हमें उपेक्षा से देखते हैं।

ट्राई ने दूरसंचार सेवा लाइसेंसधारकों के बीच बुनियादी ढांचा साझा करने की सिफारिश की

नयी दिल्ली, (भाषा) दूरसंचार नियामक ट्राई ने बुधवार को दूरसंचार सेवा लाइसेंसधारकों को उनके स्वामित्व एवं संचालन वाले भवनों, टावर, विद्युत उपकरण और डार्क फाइबर सहित निष्क्रिय बुनियादी ढांचे को सभी तरह के दूरसंचार सेवा लाइसेंसधारकों के साथ साझा करने की मंजूरी देने की सिफारिश की। भारतीय दूरसंचाक नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी अनुशंसा में कहा है कि दूरसंचार सेवा लाइसेंसधारकों को उनकी सेवाओं के दायरे के अनुरूप अन्य दूरसंचार सेवा लाइसेंसधारकों के साथ सभी तरह के सक्रिय बुनियादी ढांचे को भी साझा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। ये सिफारिशें बुधवार को जारी 'टेलीकम्युनिकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर शेयरिंग, स्पेक्ट्रम शेयरिंग और स्पेक्ट्रम लीजिंग' पर दूरसंचार नियामक के विचारों का हिस्सा हैं। ट्राई ने कहा है कि सिफारिशों के कार्यान्वयन से दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को लागत दक्षता सुधारने में मदद मिलेगी। यह दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को बेहतर गुणवत्ता वाली सेवा और व्यापक कवरेज प्रदान करने में भी सक्षम बनाएगा। देश में फिलहाल केवल स्पेक्ट्रम लेनदेन और इंट्रा–बैंड स्पेक्ट्रम साझा करने की ही अनुमति है। दुर्लभ स्पेक्ट्रम के अधिक कुशल इस्तेमाल के लिए नियामक ने कहा कि 'स्पेक्ट्रम लीजिंग' और 'इंटर–बैंड स्पेक्ट्रम शेयरिंग' की भी अनुमति दी जानी चाहिए।

कोटक बैंक की प्रवर्तक फर्म ने भाजपा को 60 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड दिए थे

नयी दिल्ली, (भाषा) निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक के प्रवर्तकों में शामिल इनफिना फाइनेंस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 60 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड दान किए थे। कोटक महिंद्रा बैंक इस समय रिजर्व बैंक की नियामकीय कार्रवाई का सामना कर रहा है। केंद्रीय बैंक ने उसे नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोक दिया है। कोटक परिवार के स्वामित्व वाली फर्म इनफिना फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक के प्रवर्तक समूह की संस्थाओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध है। हालांकि, उसके पास निजी क्षेत्र के बैंक में कोई शेयर नहीं है। बीएसई के पास उपलब्ध शेयरधारिता के आंकड़ों के मुताबिक, मार्च 2024 तक, प्रवर्तक और प्रवर्तक समूह की संस्थाओं के पास कोटक महिंद्रा बैंक की 25.89 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। संस्थापक उदय कोटक 25.71 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ कोटक महिंद्रा बैंक के प्रवर्तक और सबसे बड़े एकल शेयरधारक हैं। शेष 0.18 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रवर्तक समूह की अन्य संस्थाओं के पास है।

मुंबई स्थित इनफिना फाइनेंस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 60 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड दिए थे। आरबीआई के पास पंजीकृत गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनी इनफिना ने 2022–23 में 105.55 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने और नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। बैंकिंग नियामक ने ऋणदाता के आईटी जोखिम प्रबंधन में गंभीर खामियां पाई हैं।

इन्वेस्को इंडिया, सीईओ, अन्य ने सेबी को पांच करोड़ रुपये देकर मामले का निपटान किया

नयी दिल्ली, (भाषा) इन्वेस्को एसेट मैनेजमेंट इंडिया, इसके सीईओ सौरभ नानावटी और चार अन्य ने बुधवार को बाजार नियामक सेबी के साथ नियामकीय उल्लंघन के एक मामले का निपटारा किया। कंपनी की म्यूचुअल फंड गतिविधियों और पोर्टफोलियो प्रबंधन गतिविधियों के बीच कथित गैर–अलगाव पर सेबी के साथ इस मामले को सुलझाने के लिए लगभग पांच करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।मामला सुलझाने वाले चार अन्य लोगों में सुजॉय दास, नीतीश सिकंद, कृष्णा चीमलपति और सुरेश जाखोटिया हैं। इस मामले में तथ्यों के निष्कर्षों और कानून के निष्कर्षों को स्वीकार या अस्वीकार किए बिना लंबित कार्यवाही को निपटाने का प्रस्ताव दिया गया था। छह पक्षों के एक साथ 4.98 करोड़ रुपये का भुगतान करने के बाद भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक निपटान आदेश पारित किया।

भारत जैसे–जैसे विकसित होगा, उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या कम होती जाएगी : आरबीआई एमपीसी सदस्य

नयी दिल्ली, (भाषा) आरबीआई मौद्रिक नीति समिति की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा कि भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या भविष्य में ''कम गंभीर'' होगी, क्योंकि विविध स्रोतों के साथ आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट खाद्य पदार्थों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से निपटने में मदद कर सकती हैं। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए गोयल ने कहा कि नीति के कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''जैसे–जैसे भारत विकसित होगा, इस समस्या (उच्च खाद्य मुद्रास्फीति) की गंभीरता कई कारणों से कम होती जाएगी। विविध स्रोतों वाली आधुनिक आपूर्ति शृंखलाएं विशिष्ट वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनसे निपटने में मदद करेंगी।'' गोयल ने कहा कि किसी ने भी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में टमाटर या प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा, '' हमारे पास स्वाभाविक रूप से विविध भौगोलिक क्षेत्र हैं, विभिन्न क्षेत्रों से बेहतर एकीकृत बाजार जलवायु परिवर्तन से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकते हैं।'' आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होना रहा। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि मुद्रास्फीति 2024–25 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह 2023–24 में 5.4 प्रतिशत और 2022–23 में 6.7 प्रतिशत थी।

एफएसएसएआई नेस्ले के शिशु आहार सेरेलैक के नमूने एकत्र कर रहा है: सीईओ

नयी दिल्ली, (भाषा) खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह नेस्ले के शिशु आहार सेरेलैक के पूरे भारत से नमूने एकत्र कर रहा है। हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि कंपनी उत्पाद में अधिक चीनी डाल रही है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जी. कमला वर्धन राव ने खाद्य सुदृढ़ीकरण पर एसोचैम के एक कार्यक्रम के मौके पर 'पीटीआई–भाषा' के साथ बातचीत में कहा, '' हम देश भर से (नेस्ले के सेरेलैक शिशु आहार के) नमूने एकत्र कर रहे हैं। प्रक्रिया पूरी होने में 15–20 दिन लगेंगे।'' भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है। स्विट्जरलैंड के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क' (आईबीएफएएन) ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया कि नेस्ले ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न देशों में बेचे जाने वाले करीब 150 विभिन्न शिशु उत्पादों का अध्ययन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, छह महीने के बच्चों के लिए नेस्ले का गेहूं आधारित उत्पाद 'सेरेलैक' ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है, लेकिन भारत से विश्लेषण किए गए 15 सेरेलैक उत्पादों में एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। हालांकि, नेस्ले इंडिया ने दावा किया कि उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु आहार उत्पादों में चीनी में 30 प्रतिशत तक की कमी की है। इससे पहले, एसोचैम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एफएसएसएआई के सीईओ ने मानव स्वास्थ्य के लिए खाद्य सुदृढ़ीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला और आहार में मोटा अनाज आदि शामिल करने का आह्वान किया। सीईओ ने इस अवसर पर एसोचैम की रिपोर्ट 'फोर्टिफाइंग इंडियाज फ्यूचरः सिग्नेचर ऑफ फूड फोर्टिफिकेशन एंड न्यूट्रिशन' का भी अनावरण किया।

2023 में 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने को हुए मजबूर, गाजा में भीषण अकाल : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र, (एपी) वर्ष 2023 में 59 देशों के करीब 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने को मजबूर हुए और युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र (संरा) ने बुधवार को 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' में इसकी जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.4 करोड़ से अधिक लोगों को खाद्य सामग्री की भारी कमी से जूझना पड़ा, जिसकी वजह विशेषतौर पर गाजा पट्टी और सूडान में खाद्य सुरक्षा के बिगड़े हालात थे। खाद्य संकट वाले देशों की संख्या में भी वृद्धि हुई, जिनकी निगरानी की जा रही है। संरा के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भूख का एक पैमाना तय किया है।

आईजीएक्स के मंच पर छोटे पैमाने के एलएनजी अनुबंध की पेशकश

नयी दिल्ली, (भाषा) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) से मंजूरी मिलने के बाद इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) ने अपने मंच पर छोटे पैमाने पर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एसएसएलएनजी) के लिए अनुबंध जारी किए हैं। इससे राष्ट्रीय गैस ग्रिड से नहीं जुड़े क्षेत्रों में ईंधन की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। आईजीएक्स ने एक बयान में कहा, ष्आईजीएक्स पर एसएसएलएनजी अनुबंधों की शुरूआत का उद्देश्य उन उद्योगों और शहरी गैस वितरण (सीजीडी) कंपनियों की तरफ से आ रही बढ़ती गैस मांग को पूरा करना है जिनकी पाइपलाइन नेटवर्क तक पहुंच नहीं है।ष एसएसएलएनजी के माध्यम से ये कंपनियां अब दैनिक, पाक्षिक और मासिक अनुबंध के तहत प्रतिस्पर्धी दरों पर एलएनजी टैंकरों के माध्यम से तरलीकृत गैस खरीद सकती हैं। शुरुआत में यह अनुबंध गुजरात के दहेज और हजीरा एलएनजी टर्मिनलों पर शुरू किया गया है। बाद में इसे ओडिशा में धामरा, गुजरात में मुंद्रा, तमिलनाडु में एन्नोर, केरल में कोच्चि और विजयपुर में एसएस–एलएनजी स्टेशनों पर भी शुरू किया जाएगा। देश में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति मुख्य रूप से पाइपलाइनों के जरिये की जाती है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय गैस ग्रिड तक पहुंच न रखने वाले उद्योगों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को एलएनजी परिवहन के लिए ट्रकों पर निर्भर रहना पड़ता है।

अगले पांच वर्षों में सड़क–परिवहन एलएनजी की मांग बढ़कर 50 लाख मानक घन मीटर प्रतिदिन हो जाने का अनुमान है। पीएनजीआरबी के सदस्य अंजनी कुमार तिवारी ने अनुबंध की पेशकश पर कहा, ष्हमने आईजीएक्स को अपने मंच पर एसएसएलएनजी अनुबंध लाने की मंजूरी दी है। हम वर्तमान नियमों का भी लगातार मूल्यांकन करेंगे और चुनौतियों से निपटने में उद्योग का समर्थन करने के लिए जरूरी संशोधन करेंगे। इस अवसर पर इंडियन गैस एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजेश के मेदिरत्ता ने कहा, एसएसएलएनजी अनुबंधों की शुरूआत इस क्षेत्र में खालीपन की भरपाई के लिए है। हमारी पहल शहर के गैस वितरण नेटवर्क, उद्योगों और एलएनजी डिस्पेंसरों को प्रतिस्पर्धी गैस मूल्य निर्धारण प्रदान करेगी।

हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज 779 करोड़ रुपये में प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज का करेगी अधिग्रहण

नयी दिल्ली, (भाषा) आईटी कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड कुल 9.45 करोड़ अमेरिकी डॉलर (779 करोड़ रुपये) में प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने 779 करोड़ रुपये की कुल खरीद पर प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी हासिल करने के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। हैप्पीएस्ट माइंड्स के कार्यकारी चेयरमैन अशोक सूता ने एक बयान में कहा, '' हैप्पीएस्ट माइंड्स परिवार में प्योरसॉफ्टवेयर दल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है...'' इस अधिग्रहण के जरिए हैप्पीएस्ट माइंड्स का लक्ष्य बीएफएसआई और स्वास्थ्य सेवा व जीवन विज्ञान क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करना है। प्योरसॉफ्टवेयर का नोएडा में मुख्यालय है और इसकी वैश्विक स्तर पर उपस्थिति है। यह केंद्रित क्षेत्रों में वैश्विक उद्यमों के साथ साझेदारी करता है जिसमें बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाएं व बीमा (बीएफएसआई), स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान, खुदरा तथा रसद के साथ ही गेमिंग और मनोरंजन शामिल हैं।

वोडाफोन–आइडिया का 18,000 करोड़ रुपये जुटाना कंपनी में ''नई जान फूंकने'' जैसा:कुमार मंगलम बिड़ला

मुंबई, (भाषा) आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वोडाफोन–आइडिया का 18,000 करोड़ रुपये जुटाना कंपनी में ''नई जान फूंकने'' जैसा है। कंपनी भारी प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहकों को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। बिड़ला ने अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के सूचीबद्ध कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि कंपनी अपने नेटवर्क को बढ़ाने और चुनिंदा 5जी सेवाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या पूंजी जुटाने से कंपनी की ज्यादातर समस्याएं सुलझ जाएंगी बिड़ला ने ''हां'' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, '' यह कंपनी में एक तरह से नई जान फूंकने जैसा होगा।'' हालांकि, बिड़ला ने इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बेचने की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

विदेशी सूचीबद्धता पर आरबीआई ने संशोधित फेमा नियमों को अधिसूचित किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय कंपनियों के शेयरों की खरीद से संबंधित फेमा नियमों में संशोधनों को अधिसूचित कर दिया है। इसके साथ केंद्रीय बैंक ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन (भारत में निवासी व्यक्ति के विदेशी मुद्रा खाते) विनियमों में संशोधनों को भी अधिसूचित किया है। सरकार ने जनवरी में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए भारतीय कंपनियों को गिफ्ट आईएफएससी के अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर प्रतिभूतियों को सीधे सूचीबद्ध करने की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन (गैर–ऋण उपकरण) नियमों में संशोधन किया और अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर भारत में निगमित कंपनियों के इक्विटी शेयरों की प्रत्यक्ष सूचीबद्धता को अधिसूचित किया। इसके अलावा, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कंपनी (अनुमेय क्षेत्राधिकार में इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करना) नियम, 2024 जारी किए हैं। पिछले साल 28 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले चरण में गिफ्ट–आईएफएससी एक्सचेंज में भारतीय कंपनियों को सीधे सूचीबद्ध किए जाने की घोषणा की थी।

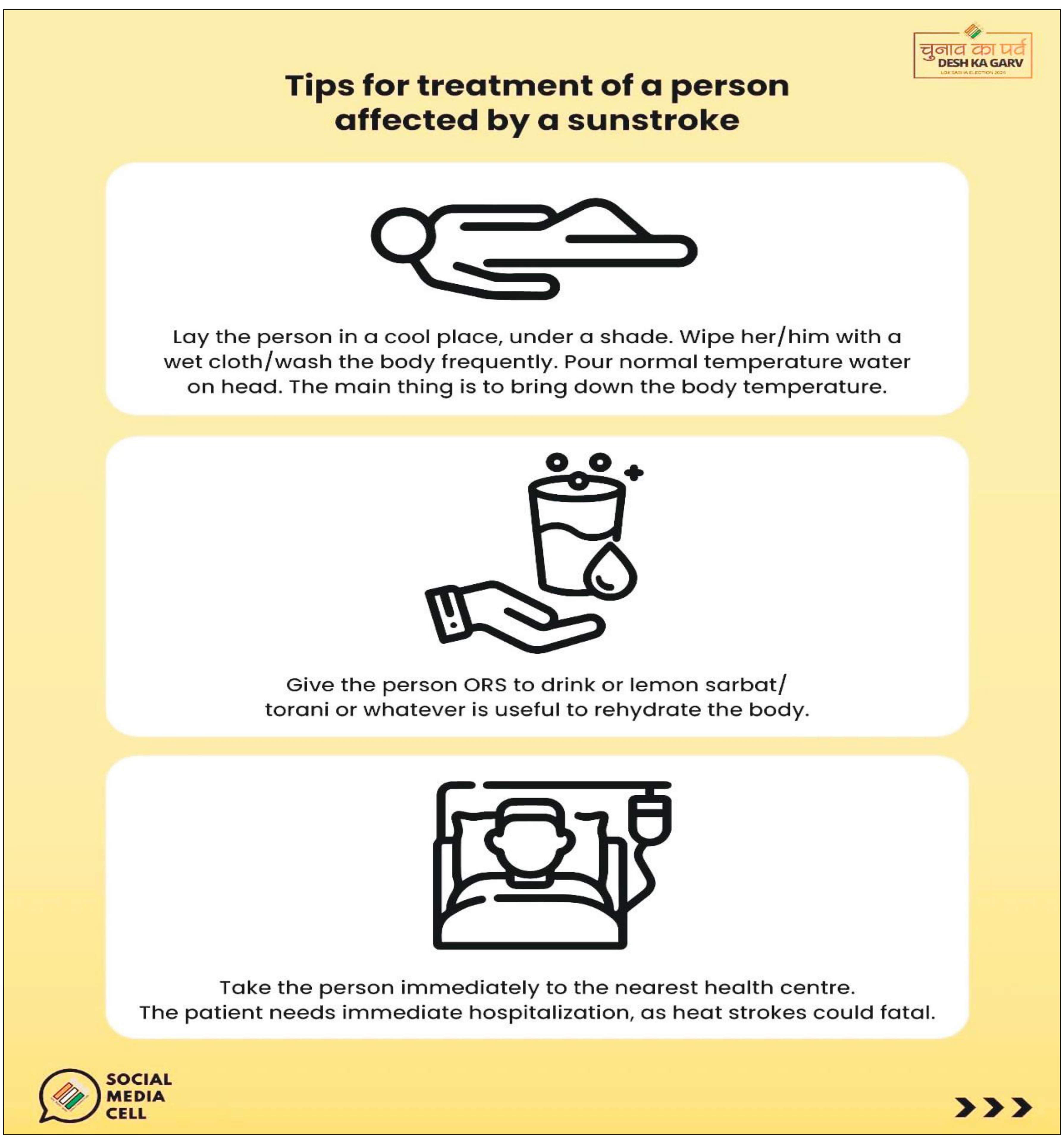

REC Limited avails SACE-Covered Green Loan for 60.5 Billion Japanese Yen

New Delhi, Focus News: In a significant step towards sustainable development in India, REC Limited, a Maharatna Central Public Sector Enterprise and leading NBFC under the Ministry of Power, has successfully availed a Green Loan of Japanese Yen (JPY) 60.536 billion to finance eligible green projects in India. The green loan facility benefits from an 80% guarantee by Italian Export Credit Agency, SACE (Italy) under their innovative Push Strategy programme. The arrangement between SACE and REC is a breakthrough and a first-of-its-kind collaboration between an Indian government entity and SACE. The green loan facility sets a benchmark in the Indian public sector landscape, for similar green financing transactions, highlighting a growing commitment to sustainable financing. The facility also marks SACE's first JPY-denominated loan transaction and first green loan transaction in India. The Green Loan has loan participation from banks across Asia, USA and Europe, namely Crédit Agricole Corporate and Investment Bank, Bank of America, Citibank, KfW IPEX-Bank and Sumitomo Mitsui Banking Corporation as Mandated Lead Arrangers. Crédit Agricole Corporate and Investment Bank would be acting as the Export Credit Agency Coordinator, Green Loan Coordinator, Documentation Bank and Facility Agent. The loan facility is a strategic investment for REC Limited, which reinforces its commitment to foster sustainable growth, in alignment with the company's Green Finance Framework. The green loan demonstrates the dedication of REC and its partners in supporting projects which meet rigorous environmental standards, promote renewable energy and contribute to reducing carbon emissions throughout India. Additionally, it also reflects the growing momentum towards green financing and the collective efforts of stakeholders to address environmental challenges.

Commenting on the collaboration, Chairperson & Managing Director, REC, Shri Vivek Kumar Dewangan said: "The successful transaction in this truly global facility is anticipated to pave way for more such collaborations, further enhancing Indo-Italian business relationships in green energy financing and sustainable projects. It will also help boost the global community's support for sustainable development projects in India."

Head of SACE – India & South Asia Shri Gautam Bhansali commented: "SACE is proud to partner with REC for this 'Green Push Strategy' transaction, which is an innovative and first-in-its-kind structure being executed in India. Through this facility, SACE is committed to support projects in renewable energy, green mobility and energy efficiency, enabling sustainable long-term growth in India."

Senior Country Officer for India, Crédit Agricole Corporate and Investment Bank, Mr. Franck Passillier said: "The transaction exemplifies Crédit Agricole Corporate and Investment Bank's unwavering dedication to fostering sustainable development, in line with our Bank's leading position in global sustainable finance for more than a decade. Our strategic collaboration with REC underscores our steadfast commitment to advancing environmentally responsible initiatives and promoting the growth of sustainable financing within India's promising market."

Conflicted Coexistence by Author and Wild Life Photographer Sunil Gadhoke

New Delhi, Focus News: It is a privilege to see a tiger in the wild. One of the most remarkable animals has been saved from extinction, for now. With a marginal improvement in tiger numbers over the last 5 decades, we find ourselves at a crossroad, where the relentless march of economic progress intersects with the imperative of ecological stewardship. It's a delicate balancing act where complacency is a luxury we cannot afford. The conflict between rapid urbanization and wildlife conservation underscores a fundamental challenge facing modern societies. Preserving biodiversity and allowing wildlife to thrive is not just an ecological concern but a crucial strategy to mitigate impacts of global warming, greenhouse emissions, and climate change. Yet, our conservation efforts face formidable obstacles as human settlements encroach upon wildlife territories, leading to frequent and often deadly instances of human-wildlife conflict.

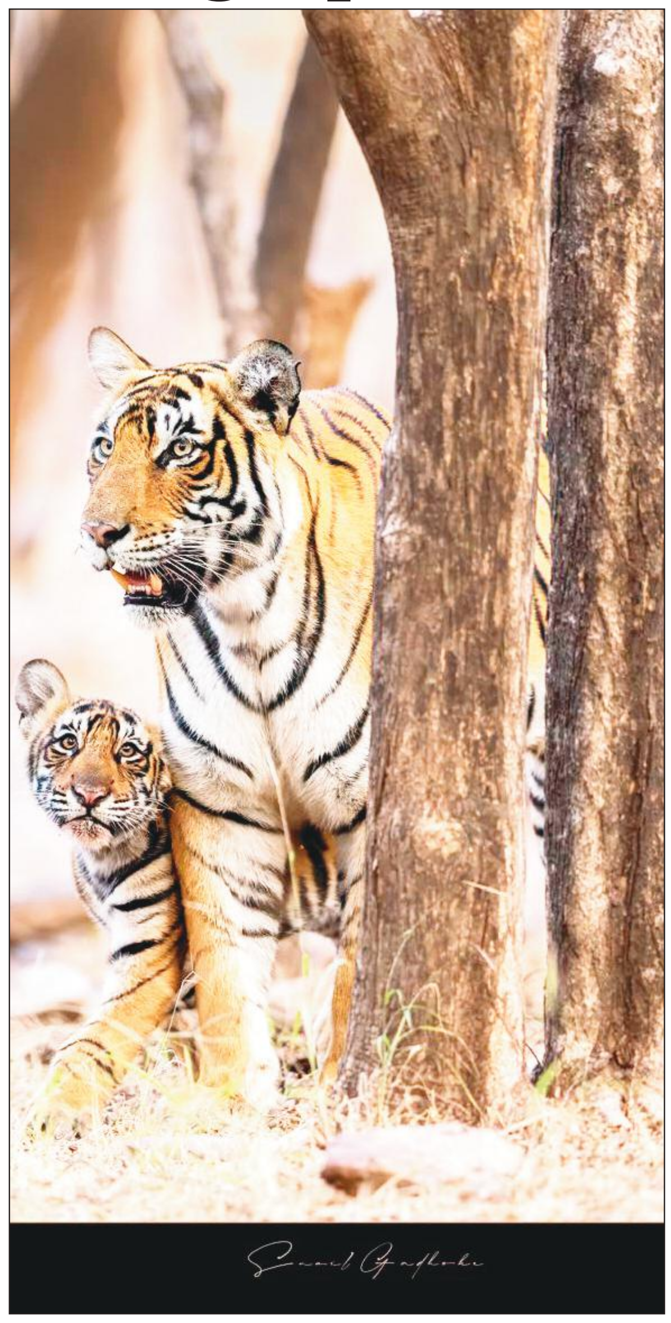

Significantly contributing to this conflict is the proliferation of free ranging dogs, an effect exacerbated by policies such as the Animal Birth Control (Dogs) Rules of 2001/2023. These dogs pose a threat to both wildlife and human communities. Not only do they prey upon wildlife, disrupting the delicate balance of the ecosystem, but they also serve as carriers of deadly diseases such as Canine Distemper Virus (CDV), rabies and a host of other diseases. The unchecked growth of domestic dog populations within and around protected areas not only endangers prey species but also puts carnivores like tigers, lions and leopards at serious risk. Camera trap surveys reveal that in some reserves, more dogs are captured on film than tigers, underscoring the severity of the issue.

The interspecies transmission of diseases like CDV presents a grave risk to wildlife populations, as evidenced by devastating outbreaks in Africa and India. Dogs transmit diseases to Hyenas and jackals, common inhabitants of buffer zones that act as vectors for disease transmission, further imperiling species like tigers. The ecological ramifications of CDV are profound, threatening the stability of already vulnerable big cat populations. Although tigers are a resilient species, human-induced threats have wiped them to localised extinction in the Sariska and Panna tiger reserve in 2004 and 2009 respectively. The lessons learned from these extinctions are hard-earned and must not be overlooked. These crises were not solely the result of threats like poaching, but rather a result of systemic failures in understanding and managing tiger ecology. It has been scientifically established from these extinctions that even small disruptions due to unnecessary tiger mortality had an extremely serious impact on the population, which never recovered afterward (Chandawat, The Rise and Fall of Emerald Tiger, 2018).

Unnatural mortality in a breeding population, specially in small isolated populations (common in India), due to the spread of a disease can potentially wipe out a population in a short period of time. As this article seeks to warn, the crisis looming on the horizon is a direct result of the NTCA notifying in 2020 the ABC Rules to apply in the forests despite empirical evidence i.e camera trap captures, loss of Gir lions and well documented impact of the threat globally. In short allowing the ABC rules to manage feral and stray dogs in and around tiger reserves could spell doom for tigers. With the benefit of hindsight, we can confidently predict that if this menace is left unchecked, their numbers in the forest could grow many times as they have in the rest of the landscape potentially spelling doom for conservation efforts directed towards the tiger, other big cats and biodiversity as a whole. India's laws, policy thrust, conservation strategies, biodiversity conservation programs and landscape restoration programs appear to be at serious risk of disruption from this single invasive animal menace. India will not only lose its precious heritage but will also end up a case study showcasing the failure of our conservation fabric due to bad policy.

Addressing this complex issue requires a paradigm shift in our conservation strategies. A zero-tolerance policy towards feral dogs within and around critical habitats and buffer zones is imperative. This policy should encompass a range of measures, including the suspension of Animal Birth Control rules, responsible ownership near PAs, the systematic capture and euthanization of feral dogs, increased monitoring and testing for diseases, and swift and effective remedial action when disease spread is detected. Moreover, there is an urgent need for a comprehensive review of existing policies and the implementation of robust mechanisms to eradicate this menace from the landscape. In conclusion, the paper advocates for a holistic approach to conservation that strikes a balance between economic development and the preservation of our natural heritage. By addressing human-induced factors and rectifying policy shortcomings, we can ensure the long-term survival of not just the tiger but the entire ecosystem upon which our survival depends. Only through informed, science-based interventions can we safeguard our biodiversity for future generations. It is a daunting task, but one that we must undertake with unwavering determination and collective action at a national scale.

Bhutani launches mob App of Bhartiya Beej Sah Samiti (BBSSL)

New Delhi, Union Ministry of Cooperation Secretary Ashish Bhutani launched a mobile app of Bhartiya Beej Sahkari Samiti Limited (BBSSL). The mobile application is exclusively dedicated to process and grant of membership; it can be downloaded from google play store, which can also provide membership status. The BBSSL app is serving as a one-stop platform for cooperatives to access BBSSL info and apply for share membership, making the process more accessible and efficient. Prior to launching the mobile app, Bhutani also chaired a meeting with BBSSL Chairman Yogendra Kumar and reviewed the progress of the activities of the newly formed National Seed Cooperative Society.

SCO Defence Ministers' Meeting in Kazakhstan endorses 'One Earth, One Family, One Future'

New Delhi, Focus News: Defence Secretary Shri Giridhar Aramane participated in the Shanghai Cooperation Organisation (SCO) Defence Ministers' meeting in Astana, Kazakhstan on April 26, 2024. During the meeting, a protocol was signed by the Defence Ministers of all SCO Member States. A Joint Communique was issued after the meeting, in which the SCO Defence Ministers agreed, amongst other initiatives, to developing the idea of 'One Earth, One Family, One Future', which is rooted in the ancient Indian philosophy of 'Vasudhaiva Kutumbakam'. At the meeting, the Defence Secretary reiterated India's steadfast commitment towards maintaining peace, stability and security in the SCO region. He emphasised the need to adopt a zero-tolerance approach towards terrorism in all its forms for prosperity and development of the SCO Member States. Shri Giridhar Aramane mentioned about India's long-standing proposal of Comprehensive Convention on International Terrorism at the United Nations. He also highlighted the concept of 'Security and Growth for All in the Region (SAGAR)', proposed by India for the Indo-Pacific.

Collaboration with multiple agencies helping us rein in illicit trade: DGP, Mizoram

New Delhi, Focus News: Highlighting the effective role of recent collaborations with multiple enforcement agencies in tackling illicit trade, Mr Anil Shukla, Director General of Police, Mizoram, yesterday said that there remains ample room for enhancing capacities. Addressing the 'In Conversation Series' organised by FICCI CASCADE (Committee Against Smuggling and Counterfeiting Activities Destroying the Economy), Mr Shukla, said, "We have established fruitful collaborations with multiple agencies, including the Assam Police, BSF, Narcotics Departments, and the Customs Department. While these partnerships have been valuable, there remains ample room for enhancing our capacities further. I am eagerly anticipating FICCI CASCADE's initiative to organise and facilitate such a platform for our officers, which will undoubtedly contribute to our ongoing endeavours in combating illicit trade effectively. The most important or worrisome aspect of smuggling is the movement of drugs in the form of high-quality heroin, ganja and meth. The drug trade has been escalating nearly every year. In 2023, drug seizures amounted to a value of Rs 190 crore."

Shukla further emphasised that the Indo-Myanmar border presents a significant challenge due to its porous nature, lacking fences and characterised by vast rugged and riverine terrain. Situated within the Golden Triangle, Mizoram experiences substantial trafficking of drugs and contraband. Moreover, the region grapples with the smuggling of areca nut, foreign cigarettes and the illicit trade in exotic animals, he highlighted. He delved into the landscape of counterfeiting and smuggling within North-East India, with a specific focus on Mizoram, highlighting the associated challenges.

Mr Shukla outlined potential strategies to combat this issue, emphasising the importance of a community-centric approach and the enhancement of enforcement and investigative mechanisms. He also welcomed the proposal of a capacity building exercise that can be organised by FICCI CASCADE for the Mizoram Police to bolster the efforts in tackling these threats effectively. Regarding potential solutions to the smuggling problem, Mr Shukla emphasised that while there may not be ready-made solutions, investing in intelligence gathering and cultivating sources is imperative. He stressed the importance of establishing a network of individuals who possess a deep understanding of local intricacies and terrain. He also advocated for a collaborative approach involving the entirety of society, asserting that a 'whole of community' strategy would be more effective in addressing the issue comprehensively. Deep Chand, Former Special Commissioner, Delhi Police and Advisor, FICCI CASCADE, said, "Illicit trade remains a significant challenge in our country, with counterfeit goods and smuggling activities posing serious threats to our economy and public welfare. As we strive to safeguard the integrity of our markets and protect consumers, the role of law enforcement, particularly the police, becomes paramount. However, it is imperative to recognise that criminal syndicates are becoming increasingly sophisticated in their operations, exploiting loopholes in our systems and utilizing technology to evade detection. FICCI CASCADE has been actively offering capacity-building training sessions to judicial officers, customs officers, and state police officers. We are dedicated to enhancing the skills and knowledge of law enforcement personnel, and we would be delighted to extend our training programs to the Mizoram Police as well. By providing such enablement and training, we aim to equip officers with the tools and expertise necessary to effectively combat illicit trade activities within their jurisdictions." FICCI CASCADE has been over the years working closely with government, industry, enforcement officials, legal fraternity, consumer organizations and the youth to create awareness on the adverse impact of the problem of counterfeiting and smuggling. One of FICCI CASCADE's mandate is capacity building of law enforcement agencies, and it has worked extensively and intensively in this area; organizing training programmes for police officers across India and interactions with the law enforcement authorities to emphasize on the importance of awareness and seriousness of the impact of counterfeit and smuggled goods.

Hardayal Prasad is new MD and CEO of Srei Infra Finance

Kolkata, Focus News: Under the new management of the state-owned National Asset Reconstruction Company Limited (NARCL), Srei Infrastructure Finance Limited (SIFL) on Tuesday announced the appointment of Hardayal Prasad as its new Managing Director and CEO. Prasad, with 36 years of experience, is a former Managing Director & CEO of SBI Cards & Payment Services Ltd and PNB Housing Finance Ltd, a company statement said. The Kolkata-based Kanorias previously controlled the twin companies of SIFL and Srei Equipment Finance Company till RBI superseded their boards over alleged mismanagement in October 2021 and subsequently initiated IBC proceedings. However, NARCL successfully acquired the companies under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) initiated by RBI to resolve over Rs 32,000 crore debt of the NBFCs.

Srei began its journey in 1989 as an asset financing NBFC, with Hemant Kanoria as the key face of SIFL. According to the resolution plan, the new management will continue to grow SIFL, while it will wind up Srei Equipment once the company completes the recovery of its dues from the market. A company statement said that under Prasad's leadership, SIFL plans to re-enter the construction & mining equipment financing industry to cater to the needs of the segment. "Srei had been a prominent contributor to the Construction & Mining Equipment (CME) financing space. Now, with the completion of the resolution process, we are confident of re-establishing SIFL as a significant contributor in the industry and enabling customers with financing solutions across the life cycle of the Construction & Mining Equipment in the near future," said the SIFL MD & CEO.

Global Science & Economic Exchange Forum Dubai: A Grand Success

New Delhi, Focus News: The Global Science & Economic Exchange Forum Dubai was held on 23rd April 2024, in the vibrant city of Dubai. This significant event was organized by GTTCI VN and showcased an array of international awards while providing a platform for discussions and exchanges between members from India and Dubai. The chief guest for the event was His Highness Shaikh Saqr Majed Salem Mohammed Alqasimi, whose presence added a touch of grandeur to the occasion. The forum attracted notable figures, including Dr. Gaurav Gupta, the founder of GTTCI, who played an instrumental role in making the event a success.A highlight of the forum was the felicitation of various GTTCI members with international awards. These members included Dr. Rashmi Saluja , Dr. Jaspreet Singh Bindra, Adv. Rajiv Tuli, Dr. Pawan Kansal, Mr. Richi Bansal, Dr. BU Abdullah, Mr. Pankaj Aggarwal, and Mr. Hanumana Prasad. Their remarkable contributions were recognized and celebrated during the event. The forum also had a special guest appearance by Mr. Jagdish Sarda, Ms. Reena Mehrotra, and actress Shivani Sharma, who brought an additional layer of charm and appeal to the event. Overall, the Global Science & Economic Exchange Forum Dubai was a remarkable event that not only facilitated knowledge exchange but also celebrated the achievements of its esteemed participants. The success of the event marks a positive step forward in fostering international collaboration and recognition in the fields of science and economics.

Intellectual Property addresses all components of Viksit Bharat, we must look at the social impact along with economic: Himani Pande IAS

New Delhi, Focus News: "Viksit Bharat 2047 is about empowering people, a thriving economy, a prosperous India and a sustainable India. IP addresses all components of Viksit Bharat and Atmanirbhar Bharat. However, technology does not address every problem that we face today. We have to also think of the social impact our work has and not just focus on the economics, said Ms. Himani Pande Additional Secretary – Department for Promotion of Industry and Internal Trade, Ministry of Commerce and Industry, Govt. of India at ASSOCHAM's 2nd IP Leadership Summit and Awards. The introduction of biometrics in the PDS system has reduced pilferage through ghost beneficiaries and made ration accessible across the country. It does not however solve all problems making it important to build in civic attention into innovations and IP. Just two percent of IP Grants are commercialised, and we are in the process of framing the IP financing framework to increase that number not just for the economics but also for the societal benefits." said Ms. Himani Pande Additional Secretary, DPIIT, Ministry of Commerce and Industry, Govt. of India.

Prof. (Dr) Unnat P. Pandit Controller General of Patents, Designs & Trademarks (CGPDTM), Govt. of India, said "IP and innovation plays a crucial role in driving development and we are working to ensure that we offer IP driven solutions that are developed, deployed and commercially utilized. The country needs to strengthen its IP position. Year on year we are witnessing a growth in in IP filings. In FY 2023-2024, we have 90,300 patent filing which highlights the confidence of researchers in the Indian economy. There is enough traction on not just development of a science or technology but equally on protection." Pravin Anand, Chairperson ASSOCHAM IPR Council and Managing Partner, Anand and Anand, said, "IP balances the old and the new, and values science as well as arts. Traditional knowledge has now been incorporated in the world of IP. Geographical indications and well known trademarks relies upon long usage and base their strength on what is old. There have been tremendous changes in the intellectual property in the past years. The need of the hour is to join hands in strengthening the IP law."

Setting the context at the summit, Dr. Hemang Shah, Co-Chairperson ASSOCHAM IPR Council, India Engineering Lead, Qualcomm said, "We are witnessing a major rise of IP contributors in the country, large companies, domestic filers, start-ups, research and educational institutions. Looking at all the metrics, we have the right building blocks for a Viksit Bharat by 2047. But to achieve that we have to make meaningful progress in terms of innovation and execution."

Strand Life Sciences Develops Prenatal Genomic Diagnostics Portfolio

Bengaluru, Strand Life Sciences, a subsidiary of Reliance Industries Ltd., and a leading global provider of genomic and bioinformatic solutions, proudly announces its prenatal screening and diagnostics portfolio with two breakthrough technologies: CNSeq (for identification of aneuploidies and copy number variations) and MaatriSeq (Non-Invasive Prenatal Screening). These innovations are tailored to the specific needs of the Indian community, offering unparalleled efficiency, cost-effectiveness, and accuracy. CNSeq brings the latest Next Generation Sequencing technology to an important prenatal test marking a significant leap forward in prenatal diagnostics. Leveraging proprietary software, CNSeq delivers unmatched precision in identifying Copy Number Variations (CNVs), outperforming traditional cytogenetic and molecular techniques. MaatriSeq is the first Non-Invasive Prenatal Screening (NIPS) solution to be validated on the latest high throughput Illumina ® NovaSeqTM X Plus sequencing platform to deliver a highly accurate and cost-effective solution making it accessible to a wider community in India. MaatriSeq exhibits exceptional sensitivity and specificity in identifying fetal chromosomal abnormalities, surpassing other existing techniques. These advanced tests developed by Strand Life Sciences are based on a genomic analysis pipeline specifically developed and validated on Indian samples and conditions. "Strand is at the forefront of advanced genomic solutions and continues to redefine standards in genetic diagnostics. With these innovations in advanced genetic technologies, Strand wants to contribute to the efforts by the Indian Government in reducing the burden of rare diseases in India," said Ramesh Hariharan, CEO and Co-founder of Strand Life Sciences. India has the highest rate of Down Syndrome with 1 in 830 births affected according to the Down Syndrome Federation of India. Prenatal diagnosis can help detect Down Syndrome and other fetal abnormalities. While routine screening tests remain an option for many expectant parents, they unfortunately have lower detection rates and higher false positives. Sequencing based NIPS has superior accuracy, early detection, and safety advantages, especially for high-risk individuals. American College of Medical Genetics and Genomics (ACMG) strongly recommends NIPS over traditional screening methods for all pregnant women with singleton and twin gestations for fetal trisomies 21, 18, and 13. Prof Dr. Narendra Malhotra, Senior Consultant Obstetrician and Gynaecologist and past president of The Federation of Obstetric and Gynecological Societies of India (FOGSI) said, "Advancing prenatal genetic screening in India is crucial. NIPS, with its higher sensitivity in detecting common aneuploidies, offers a more accurate alternative to routine markers and biochemical tests. With Strand Life Sciences introducing MaatriSeq NIPS on a high throughput sequencing platform, we now have a solution that combines superior quality and affordability, thus helping widespread implementation." This service is exclusively available upon prescription from any consultant duly registered with PCPNDT, ensuring compliance with regulatory standards and ethical guidelines. For more information about Strand Life Sciences and its transformative prenatal screening and diagnostics technologies, please visit https://strandls.com.

कांग्रेस एससी, ओबीसी का कोटा मुसलमानों को देना चाहती है: नड्डा

नयी दिल्ली, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को लाभ पहुंचाने के लिए अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अधिकारों को छीनना चाहती है तथा यह विपक्षी दल का छिपा हुआ एजेंडा है। कांग्रेस को परंपरागत रूप से वंचित हिंदू समूहों की कीमत पर मुसलमानों के हितों की वकालत करने वाली पार्टी के रूप में पेश करने की भाजपा की कोशिशों को जारी रखते हुए नड्डा ने कहा कि विपक्षी दल अल्पसंख्यक समुदाय को एससी घोषित करने और उसे आरक्षण देने का लंबे समय से आधार बना रहा है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत मतदान जारी रहने के बीच वीडियो के जरिए एक बयान जारी किया। नड्डा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के 2006 के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों का है। भाजपा नेता ने कहा कि सिंह ने अप्रैल 2009 में भी इसी तरह की टिप्पणी की थी। कांग्रेस ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ दल ने जनता के समर्थन की कमी के मद्देनजर चुनावों के दौरान ध्रुवीकरण करने के लिए झूठ फैलाने और सांप्रदायिक विभाजन का सहारा लिया है। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने कुछ राज्यों में मुसलमानों को आरक्षण देने की कोशिश की है, जिसमें कर्नाटक भी शामिल है, जहां भाजपा सरकार ने आरक्षण समाप्त कर दिया था,

प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं : वैष्णव

राजकोट, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं और देश के लोग भाग्यशाली हैं कि उन्हें ऐसा मेहनती तथा दूरदर्शी नेतृत्व मिला है। वैष्णव ने गुजरात के राजकोट शहर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कांग्रेस पर 1950 से 1990 के बीच का समय तथा 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासनकाल के दस वर्षों समेत पांच दशक बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 1947 में जब देश को आजादी मिली तो वह उत्साह से लबालब था। वैष्णव ने राजकोट चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, '' लेकिन, दुर्भाग्य से 1947 के बाद पहले चार दशकों में जो सरकारें आईं, उन्होंने भारत की मूल शक्तियों और उद्यमशीलता की भावना को खत्म कर दिया। वर्ष 1950 से 1990 के बीच के हमारे चार दशक बर्बाद हुए ।'' उन्होंने कहा, '' आज के युवा उद्यमियों को इस बात पर विश्वास नहीं होगा कि उन दिनों अगर आप अपनी कार के स्टीयरिंग का डिजाइन बदलना चाहते थे या अपनी फैक्टरी में उत्पादन बढ़ाना चाहते थे तो आपको दिल्ली में एक कांग्रेस नेता से संपर्क करना पड़ता था। ऐसी ही बदतर स्थिति उस समय कांग्रेस शासन में थी। '' वैष्णव ने कहा कि हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने स्थिति में सुधार के लिए कदम उठाए, लेकिन 2004 और 2014 के बीच कांग्रेस शासन में सब कुछ शून्य हो गया।

मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री से बात की, जी7 के लिए आमंत्रित करने पर धन्यवाद कहा

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से जून में वहां होने वाले जी 7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण मिला है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मोदी ने बृहस्पतिवार को इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से बातचीत की और जून में पुगलिया में होने वाले जी7 शिखर सम्मेलन के वास्ते निमंत्रण देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने इटली के मुक्ति दिवस की 79वीं वर्षगांठ पर मेलोनी और इटली के लोगों को बधाई दी। मोदी ने कहा, ''जून में जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। भारत में आयोजित जी20 के परिणामों को जी7 में आगे बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहरायी।'' यह सम्मेलन 13 –15 जून के बीच होगा। वर्तमान लोकसभा चुनाव के परिणाम की घोषणा चार जून को हो जायेगी। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पूर्व मोदी ने फरवरी में कहा था कि उन्हें 'जुलाई, अगस्त और सितंबर के लिए अन्य देशों से पहले ही निमंत्रण मिल चुका है' क्योंकि उन्हें (इन देशों को) 'भाजपा सरकार के सत्ता में लौटने का विश्वास है।' अधिकारियों ने बताया कि जून में इटली के पुगलिया में होने वाले जी7 सम्मेलन के वास्ते प्रधानमंत्री मोदी को मेलोनी का निमंत्रण इसी विश्वास को दोहराता है। बयान के अनुसार दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया।

जीपीएस टोल प्रणाली– वाहनों पर ट्रैकर लगेगा क्या, कैसे करेगा काम, जानें सबकुछ

नई दिल्ली. जल्द ही वाहन चालकों को टोल चुकाने के लिए टोल प्लाजा में रुकने से जरूरत नहीं होगी. जीपीएस आधारित आटोमेटिक टोल प्रणाली लागू हो जाएगी. जिससे बगैर रुके टोल कटेगा. आम लोगों के मन में ये सवाल जरूर उठ रहे होंगे कि नए वाहनों पर कोई डिवाइस लगकर आएगी क्या, पुराने वाहन चालकों को डिवाइस लगवानी होगी क्या, इसे कौन लगवाएगा, सरकार या स्वंय, कितने का आएगा, इस तरह के तमाम सवालों के जवाब इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सपर्ट दे रहे हैं, आइए जानें. इंफ्रास्ट्रक्चर एक्सपर्ट वैभव डांगे ने बताया कि आटोमेटिक टोल प्रणाली का सफल पायलट प्रोजेक्ट दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर हो चुका है. इसके लिए पूरे नेशनल हाईवे की जिओ फेंसिंग कराई जाएगी. इसके साथ ही वाहनों में एक छोटा सा ऑन बोर्ड डिवाइस लगाया जाएगा. जो सेटेलाइट के जरिए कनेक्ट रहेगा. नए वाहनों में यह डिवाइस लगकर आ सकता है, यह सरकार की पोलिसी से तय होगा और पुराने वाहनों में लगवाना पड़ सकता है. उन्होंने बताया कि इसकी कीमत 300–400 रुपये से अधिक होने की संभावना नहीं है. उनका मानना है कि सरकार इस ऑन बोर्ड डिवाइस को फास्टैग की तरह फ्री भी दे सकती है. क्योंकि डिवाइस के लगने के बाद तीन वर्ष में टोल टैक्स कलेक्शन दोगुना तक पहुंच सकता है. देशभर में मौजूदा समय करीब 1.5 लाख किमी. लंबा हाईवे है. इसमें करीब 90 हजार किमी.नेशनल हाईवे के पास है. इसी हार्डवे में आटोमेटिक टोल प्रणाली लागू करने की तैयारी है. क्योंकि 90 हजार किमी. में हाईवे में करीब 25 हजार में टोल नहीं लगता है. डिवाइस लगने के बाद पूरे हाईवे से टोल वसूला जा सकेगा. इससे राजस्व की बढ़ोत्तरी होगी. उनका कहना है कि सेटेलाइट आधरित टोल प्रणाली लागू होने के बाद लोगों के पास भुगतान करने के कई विकल्प होंगे. जैसे अभी फास्टैग पेटीएम या बैंक अकाउंट से लिंक है. उसी तरह नई प्रणाली लागू होने के बाद लोगों के पास भुगतान के कई विकल्प होंगे, वे चाहें तो बैंक अकाउंट से या अन्य डिजीटल माध्यम से भुगतान कर सकेंगे.

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का लाभ 2023–24 में 30 प्रतिशत बढ़कर 240 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023–24 में 30.4 प्रतिशत बढ़कर 240 करोड़ रहा। भारतीय स्टेट बैंक की अनुषंगी साधारण बीमा कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष 2022–23 में 184 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि कंपनी ने 12,731 करोड़ रुपये के सकल प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) के साथ समग्र कारोबार में मजबूत वृद्धि का प्रदर्शन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है।

वीवीपैट की 100 फीसदी पर्चियों से ईवीएम के वोटों का नहीं होगा मिलान, बैलेट पेपर से भी चुनाव नहीं; सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट की पर्चियों और ईवीएम में पड़े सभी वोटों का मिलान करने संबंधी अर्जी को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि बैलेट पेपर से चुनाव नहीं कराया जाएगा। चुनाव ईवीएम से ही होगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा है कि वो सिंबल लोडिंग यूनिट को सील करे। वीवीपैट की पर्चियों को 45 दिन तक सुरक्षित रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है। अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि संबंधित सीट का नतीजा आने के बाद ईवीएम बनाने वाली कंपनियों के इंजीनियर उसकी जांच करेंगे। इसके लिए प्रत्याशी को नतीजा आने के 7 दिन में आवेदन करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से भी कई अहम सवाल पूछे थे। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था कि क्या नियंत्रण इकाई या वीवीपैट में माइक्रो कंट्रोलर लगा हुआ है? कोर्ट का दूसरा अहम सवाल ये था कि क्या माइक्रो कंट्रोलर एक बार प्रोग्राम करने योग्य है? सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से तीसरा सवाल ये पूछा था कि सिंबल लोड करने वाली कितनी इकाइयां उपलब्ध हैं? सुप्रीम कोर्ट का चौथा सवाल ये था कि चुनाव याचिका दायर करने की समयसीमा 30 दिन है। इस तरह स्टोरेज और रिकॉर्ड 45 दिन तक चुनाव आयोग रखता है, लेकिन कानून के तहत चुनाव याचिका की समयसीमा 45 दिन है? सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ये कहा था कि आपको इसे ठीक करना होगा।